राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार 14 सितंबर 2025 वर्ष-8,अंक-205 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गणेश विसर्जन जुलूस में घुसे ट्रक ने 20 को रौंदा, 8 लोगों की मौत

हासन (एजेंसी)। कर्नाटक के हासन जिले में शुक्रवार को बड़ा हादसा हो गया। यहां भगवान गणेश के विसर्जन जुलूस में एक तेज रफ्तार ट्रक घुस गया और उसने 20 लोगों से अधिक को रौंदा डाला। इसमें से 8 लोगों को मौत हो गई। जबकि 12 लोग घायल हुए हैं इसमें से कुछ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। यह घटना हसन जिले के हसन तालुका में मोसाले होसाहल्ली रेलवे फाटक के पास हुई। बताया जा रहा है कि जुलूस में मोसाले होसाहल्ली, हिरेहल्ली और आसपास के गांवों के लोग शामिल थे। मृतकों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। ड्राइवर भुवनेश को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। लोगों ने उसे गाड़ी से बाहर खींचकर पीटा। ट्रक ने पहले एक बाइक को टक्कर मारी, फिर एक डिवाइडर से टकराया और अंतत: गणेश विसर्जन के लिए आई भीड़ को कुचल दिया। चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और चार अन्य ने अलग-अलग अस्पतालों में दम तोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि आठ मृतकों में से पांच इंजीनियरिंग के छात्र थे। मृतकों के शवों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के शवगृह में भेज दिया गया है। गंभीर रूप से घायलों को हासन शहर और होलेनरसीपुर कस्बे के सरकारी और विभिन्न निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। अन्य घायलों को स्थानीय अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। बाद में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। इस घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने एक्स पर लिखा, हासन तालुका के मोसाले होसाहल्ली में गणपति विसर्जन जुलूस के दौरान हुई भीषण दुर्घटना की खबर सुनकर मुझे गहरा सदमा पहुंचा है, जहां कई लोगों की जान चली गई और 20 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह बेहद दुखद है कि गणपति जुलूस के दौरान एक ट्रक की चपेट में आने से श्रद्धालुओं की जान चली गई। कुमारस्वामी ने कहा, यह एक बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें और शोकाकुल परिवारों को यह दु:ख सहने की शक्ति प्रदान करें। मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। राज्य सरकार को घायलों को सर्वोत्तम नि:शुल्क उपचार प्रदान करने के लिए कदम उठाने चाहिए। जद(एस) विधायक और पूर्व मंत्री एचडी रेवन्ना, उनके बेटे जेडी (एस) एमएलसी सूरज रेवन्ना और हासन से सांसद श्रेयस पटेल भी घटनास्थल पर पहुंचे।

संतों पर टिप्पणी से नाराज गैंगस्टर्स ने अभिनेत्री दिशा पाटनी के घर कर दी फायरिंग

बरेली (एजेंसी)। उप्र के बरेली स्थित अभिनेत्री दिशा पाटनी के घर आज तड़के साढ़े 3 बजे कुछ बदमाशों ने फायरिंग कर दी।बाइक सवार 2 अज्ञात हमलावरों ने दिशा के घर पर कई राउंड गोलीबारी की और फरार हो गए। इस फायरिंग की जिम्मेदारी दो कुख्यात गैंगस्टरों— रोहित गोदारा और गोल्डी बरार ने सोशल मीडिया पर ली है। इन गैंगस्टरों ने एक पोस्ट में लिखा कि यह हमला संत प्रेमानंद जी महाराज और अनिरुद्धाचार्य जी महाराज के अपमान का बदला लेने के लिए किया गया।हाल ही में दिशा पाटनी की छोटी बहन खुशबू पाटनी ने संत प्रेमानंद महाराज के खिलाफ सोशल मीडिया पर कोई टिप्पणी की थी। गैंगस्टरों ने इसी को आधार बनाकर इस फायरिंग को धार्मिक अपमान का बदला बताया है। यह फायरिंग दिशा पाटनी के पारिवारिक निवास विला नंबर 40, सिविल लाइंस, बरेली पर हुई। यह घर दिशा के पिता, रिटायर्ड सीओ (पुलिस अधिकारी) जगदीश पाटनी का है। घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी गई। जय श्रीराम... आज जो दिशा पाटनी/खुशबू पाटनी के घर पर फायरिंग हुई है, वो हमने करवाई है। इन लोगों ने हमारे पूज्य संतों और सनातन धर्म का अपमान किया था। ये सिर्फ ट्रेलर है, अगर दोबारा किसी ने हमारे धर्म के खिलाफ कुछ बोला, तो किसी को जिंदा नहीं छोड़ेंगे। गैंगस्टरों ने यह भी कहा कि यह चेतावनी सिर्फ दिशा पाटनी के लिए नहीं, बल्कि पूरे फिल्म जगत के लिए है। जो भी धर्म या संतों के खिलाफ बोलेगा, उसे इसका अंजाम भुगतना पड़ेगा। बरेली पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया है और जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि हमलावरों की पहचान हो सके। पुलिस ने पांच टीमें बनाई हैं, जिनका नेतृत्व एसपी सिटी और एसपी क्राइम कर रहे हैं। परिवार की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और घर के बाहर सशस्त्र पुलिस बल तैनात किया गया है। बरेली के एसएसपी अनुराग आर्य ने कहा कि रिटायर्ड सीओ जगदीश पाटनी के घर फायरिंग की सूचना मिली है। सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाए गए हैं और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए तेज़ी से काम किया जा रहा है।

पीएम मोदी ने सुशीला कार्की को दी बधाई कहा- नेपाल में शांति और प्रगति के लिए भारत प्रतिबद्ध

नई दिल्ली (एजेंसी)। पड़ोसी देश नेपाल में अंतरिम सरकार के गठन और पूर्व चीफ जस्टिस सुशीला कार्की के अंतरिम प्रधानमंत्री बनने के बाद पीएम मोदी ने भी उन्हें बधाई दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार सुबह सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा, नेपाल की अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री के रूप में पद ग्रहण करने पर सुशीला कार्की जी को हार्दिक शुभकामनाएं। नेपाल के भाई-बहनों की शांति, प्रगति और समृद्धि के लिए भारत पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। इससे पहले भारत के विदेश मंत्रीलय ने देर रात जारी एक बयान में कहा कि एक करीबी पड़ोसी के रूप में भारत नेपाल के लोगों की भलाई एवं समृद्धि के लिए उसके साथ मिलकर काम करना जारी रखेगा। विदेश मंत्रालय ने कहा, हम नेपाल में सुशीला कार्की के नेतृत्व में नई अंतरिम सरकार के गठन का स्वागत करते हैं। हमें उम्मीद है कि इससे शांति एवं स्थिरता को बढ़ावा मिलेगा। प्रदर्शनकारी समूहों और काठमांडू शहर के मेयर बालेन्द्र शाह ने सर्वसम्मति से कार्की को प्रधानमंत्री पद के लिए स्वीकार किया। कार्की और सेना प्रमुख अशोक राज सिगडेल के साथ कई बैठकों के बाद राष्ट्रपति ने उन्हें नेपाल का प्रधानमंत्री नियुक्त करने का निर्णय लिया। सुशीला कार्की को प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया और उन्हें छह महीने के भीतर आम चुनाव कराने का निर्देश दिया गया है। प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने अपने कार्यकाल के पहले निर्णय के रूप में प्रतिनिधि सभा को भंग कर दिया। बता दें कि नेपाल की पूर्व चीफ जस्टिस सुशीला कार्की ने शुक्रवार देर शाम नेपाल के प्रधानमंत्री का पदभार ग्रहण कर लिया। राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल ने राष्ट्रपति कार्यालय, शीतल निवास में आयोजित एक समारोह में कार्की को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

मणिपुर हिंसा में हिंसा के बाद पीएम मोदी का पहला दौरा

पीएम मोदी ने मिजोरम में विकास और मणिपुर में विश्वास की नई पटरियाँ बिछाई

वाराणसी(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मणिपुर और मिजोरम यात्राएँ केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं थीं, बल्कि इन्हें पूर्वोत्तर भारत के भविष्य की दृष्टि से एक निर्णायक कदम माना जाना चाहिए। जातीय हिंसा से प्रभावित मणिपुर को करोड़ों रुपए के विकास की सौगात देकर प्रधानमंत्री ने राज्य को विकास की राह पर बढ़ने के लिए प्रेरित किया तो दूसरी ओर मिजोरम को पहली बार राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जोड़कर नई आर्थिक संभावनाओं के द्वार खोले।

मणिपुर की बात करें तो मई 2023 से चली आ रही जातीय हिंसा ने राज्य की सामाजिक संरचना को झकझोर दिया। हज़ारों लोग विस्थापित हुए, सैकड़ों ने अपनी जान गंवाई और विश्वास की दीवारें दरक गईं। ऐसे समय में प्रधानमंत्री का राहत शिविरों तक पहुँचना और पीड़ित परिवारों से सीधे संवाद करना केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि विश्वास बहाली की ठोस पहल है। जब देश का शीर्ष नेतृत्व प्रभावित समुदायों की आँखों में आँखें डालकर आश्वासन देता है, तो लोगों को भरोसा होता है कि सरकार उनके साथ खड़ी है। मोदी ने स्पष्ट कहा कि विकास की पहली शर्त शांति है। देखा जाये तो प्रधानमंत्री के इस संदेश का असर संघर्षरत गुटों तक पहुँचना स्वाभाविक है। यदि संवाद और पुनर्वास की प्रक्रिया ईमानदारी से आगे बढ़ी तो मणिपुर में स्थायी शांति की नींव रखी जा सकती है। निस्संदेह, इस यात्रा से लोगों का विश्वास सरकार पर बढ़ा है और उन्हें लगता है कि उनकी पीड़ा अब उपेक्षित नहीं रहेगी।

दूसरी ओर मिजोरम के लिए बैराबी-सैरंग रेलवे लाइन का उद्घाटन ऐतिहासिक है। 45 सुरंगों और दर्जनों पुलों से होकर गुज़रने वाली यह रेल परियोजना केवल तकनीकी चमत्कार नहीं, बल्कि आर्थिक जीवनरेखा है। मिजोरम अब सीधे दिल्ली, कोलकाता और गुवाहाटी से जुड़ गया है। इसका अर्थ है- रोजगार और व्यापार के नए अवसर, पर्यटन में भारी बढ़ोतरी, खाद्यान्न व आवश्यक वस्तुओं की आसान आपूर्ति और सबसे महत्वपूर्ण, पूर्वोत्तर को मुख्यधारा की अर्थव्यवस्था से स्थायी जुड़ाव। यह परियोजना ÷एक्ट ईस्ट÷ नीति को गति देगी और मिजोरम को दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ जोड़कर अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए भी तैयार करेगी। प्रधानमंत्री ने मिजोरम से जो संदेश दिया उसकी गूँज पूरे देश तक पहुँची है।

बहरहाल, प्रधानमंत्री की मणिपुर की यात्रा से यह संदेश गया कि सरकार केवल नीतियों से नहीं, बल्कि संवेदनशील संवाद से भी शांति ला सकती है। वहीं मिजोरम की रेल परियोजना ने दिखा दिया कि पूर्वोत्तर अब उपेक्षित नहीं, बल्कि भारत की विकास यात्रा का इंजन बनने जा रहा है। इस दौरे का सबसे बड़ा महत्व यही है कि प्रधानमंत्री ने पूर्वोत्तर को केवल सीमांत भूगोल नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता और विकास का केंद्र मानते हुए वहाँ विश्वास और विकास दोनों की नई पटरियाँ बिछाई हैं।

हॉट एयर बैलून में लगी आग, सीएम यादव बाल-बाल बचे, बड़ी दुर्घटना टली

नई दिल्ली (एजेंसी)। मंदसौर,(ईएमएस)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव शनिवार को एक बड़े हादसे का शिकार होते-होते बच गए। दरअसल गांधी सागर अभयारण्य में हॉट एयर बैलून एक्टिविटी के दौरान उनके बैलून के निचले हिस्से में अचानक आग लग गई। घटना के समय मुख्यमंत्री बैलून के भीतर ही मौजूद थे। हालांकि, आग भड़कते ही सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत ही सीएम यादव को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इसी के साथ ही आग पर भी काबू पा लिया गया।

सीएम यादव गांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीट शनिवार सुबह पहुंचे थे और यहां उन्होंने बोटिंग का लुत्फ भी लिया था। इसके बाद सीएम यादव मंदसौर सांसद सुधीर गुप्ता के साथ हॉट एयर बैलून के सफर का रोमांच लेने निकले थे। इसी बीच यह हादसा सामने आया। हॉट एयर बैलून दुर्घटना के प्रत्यक्षदर्शियों का कहना था, कि जब मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव बैलून में सवार हुए, उस समय हवा तेज हो गई और बैलून के निचले हिस्से में आग लग गई। हॉट एयर बैलून एक्सपर्ट की मानें तो सुबह 6 से 7~30 बजे का समय हवा की रफ्तार न के बराबर होने वाला होता है। चूंकि हॉट एयर बैलून में हवा की रफ्तार जीरो होनी चाहिए, अत~ यह समय उचित माना जाता है। दुर्घटना जब हुई उस वक्त हवा की रफ्तार करीब 20 किलोमीटर प्रति घंटा थी। हवा के तेज रुख के चलते बैलून उड़ान नहीं भर पाया और इसी दौरान आग ने बैलून के निचले हिस्से को अपने शिकंजे में ले लिया। आगे और तेज भड़कती और कोई बड़ा हादसा होता इससे पहले ही सीएम यादव को सकुशल हॉट ऐयर बैलून से बाहर निकाल लिया गया।

इस घटना को लेकर प्रशासन का कहना था, कि सुरक्षा मानकों में कोई चूक नहीं हुई। मंदसौर की कलेक्टर अदिती गर्ग ने मीडिया को बताया कि मुख्यमंत्री केवल हॉट एयर बैलून को देखने पहुंचे थे। उन्होंने कहा, कि कुछ माध्यमों में भ्रामक जानकारी प्रसारित की जा रही है। सभी सुरक्षा मानकों का पालन किया गया था। नागरिक अफवाहों पर ध्यान न दें। वहीं दूसरी तरफ कहा जा रहा है कि हॉट ऐयर बैलून में लगी आग से भले ही बड़ी दुर्घटना टल गई हो, लेकिन इस घटना ने सुरक्षा इंतजामों पर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं।

गौरतलब है कि सीएम मोहन यादव शुक्रवार को झाबुआ में थे, जहां उन्होंने लाड़ली बहना योजना के तहत 1.26 करोड़ महिला लाभार्थियों को 1541 करोड़ रुपये की राशि स्थानांतरित की। उन्होंने घोषणा की थी कि दिवाली के बाद मासिक वित्तीय सहायता 1250 रुपये से बढ़ाकर 1500 रुपये कर दी जाएगी और 2028 तक यह राशि 3000 रुपये प्रतिमाह कर दी जाएगी।

आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में दिया हलफनामा... एसआईआर कराने के निर्देश वाली याचिका खारिज करे

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनावों से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर मामले में निर्वाचन आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में जवाबी हलफनामा दाखिल किया है। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट से देशभर में संसदीय, विधानसभा या स्थानीय निकाय चुनावों से पहले समयबद्ध तरीके से एसआईआर कराने के निर्देश वाली जनहित याचिका खारिज करने का आग्रह किया है।

सुप्रीम कोर्ट में दाखिल अपने हलफनामे में आयोग ने कहा कि देशभर में चरणबद्ध तरीके से एसआईआर कराने का निर्णय करना निर्वाचन आयोग का संविधान प्रदत्त विशेषाधिकार है। लिहाजा अदालत इस तरीके से एसआईआर का निर्देश नहीं दे सकतीं। अगर अदालत ऐसा निर्देश देती है, तब ये निर्वाचन आयोग के संवैधानिक क्षेत्राधिकार में अतिक्रमण के समान होगा।

निर्वाचन आयोग ने सुप्रीम कोर्ट से वकील अश्विनी उपाध्याय की याचिका को सिरे से खारिज करने का आग्रह किया है। पिछली सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट के समक्ष याचिकाकर्ता वकील उपाध्याय ने कहा था कि यह बिहार वोटर लिस्ट से जुड़ा मामला है।

दरअसल सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर लोकसभा, विधानसभा और स्थानीय निकाय चुनावों से पहले मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर का निर्देश देने की मांग की गई है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि केवल भारतीय नागरिक ही राजनीति और देश की नीति तय करें, न कि अवैध विदेशी घुसपैठिए।

मंत्रियों और अधिकारियों की नौकरी को एआई से खतरा

- दुनिया की पहली एआई डिजिटल वोट बनी कैबिनेट मंत्री

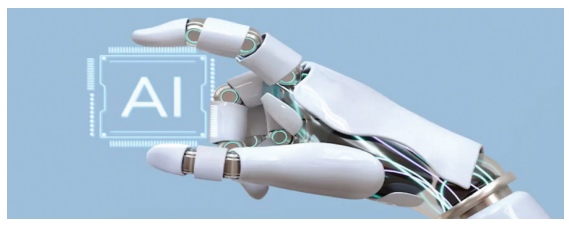

नई दिल्ली। तकनीकी के आगे सभी बेबस हैं। मंत्री और बड़े-बड़े अधिकारी भी एआई के कारण संकट में आ गए हैं। कार्यपालिका में भ्रष्टाचार खत्म करने और समय पर काम करने के लिए अब एआई का इस्तेमाल शुरू हो गया है। हाल ही में अल्बानिया के प्रधानमंत्री एडी रामा ने अपनी कैबिनेट में एआई बोट दीएला को शामिल किया है। कैबिनेट मंत्री के रूप में डिजिटल बोट को शामिल किया गया है। प्रधानमंत्री ने दावा किया है, इससे भ्रष्टाचार की अंधेरी गलियों से बाहर निकलने में मदद मिलेगी। सरकारी कामकाज त्वरित गति से होंगे। भ्रष्टाचार समाप्त होगा। प्रधानमंत्री ने इसे सार्वजनिक खरीद के दायित्व को सौंपा है। सरकारी खरीद में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार की शिकायत मिलती थी। इसको रोकने के लिए एआई बोट को कैबिनेट में शामिल किया गया है। इसे कैबिनेट मंत्री के अधिकार दिए गए हैं। प्रधानमंत्री ने दावा किया है,अल्बानिया जल्द ही 100 फ़ीसदी भ्रष्टाचार से मुक्त होगा। अल्बानिया की राजधानी तिराना में सत्तारूड़ सोशलिस्ट पार्टी के सम्मेलन में उन्होंने इसकी घोषणा करते हुए जानकारी दी।एआई तकनीकी से लेस इस डिजिटल बोट को अल्बानिया की पोशाक में एआई अल्बानिया के पोर्टल पर शामिल किया गया है। अल्बानिया में सरकारी खरीद की टेंडर प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और घोटाले के आरोप लगते रहे हैं। प्रधानमंत्री का कहना है, वह 2030 तक यूरोपीय यूनियन में शामिल होना चाहते हैं। इसके लिए वह अल्बानिया को पूरी तरह से भ्रष्टाचार मुक्त राष्ट्र बनाना चाहते हैं। अल्बानिया की आबादी मात्र 28 लाख की है। यहां पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार होता है। जनवरी 2025 में एआई अल्बानिया प्लेटफार्म को लॉन्च किया गया था। आम नागरिकों और कारोबारियों के लिए सरकारी सेवाओं को उपलब्ध कराने के लिए इसका उपयोग किया जा रहा है। इलेक्ट्रॉनिक स्टैंप और वॉइस कमांड से दीएला ने नौकरशाही की लेट लतीफी को कम करने में मदद की है। अभी तक उसने 40000 से अधिक दस्तावेजों को जारी किया है। यह एआई मॉडल बड़े अच्छे तरीके से काम कर रही है।

रूस में भूकंप के फिर जबरदस्त झटके, 7.4 की तीव्रता से हिली धरती, सुनामी की चेतावनी

मॉस्को (एजेंसी)। आए दिन दुनिया में कहीं न कहीं भूकंप के झटके लग रहे हैं। अफगानिस्तान में तो सैकड़ों लोगों की जान चली गई और वहां भारी नुकसान हुआ है। शनिवार को रुस में भी भूकंप ने काफी डरा दिया है। यहां कमचटका प्रायद्वीप के पूर्वी तट के पास शनिवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिपोर्ट के मुताबिक, इस क्षेत्र में रिक्टर पैमाने पर 7.4 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया है। इसके बाद सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, भूकंप रूसी शहर पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की से 111 किलोमीटर (69 मील) पूर्व में कामचटका क्षेत्र के प्रशासनिक केंद्र में, 39.5 किलोमीटर की गहराई पर आया। भूकंप के बाद, कामचटका क्षेत्र के स्थानीय अधिकारियों ने सुनामी की चेतावनी जारी की।

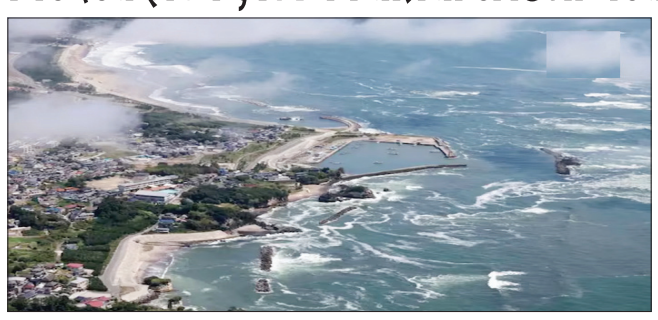

भूकंप के तुरंत बाद सोशल मीडिया पर कई वीडियो सामने आए, जिनमें तेज झटकों की स्थिति दिखाई दी। कुछ वीडियो में फर्नीचर जोर-जोर से हिलता नजर आया, जबकि अन्य में कमचटका क्षेत्र के इमारतों में डर और नुकसान के दृश्य दिखे। स्थानीय खबरों के अनुसार बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है, हालांकि पूरा आकलन अभी जारी है। यह भूकंप अवाचा खाड़ी के निकट आया, जो प्रशांत अग्नि वलय के साथ स्थित होने के कारण अपनी भूकंपीय गतिविधि के लिए जाना जाता है, जो विश्व के सर्वाधिक सक्रिय टेक्टोनिक क्षेत्रों में से एक है। कामचटका क्षेत्र के गवर्नर व्लादिमीर सोलोदोव ने बताया कि सुनामी की चेतावनी जारी कर दी गई है। हम आपसे अनुरोध करते हैं कि समुद्र तट और सुनामी के खतरे वाले अन्य क्षेत्रों में जाते समय विशेष रूप से सावधान रहें। गवर्नर ने लोगों से शांति बनाए रखने और आधिकारिक स्रोतों से मिलने वाली जानकारी पर नजर रखने की सलाह दी। इस बीच, जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के हवाले से बताया कि कामचटका में भूकंप से जापान के तट पर मामूली ज्वारीय उतार-चढ़ाव हो सकता है, लेकिन देश में भूकंप से नुकसान का कोई खतरा नहीं है।

रूसी मीडिया के अनुसार, यह भूकंप 30 जुलाई को कामचटका में आए 8.8 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप के बाद आए झटकों की श्रृंखला का हिस्सा था। जुलाई में आए शक्तिशाली भूकंप ने प्रशांत महासागर के कुछ हिस्सों में सुनामी की चेतावनी जारी कर दी थी। यूएसजीएस ने चेतावनी दी थी कि भूकंप के तीन घंटे के भीतर रूस और जापान के तटीय इलाकों में खतरनाक सुनामी लहरें पहुंच सकती हैं। भूकंप 19.3 किलोमीटर (12 मील) की कम गहराई पर दर्ज किया गया था, जिससे जमीन पर तेज झटके और संभावित सुनामी लहरों का खतरा बढ़ गया था। प्रभावित क्षेत्रों के तटीय निवासियों से ऊंचे स्थानों पर चले जाने और स्थानीय आपातकालीन प्रोटोकॉल का पालन करने का आग्रह किया गया है।

जंगलराज पर नड्डा ने आरजेडी को घेरा, तेजस्वी से पूछा- लालू के बयानों पर कब मांगेंगे माफ़ी?

कोलकाता (एजेंसी)। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा आज बिहार दौरे पर हैं। बिहार में एक कार्यक्रम के दौरान नड्डा ने कहा कि बिहार के बारे में चर्चा करें तो दो तस्वीर सामने आती है,- एक अंधकारमय बिहार और दूसरा उजाले की ओर बढ़ता बिहार। पहले वोटबैंक के लिए तुष्टिकरण की राजनीति होती थी, हर काम में भ्रष्टाचार होता था, हत्या-अपहरण आम बात हो गई थी। आज एनडीए सरकार में बिहार प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री नीतीश जी नेतृत्व में बिहार कई बड़े बदलाव हुए हैं। मुझे खुशी है कि महिला सशक्तिकरण में बिहार ने अपने आप को साबित किया है।

जेपी नड्डा ने विपक्ष पर वार करते हुए कहा कि ढ्ढह्रष्ठढ्ढ- द्यद्यद्बड्डठ्ठष्द्ग के नेता सिर्फ सत्ता के भूखे हैं, यही इनका विजन और मिशन है। उन्हें सिर्फ अपने स्वार्थ से मतलब है, बिहार या भारत की जनता से कोई मतलब नहीं। उन्होंने कहा कि विकास के नाम पर लालू यादव कहते थे- रोड बना देंगे तो पुलिस जल्दी पहुंच जाएगी और जानवरों के खुर खराब हो जाएंगे। पलायनवाद पर लालू महिमामंडन करते थे- बिहार का लोग गमछा पहनकर जाता है, सूट पहनकर लौटता है। आज तक राजद ने माफी नहीं मांगी!

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस और बाकी विपक्ष ने राजनीति को निम्नतम स्तर पर पहुंचा दिया है। पहले इनके मंच से मोदी जी की माता जी को गालियां दी गई और कल कांग्रेस का जो वीडियो आया है वो इस बात का प्रमाण है कि उनकी सोच कितनी गंदी है। उन्होंने कहा कि ये लोग किस तरह राजनीति को गिरा रहे हैं। बिहार की धरती इसका गवाह है। जागृत बिहार की जनता सही समय आने

पर इसका मुंहतोड़ जवाब देगी।

नेपाल में जेन-जी आंदोलन का उत्तराखंड में असर, नेपाली ग्राहकों पर निर्भर बनबसा बाजार में सन्नाटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल?ली (ईएमएस)। नेपाल में जेन-जी आंदोलन के बाद पैदा हुई अशांति ने भारत-नेपाल सीमा पर स्थित उत्तराखंड के बनबसा बाजार को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। बीते तीन दिनों से सीमा पर सन्नाटा छा गया है, जिससे स्थानीय व्यापारियों का 90 प्रतिशत से अधिक कारोबार ठप हो चुका है।

बनबसा बाजार, जो मुख्य रूप से नेपाली ग्राहकों पर निर्भर है, अब पूरी तरह शांत हो गया है। व्यापारियों को प्रतिदिन 40 से 50 लाख रुपये का अनुमानित नुकसान हो रहा है। नेपाली शहर महेंद्रनगर (कंचनपुर) में लगे कर्फ्यू के कारण सीमा पर आवागमन पूरी तरह बंद है, जिसका सीधा असर भारतीय बाजार पर पड़ा है। स्थानीय व्यापारी अब नेपाल में शांति बहाल होने का इंतजार कर रहे हैं, ताकि उनका कारोबार पटरी पर लौट सके। बनबसा बाजार चंपावत जिले में स्थित है और नेपाल के महेंद्रनगर से सटा हुआ है। यह बाजार दैनिक आवश्यकताओं जैसे नमक, तेल, चीनी, मसाले, परचून, सब्जी, गुड़ आदि के लिए नेपाली ग्राहकों का प्रमुख केंद्र है।

इसके अलावा, कपड़े, हार्डवेयर, मोटर पार्ट्स, दवाइयां और अन्य महत्वपूर्ण सामान भी यहां से नेपाल निर्यात होते हैं। सामान्य दिनों में बाजार नेपाल के हजारों ग्राहकों से गुलजार रहता है, लेकिन अब नेपाली ग्राहक न आने से 90-95 प्रतिशत दुकानें बंद पड़ी हैं। केवल 10 प्रतिशत स्थानीय भारतीय ग्राहकों पर निर्भरता बची है। व्यापारी दिन में ही दुकानों पर खाली बैठे हैं या गद्दियों पर सो रहे हैं। मीना बाजार पूरी तरह धराशायी हो चुका है, जहां कई दुकानदार शाम 4 बजे ही घर लौट जाते हैं।

स्थानीय व्यापार मंडल के अनुसार, बनबसा का कारोबार पूरी तरह नेपाल पर आश्रित है। सामान्यतः दैनिक व्यापार 60-70 लाख रुपये तक होता था, जो अब घटकर मात्र 1-2 लाख रह गया है। इससे आर्थिक संकट गहरा गया है। व्यापारियों की चिंता दशहरा और दीपावली जैसे प्रमुख त्योहारों को लेकर है। नेपाल में दशहरा सबसे बड़ा त्योहार है, जब बनबसा बाजार में प्रतिदिन 2.5 से 3 करोड़ रुपये का कारोबार होता है। यदि स्थिति यूं ही बनी रही, तो त्योहारों पर भी असर पड़ेगा और व्यापारियों की जीविका खतरे में पड़ जाएगी। 1960 से यहां व्यापार चला आ रहा है, लेकिन कोविड काल के बाद यह पहली बार इतना बुरा दौर आया है। नेपाली व्यापारियों के साथ लूटमार की घटनाओं से उनका कारोबार भी प्रभावित हुआ है, जिसका खामियाजा भारतीय पक्ष को भुगतना पड़ रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हिन्दी भाषा व हिंदी दिवस का महत्व

(लेखक - संजय गोस्वामी)

हिन्दी देश की एकता की कड़ी है। हिन्दी सहज, सरल एवं सम्पूर्ण भाषा है, पर्याप्त शब्द कोष है।इसमें हमारी संवेदनाओं को अभिव्यक्त करने का सामर्थ्य है, भरपूर-साहित्य है, जिसके संवाद अपना एक विशिष्ट स्थान रखते हैं। हिन्दी ने अपनी मौलिकता एवं सुबोधता के बल पर ही राष्ट्र की सभ्यता, संस्कृति और साहित्य को जीवन्त बनाए रखा है सम्पूर्ण राष्ट्र को एक सूत्र में बंधा महसूस कराते रहती है एवं अनेकता में एकता के दर्शन कराती है।हिन्दी के द्वारा ही सारे देश को एक सूत्र में पिरोया जा सकता हैं। हिन्दी एक व्यापक भाषा है, जो सम्पूर्ण भारत का प्रतिनिधित्व करती है, जिसमें सम्पूर्ण भारत एक साथ बोलता है। इसके एक-एक शब्द के उच्चारण में हमारी आत्मा, हमारी संस्कृति समाई हुई है। भारतीय संस्कृति को जीवित रखने के महान् उद्देश्य को दृष्टिगत रखते हुए मनीषियों ने हिन्दी को प्रतिनिधि भाषा घोषित करनें में भारत का और अपना गौरव समझा है। यह निर्विवाद सत्य भी है कि जिस दिन 'हिन्दी' व्यावहारिक रूप में प्रतिनिधि भाषा का रूप धारण कर लेगी और 'अंग्रेजी' का मोह भंग हो जायेगा, उस दिन हमारा देश भाषा के दृष्टिकोण से एक हो जायेगा, विज्ञान के क्षेत्र में अंग्रेजी का कार्य अनायास ही समाप्त हो जायेगा। हिन्दी देश की एकता की कड़ी है। हिन्दी सहज, सरल एवं सम्पूर्ण भाषा है, पर्याप्त शब्द कोष है।इसमें हमारी संवेदनाओं को अभिव्यक्त करने का सामर्थ्य है, भरपूर-साहित्य है, जिसके संवाद अपना एक विशिष्ट स्थान रखते हैं। हिन्दी ने अपनी मौलिकता एवं सुबोधता के बल पर ही राष्ट्र की सभ्यता, संस्कृति और साहित्य को जीवन्त बनाए रखा है सम्पूर्ण राष्ट्र को एक सूत्र में बंधा महसूस कराते रहती है एवं अनेकता में एकता के दर्शन कराती है।हिन्दी के द्वारा ही सारे देश को एक सूत्र में पिरोया जा सकता हैं। भारत एक ग्रामीण देश है और इसकी अधिकतर जनसंख्या ग्रामीण इलाकों से तालुक रखती है। भारत में सभी अंग्रेजी नहीं जानते इसलिए भारत में आपको किसी से भी बात करनी हो या फिर संवाद करना हो तो आपको पहले हिंदी का ज्ञान होना ही चाहिए। यह एक ऐसी भाषा है जिसकी मदद से हम अपनी भावनाओं को बहुत ही सरल तरीके से व्यक्त कर सकते हैं।देश के सबसे बड़े भू-भाग में बोली जाने वाली राष्ट्रभाषा 'हिन्दी' के कारण ही भारत विश्व में अपनी महानता बनाये हुए है। इसमें भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता की वह सुगन्ध समायी हुई है, जिसके आकर्षण में सम्पूर्ण विश्व सुख-शान्ति का अनुभव करता है।पश्चिमी देशों में ऐसे अनेक साहित्यकार हुए है, जिन्होंने वहाँ निष्ठापूर्वक अध्ययन, मनन, चिन्तन किया है। अब हिन्दी केवल बोल चाल या साहित्य की भाषा नही रह गई। टिप्पण प्रारूपण, प्रतिवेदन, आदेश, परिपत्र, ज्ञापन, कार्यालय ज्ञापन,निविदा, पृष्ठांकन, पदनाम, विभागों के नाम सचाचार-पत्रों, आकाशवाणी और दृश्यमाध्यम से आम-आदमी की जुबान पर आ गए हैं। ये शब्द अंग्रेजी नोटिंग, ड्राटिंग, रिपोर्ट, ऑर्डर,, तथा रिमाइंडर-शब्द के पर्याय हैं। आज ये शब्द हिन्दी के और अपने से लगते हैं।' भारत की प्राचीन विशाल सांस्कृतिक परम्परा की ज्योति ने ही उन्हें सार्वभौमिक मूल्यों की और जाग्रत किया है। अंग्रेजी ज्ञान के अपनी भाषाओं के जरिये की है। आज जापान, कोरिया और चीन जैसे उदाहरण हमारे सामने हैं, जिन्होंने अपनी प्रगति अपनी भाषाओं के जरिये की है। आज जापान, कोरिया और चीन जैसे उदाहरण हमारे सामने है, जिन्होंने अपनी प्रगति अपनी भाषाओं में की है। वह कहते थे कि भाषा ;अंग्रेजी ज्ञान के चक्कर में विद्यार्थी विषय ज्ञान में पारंगत नहीं हो पाते, इसलिए वे भाषा ज्ञान की तुलना में विषय ज्ञान को महत्व देते है ।अनेक विदेशी विद्वानों ने भारतीय ग्रन्थों का अपनी भाषा में अनुवाद कर भारत की अमूल्य सांस्कृतिक, साहित्यिक धरोहर को विश्व के समक्ष रखा है तथा पाठ्यक्रम में स्थान दिलाया है। हिंदी को संस्कृत की बड़ी बेटी का दर्जा प्राप्त है। हिंदी बहुत ही सरल भाषा है जिससे हर कोई सिखकर इसका प्रयोग कर सकता है। यह सिखने में बहुत ही आसान है। हिंदी को सिखने के लिए आपको अधिक खर्चे करने की भी जरूरत नहीं है, इस मात्र कुछ किताबों के मदद से सिखा जा सकता है। हिंदी भाषा का प्रयोग भारत के लोग अपने बचपन से करना शुरू कर देते है। हमारे देश में ऐसे बहुत से लोग है जिनको हिंदी की जानकारी होते हुए भी अन्य भाषओं का प्रयोग करते हैं क्योंकि उनको लगता है कि हिंदी बोलने से उनके चरित्र पर सवाल उठेंगे। ये सोच रखने वाले हिंदी को अधिक महत्व नहीं देते लेकिन उनको यह जानकारी होनी चाहिए कि हिंदी एक ऐसी भाषा है जिसे सिखने के लिए लोग लाखों रुपये खर्च करके भारत आते है। हिंदी के महत्व को जानने के लिए यही मात्र काफी है। अतः हम सभी अपनी मातृभाषा, राष्ट्रभाषा हिन्दी को पूर्णतः अपनाकर राष्ट्र का गौरव बढ़ायें। गर्व से कह सके कि हिन्दी हमारी राष्ट्रभाषा है, जिसमें विश्वबन्धुत्व की भावना कूट-कूटकर भरी है और इसका गौरवशाली इतिहास रहा है। हमारी एक ही भाषा 'हिन्दी' है। हमारे पास प्रचुर संसाधन हैं तथा मानव संसाधन की दृष्टि से भी भारत अग्रणी है। अतः आर्थिक एवं प्रौद्योगिकी प्रतिस्पर्धा के इस दौर में राष्ट्रभाषा की भूमिका महत्वपूर्ण है। जनभाषाओं का राजभाषा के साथ सा तालमेल, सहयोग होना चाहिए।हिंदी एक ऐसी भाषा है जो सभी धर्मों के लोगों को जोड़े रखने का काम करती है। यह सिर्फ एक भाषा का काम ही नहीं करती, यह एक देश की संस्कृती, वेशभूषा, रहन सहन, पहचान आदि है। हमारे में से कई लोग ऐसी भी है जो यह मानते है कि वह हिंदी नहीं सीखेंगे फिर भी उनका काम बन जायेगा। लेकिन ऐसा नहीं है क्योंकि भारत में हर व्यक्ति अन्य भाषाओं को मुख्य भाषा के रूप में प्रयोग में नहीं ला सकता है। लेकिन हिंदी एक ऐसी भाषा है जिसकी मदद से हर भारतीय आसानी से आपस में समझ सकते हैं। भारत की आत्मा के रूप में प्रचलित हिंदी देश के सभी भूभागों में वृहद् स्तर पर बोली जाती है। देश की राजभाषा के रूप में स्थापित हिंदी ने देश के विभिन राज्यों के बीच महत्वपूर्ण सेतु के रूप में कार्य किया है। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान भी देश के सभी भूभाग के निवासियों को एक साथ लाकर स्वतंत्रता आंदोलन को गति देने में हिंदी की महती भूमिका है। देश की सीमाओं के बाहर वैश्विक स्तर पर हिंदी के प्रचार प्रसार के लिए प्रतिवर्ष विश्व हिंदी दिवस का आयोजन किया जाता है। प्रतिवर्ष 14 सितम्बर को मनाये जाने वाले हिंदी दिवस के माध्यम से हिंदी के वैश्विक स्तर पर प्रचार प्रसार के लिए व्यापक प्रयत्न किए जाते है। आज देश में विभिन राज्यों में विभिन भाषाओ को बोलने वाले देशवासी रहते है। हालांकि यदि कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी एवं असम से लेकर गुजरात तक किसी भाषा का सबसे प्रचलित प्रयोग मिलता है तो वह निसंदेह ही हिंदी भाषा है। देश के प्राचीन इतिहास से लेकर स्वतंत्रता संग्राम एवं आधुनिक समय तक हिंदी ने देश के कोने-कोने से सभी निवासियों के मध्य सेतु के रूप में कार्य किया है। वर्ष 2011 की जनगणना के मुताबित भारत में हिंदी बोलने वालों की संख्या 43.63 फीसदी है जो की देश की सभी भाषाओ में सर्वाधिक है।भारत में व्यापक रूप से प्रचलित हिंदी देश के बाहर नेपाल, सूरीनाम, मॉरीशस, त्रिनिदाद और टोबैगो, गुयाना एवं फिजी में भी बोली जाती है। देश में हिंदी को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया है। देश में हिंदी का अत्यंत महत्व है।

हिंदी दिवस प्रतिवर्ष 14 सितम्बर को मनाया जाता है। हिंदी दिवस के प्रमुख उद्देश्य निम्न प्रकार से हैः-

वैश्विक स्तर पर हिंदी के प्रचार प्रसार को बढ़ावा देना

संयुक्त राष्ट्र संघ में हिंदी भाषा को आधिकारिक भाषा के रूप में स्थापित करना

हिंदी के प्रति जागरूकता पैदा करने हेतु कार्य

हिंदी को प्रमुख वैश्विक भाषा के रूप में स्थापित करना

हिंदी की त्रुटियों को दूर करके हिंदी भाषा में सुधार करना

वैश्विक स्तर पर हिंदी के महत्व को बढ़ाना एवं प्रसार करना

हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी के प्रचार प्रसार के लिए विभिन कार्यक्रम आयोजित किए जाते है। इस अवसर पर भारत सरकार एवं विभिन राज्य सरकारो के द्वारा सरकारी कार्य को हिंदी में करने का संकल्प लिया जाता है एवं हिंदी को बढ़ावा देने के लिए विभिन कार्यक्रमो का संचालन किया जाता है। साथ ही देश या विदेश में इस दिवस पर एक प्रमुख कार्यक्रम का आयोजन भी किया जाता है।

भारत के संविधान ने देवनागरी लिपि में लिखित हिंदी को 1950 के अनुच्छेद 343 के तहत देश की आधिकारिक भाषा के रूप में 1950 में अपनाया। इसके साथ ही भारत सरकार के स्तर पर अंग्रेजी और हिंदी दोनों भाषाएं औपचारिक रूप से इस्तेमाल हुईं। 1949 में भारत की संविधान सभा ने देश की आधिकारिक भाषा के रूप में हिंदी को अपनाया। वर्ष 1949 से प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है। हिंदी दिवस को उस दिन को याद करने के लिए मनाया जाता है जिस दिन हिंदी हमारे देश की आधिकारिक भाषा बन गई। यह हर साल हिंदी के महत्व पर जोर देने और हर पीढ़ी के बीच इसको बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है जो अंग्रेजी से प्रभावित है। यह युवाओं को अपनी जड़ों के बारे में याद दिलाने का एक तरीका है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हम कहाँ तक पहुंचे हैं और हम क्या करते हैं अगर हम अपनी जड़ों के साथ मैदान में डटे रहे और समन्वयित रहें तो हम अपनी पकड़ मजबूत बना लेंगे।

यह दिन हर साल हमें हमारी असली पहचान की याद दिलाता है और देश के लोगों को एकजुट करता है। जहां भी हम जाएँ हमारी भाषा, संस्कृति और मूल्य हमारे साथ बरकरार रहने चाहिए और ये एक अनुस्मारक के रूप में कार्य करते है। हिंदी दिवस एक ऐसा दिन है जो हमें देशभक्ति भावना के लिए प्रेरित करता है। उस दिन निबंध प्रतियोगिता, सेमिनार, वाद-विवाद, बैठक, चर्चा एवं अन्य माध्यमों से इस दिन हिंदी के प्रचार हेतु प्रयास किए जाते है।

आज के समय में अंग्रेजी की ओर एक झुकाव है जिसे समझा जा सकता है क्योंकि अंग्रेजी का इस्तेमाल दुनिया भर में किया जाता है और यह भी भारत की आधिकारिक भाषाओं में से एक है। यह दिन हमें यह याद दिलाने का एक छोटा सा प्रयास है कि हिंदी हमारी आधिकारिक भाषा है और बहुत अधिक महत्व रखता है।

(यह लेखक के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

संपादकीय

विश्वसनीय मतदाता सूची

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। लेकिन एक मजबूत लोकतंत्र के लिये जरूरी है कि उसकी चुनावी प्रक्रिया पारदर्शी और मतदाता सूची विश्वसनीय हो। पिछले दिनों बिहार में विधानसभा चुनाव से कुछ समय पहले मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर अभियान चलाया गया। जिसको लेकर विपक्ष ने कड़ा प्रतिवाद किया और अदालत में चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती भी दी। बताते हैं कि अब भारतीय चुनाव आयोग देश भर में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण करने की योजना बना रहा है। हाल ही में बिहार में चल रही इस प्रक्रिया से उपजे राजनीतिक प्रतिवाद को देखते हुए यह एक चुनौतीपूर्ण कार्य होगा। उल्लेखनीय यह भी है कि आसन्न चुनाव वाले राज्य बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया न्यायिक जांच के दायरे में हैं। दरअसल, सर्वोच्च न्यायालय ने इस सप्ताह की शुरुआत में चुनाव आयोग को निर्देश दिया था कि आधार कार्ड को मतदाता पहचान पत्र के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि यह सुनिश्चित करना चुनाव आयोग का दायित्व है कि कोई भी पात्र नागरिक अपने मताधिकार के मौलिक हक से वंचित न रहे । उल्लेखनीय है कि बिहार में अंतिम मतदाता सूची इस महीने के अंत तक प्रकाशित होने वाली है। इसमें दो राय नहीं कि देश में पड़ोसी देशों के नागरिकों की बड़े पैमाने पर घुसपैठ गाहे-बगाहे होती रही है। कुछ लोग बेहतर भविष्य की तलाश में गैर-कानूनी तरीके से भारत में घुस आते हैं। फिर कतिपय वोट बैंक के ठेकेदारों, दलालों व भ्रष्ट अधिकारियों की मिलीभगत से जाली कागजात बनवाकर वोट डालने के अधिकारी बन जाते हैं। निस्संदेह, यह गैर-कानूनी है और इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगना ही चाहिए। ऐसे में दो राय नहीं हो सकती है कि मतदाता सूची में त्रुटियों और विसंगतियों को दूर करने करने के लिये तथा अवैध प्रवासियों को बाहर निकालने के लिए अखिल भारतीय स्तर पर मतदाता सूचियों में संशोधन अत्यंत आवश्यक हो जाता है। निस्संदेह, राष्ट्रीय स्तर पर मतदाता सूचियों में संशोधन अपरिहार्य है। लेकिन इसके साथ ही यह प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और सरल होनी जरूरी है। जिसमें वास्तविक नागरिकों के हितों तथा चिंताओं को प्राथमिकता दी जाए। इसके अलावा दिक्कत राजनीतिक दलों के मुखर विरोध की भी है। खासकर विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में एसआईआर क्रियान्वयन तो और ज्यादा मुश्किल होगा। हाल के वर्षों में देखा गया है कि सीमावर्ती राज्यों में अपना वोट बैंक बढ़ाने के लिये राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता विदेशी नागरिकों के जरूरी कागजात बनवाने में गुरेज नहीं करते। उल्लेखनीय है कि उपरोक्त तीनों राज्यों में अगले साल विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। ऐसे में राजनीतिक प्रतिरोध स्वाभाविक ही है। हाल में तमिलनाडु के द्रुमक मंत्री दुरई मुरुगन तल्ख टिप्पणी कर चुके हैं कि बिहार में इस्तेमाल की गई 'चालें' तमिलनाडु में काम नहीं आने वाली हैं, क्योंकि उनके राज्य में लोग राजनीतिक रूप से ज्यादा जागरूक हैं। उनके राज्य में लोगों को भ्रमित नहीं किया जा सकता। यह भी हकीकत है कि चुनाव आयोग को विश्वास की कमी को पाटने के लिये सभी हितधारकों को एक साथ लाने और इस धारणा को दृढ़ता से दूर करने की आवश्यकता होगी कि उसकी इस कार्रवाई से प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष तौर पर केंद्र के सत्तारूढ़ दल को लाभ नहीं पहुंचता है। निर्विवाद रूप से समान अवसर का अभाव चुनावी लोकतंत्र की पवित्रता और अखंडता को कमजोर कर सकता है।

हिंदी केवल एक भाषा ही नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति परंपरा में जीवन शैली का अभिन्न हिस्सा है

(लेखक - एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी)

राष्ट्रीय हिंदी दिवस 14 सितंबर 2025)

वैश्विक स्तरपर भारत एक ऐसा देश है जो अपनी विविधताओं में एकता के लिए जाना जाता है।यहां सैकड़ों भाषाएं और बोलियां बोली जाती हैं, जिनमें से हिंदी देश की सबसे ज्यादा बोली और समझी जाने वाली भाषा है। यह दिन केवल एक भाषा के सम्मान का दिन नहीं है, बल्कि भारतीय सभ्यता, संस्कृति और पहचान की आत्मा का उत्सव है। हिंदी न केवल भारत में करोड़ों लोगों की मातृभाषा है, बल्कि यह विश्व के उन प्रमुख भाषाई ध्वजों में से एक है, जिसने अपनी जड़ों को मजबूत बनाए रखा,वैश्विक स्तरपर भी विस्तार पाया है।हर साल 14 सितंबर का दिन पूरे देश में हिंदी दिवस के रूप में धूमधाम से मनाया जाता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि वैश्विक स्तरपर इंग्लिश मंदारिन के बाद,हिंदी विश्व की तीसरी सबसे अधिक बोलने वाली भाषा है।10 जनवरी 2025 को जहां विश्व में हिंदी दिवस मनाया जाता है, वही 14 सितंबर को भारत में हिंदी दिवस के रूप में भी मनाया जा रहा है, क्योंकि हिंदी को 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा में राजभाषा बनाने का फैसला किया था।वैश्विक स्तरपर हिंदी को लेकर पहला आयोजन 10 जनवरी 1974 को महाराष्ट्र के नागपुर में किया गया था, इस सम्मेलन में 30 देशों के 122 प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। साल 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने प्रथम विश्व हिंदी सम्मेलन का उद्घाटन किया था। साल 2006 में तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी। हिंदी हमारी एक राजभाषा है और उत्तर भारत के कई राज्यों में प्रमुख रूप से बोली जाती है। हिंदी भारत के अलावा भारत के पड़ोसी देशों पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका में भी बोली जाती है,इसके अलावा दुनियाँ के कई देशों में यह भाषा लोकप्रिय है और मॉरीशस जैसे देशों में भी बोली जाती है। हिंदी को जन-जन की भाषा के रूप में भी जाना जाता है औए इस भाषा को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने के लिए हिंदी दिवस के अवसर पर कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।हर साल दो बार हिंदी दिवस मनाया जाता है।जनगणना 2011 के अनुसार, भारत की लगभग 44 पर्सेंट आबादी हिन्दी को अपनी मातृभाषा के रूप में बोलती है। हिन्दी भाषा का प्रभाव सबसे ज़्यादा उत्तर भारत में देखने को मिलता है। उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश, हरियाणा, झारखंड, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और दिल्ली को अक्सर 'हिन्दी बेल्ट' कहा जाता है।इसी पृष्ठभूमि में 14 सितंबर को हिन्दी दिवस मनाना न सिर्फ भाषा के गौरव को बढ़ाता है, बल्कि हमें यह भी याद दिलाता है कि अपनी मातृभाषा कोअपनाना और आगे बढ़ाना कितना ज़रूरी है।साहित्य की बात करें तो हिन्दी साहित्य का एक महत्वपूर्ण दौर छायावादी युग कहलाता है, जिसके चार स्तंभ माने जाते हैं- जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', सुमित्रानंदन पंत और महादेवी वर्मा।वहीं, हिन्दी के 'राष्ट्रकवि' रामधारी सिंह दिनकर को माना जाता है।हिन्दी हमारी पहचान और संस्कृति का अहम हिस्सा है, इसलिए इस दिन लोग अलग-अलग तरीकों से अपनी मातृभाषा का सम्मान करते हैं। चूँकि हिंदी केवल एक भाषा ही नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति परंपरा व जीवन शैली का अभिन्न हिस्सा है, इसलिए मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से, इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,राष्ट्रीय हिंदी दिवस 14 सितंबर 2025, हिंदी भाषा सभी समुदायों धर्मो संस्कृतियों को एक सूत्र में बांधने का कार्य करती है।

साथियों बात अगर हम हिंदी भाषा को गहराई से जानने की करें तो, (1) राष ट्रपिता महात मा गांधी ने हिन् दी को जनमानस की भाषा कहा था। वह चाहते थे कि हिन्दी राष्ट्रभाषा बने। उन् होंने 1918 में आयोजित हिन् दी साहित य सम् मेलन में हिन् दी को राष ट्र भाषा बनाने के लिए कहा था। आजादी मिलने के बाद लंबे विचार-विमर्श के बादआखिरकार 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा में हिन् दी को राज भाषा बनाने का फैसला लिया गया। हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाए जाने के विचार से बहुत से लोग खुश नहीं थे। कइयों का कहना था कि सबको हिंदी ही बोलनी है तो आजादी के क्या, मायने रह जाएंगे, ऐसे में मत बंटने से हिंदी नहीं बन पाई देश की राष्ट्रभाषा। (2) इंग्लिश और मंदारिन के बाद हिंदी विश्व की तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है।(3) विश्व हिंदी दिवस और हिंदी दिवस में अंतर है, भारत में हिंदी दिवस 14 सितंबर को होता है। वहीं हर साल विश्व हिंदी दिवस 10 जनवरी को मनाया जाता है। दोनों दिनों का मकसद हिन्दी को प्रोत्साहित करना है। विश्व हिंदी दिवस का उद्देश्य वैश्विक स्तरपर इसे बढ़ावा देना है।14 सितंबर के दिन 1949 में संविधान सभा ने हिंदी को भारत की राजभाषा बनाने का फैसला किया था। इस दिन की याद में राष्ट्रीय हिंदी दिवस मनाया जाता है। जबकि विश्व हिंदी दिवस का मकसद विश्व में हिंदी को बढ़ावा देना है। 10 जनवरी, 2006 को भारत सरकार ने इसे विश्व हिन्दी दिवस के रूप में मनाए जाने की घोषणा की थी। पहले विश्व हिन्दी सम्मेलन का आयोजन 10 जनवरी, 1975 को नागपुर में किया गया था। अभी तक पोर्ट लुईस, स्पेन, लंदन, न्यूयॉर्क, जोहानसबर्ग आदि सहित भारत में विश्व हिन्दी सम्मेलनों का आयोजन किया जा चुका है। (4) दुनियाँ की सबसे प्रसिद्ध ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी (शब्दकोश) हर साल भारतीय शब्दों को जगह दे रही है।ऑक्सफोर्ड ने आत्मनिर्भरता, चड्डी, बापू, सूर्य नमस्कार, आधार, नारी शक्ति और अच्छा शब्द को भी अपने प्रतिष्ठित शब्दकोश में जगह दी है। 'अरे यार!',भेलपूरी, चूड़ीदार, ढाबा, बदमाश, चुप, फंडा, चाचा, चौधरी, चमचा, दादागीरी, जुगाड़, पायजामा, कीमा, पापड़, करी, चटनी, अवतार, चीता, गुरु, जिमखाना, मंत्र, महाराजा, मुग़ल, निर्वाण, पंडित, ठग, बरामदा जैसे शब्द भी इसमें शामिल हैं। (5) दक्षिण प्रशांत महासागर क्षेत्र में फिजी नाम का एक द्वीप देश है जहां हिंदी को आधिकारिक भाषा का दर्जा दिया गया है। (6) भारत के अलावा मॉरीशस,फिलीपींस, नेपाल, फिजी, गुयाना, सुरिनाम, त्रिनिदाद, तिब्बत औरपाकिस्तान में कुछ परिवर्तनों के साथ ही सही लेकिन हिंदी बोली और समझी जाती है। (7) हिंदी में उच्चतर शोध के लिए भारत सरकार ने 1963 में केंद्रीय हिंदी संस्थान की स्थापना की। देश भर में इसके आठ केंद्र हैं। (8) अभी विश व के सैंकड़ों विश वविद्यालयों में हिन्दी पढ़ाई जाती है और पूरी दुनिया में करोड़ों लोग हिन्दी बोलते हैं।

जीवन एक क्रिकेट मैच

प्रांतिकारी संत तरुणसागरजी ने क्रिकेट की व्याख्या करते हुए कहा कि जीवन एक क्रिकेट है, धरती की विराट पिच पर समय बॉलिंग कर रहा है। शरीर बल्लेबाज है, परमात्मा के इस आयोजन पर अम्पायर धर्मराज हैं। बीमारियाँ फील्डिंग कर रही हैं, विकेटकीपर यमराज हैं, प्राण हमारा विकेट है, जीवन एक क्रिकेट है। इस डे-नाइट मैच में हमें रचनात्मकता के जलवे दिखाने हैं और साँसों के सीमित ओवर में सृजन के रन बनाने हैं। गिल्लियाँ उड़ने का अर्थ साँस का टूट जाना है, एलबीडब्ल्यू यानी हार्ट-अटैक। दुर्घटना में मरने वाला रन आउट कहलाता है और सीमा पर शहीद होने वाला कैच आउट कहा जाता है। आत्महत्या का अर्थ हिट विकेट और हत्या स्टम्प आउट हो जाना है।

कभी-कभी कुछ आप्रामक खिलाड़ी जल्दी ही पैवेलियन लौट जाते हैं, लेकिन पारी ऐसी खेलते हैं कि कीर्तिमान बना जाते हैं, सबका अपना-अपना रन रेट है, जीवन एक क्रिकेट है। घर आए अतिथि को भोजन के लिए पूछा करो, भोजन के लिए नहीं पूछ सकते तो पानी के लिए पूछा करो, पानी का नहीं पूछ सकते हैं तो बैठने के लिए आसन दिया करो। बैठने के लिए आसन भी नहीं दे सकते तो दो मीठे बोल बोला करो। दो मीठे बोल नहीं बोल सकते, मुस्कुराहट भी नहीं दे सकते तो चुल्लू भर पानी में डूब मरो। उक्त प्रेरक विचार उन्होंने प्रवचनमाला में व्यक्त किए। हाथों में मोबाइल हो न हो, चेहरे पर स्माइल हर हाल में होना चाहिए। आदमी स्मार्ट मोबाइल से नहीं, मुस्कुराहट से बनता है। हँसना पुण्य है और हँसाना परमपुण्य है। जब आप हँसते हैं तो आप ईश्वर की आराधना करते हैं। जब आप किसी रोते हुए को हँसाते हो तो ईश्वर आपकी आराधना करता है। दुनिया के सामने रोने की आवश्यकता नहीं है। जब पाँच सेकंड मुस्कुराने से फोटो अच्छी आ सकती है तो जिंदगी भर मुस्कुराने से जिंदगी क्यों नहीं अच्छी हो सकती।

राजनीतिक लोग पार्टियाँ बदल लेते हैं, बैनर बदल लेते हैं, भाषण बदल जाता है, टोपी बदल जाती है, लेकिन टोपी के नीचे जो खोपड़ी है वही नहीं बदलती। मैं कहता हूँ टोपी को नहीं, खोपड़ी बदलो। आप अपने से बेखबर हैं, कानों के साथ आँखों का उपयोग किया करो। किसी ने कहा है वो दिल के बहुत अच्छे हैं, लेकिन कानों के कच्चे हैं। आदमी सुनी-सुनाई बातों पर यकीन कर लेता है और बरसों की दोस्ती दुश्मनी में बदल जाती है। एसटीडी कॉल करने से पहले शून्य लगाना जरूरी है। उसी तरह गुरु के पास भी जाने से पहले मन का शून्य होना जरूरी है। मन खाली होगा तभी तो कुछ भर पाओगे। शक का कीड़ा एक बार दिमाग में घुस जाए तो उसका कोई इलाज नहीं होता।

राष्ट्र की पहचान से विश्व की साझी भाषा तक हिन्दी की शक्ति

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

- हिन्दी दिवस ः संस्कृति, संवाद और आत्मगौरव का उत्सव

(हिन्दी दिवस (14 सितम्बर) पर विशेष)

हर वर्ष 14 सितम्बर को मनाया जाने वाला हिन्दी दिवस उस गौरव की स्मृति के रूप में मनाया जाता है, जब हिन्दी को भारतीय संघ की राजभाषा घोषित किया गया था। यह दिवस हिन्दी की समृद्धि, स्वीकार्यता, रचनात्मकता और वैश्विक विस्तार का उत्सव है। निरंतर बढ़ती हिन्दी शक्ति आज न केवल भारत के सांस्कृतिक, सामाजिक और प्रशासनिक परिदृश्य को आकार देती है बल्कि विश्व मंच पर भी अपनी प्रगाढ़ छाप छोड़ रही है। आज दुनियाभर में हिन्दी चाहने वालों, बोलने या पढ़ने-समझने वाले लोगों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। हिन्दी को लेकर भारतीय और विदेशी विद्वानों, साहित्यकारों तथा विभूतियों का आदर भाव वर्षों से रहा है। डा. फादर कामिल बुल्के, जिन्होंने हिन्दुस्तानी संस्कृति को आत्मसात किया, हिन्दी को गृहिणी की संज्ञा देते हुए कहा था कि यह भारतीय जीवन का अभिन्न हिस्सा है। संस्कृत को तो वे मां मानते थे और अंग्रेजी को नौकरानी। इसी तरह आयरिश प्रशासक जॉन ग्रियर्सन ने हिन्दी को संस्कृत की बेटियों में सबसे सुंदर और शिरोमणि बताया। ऐसे तमाम उदाहरण इस बात के प्रमाण हैं कि हिन्दी, शब्द और विचार के धरातल पर विभिन्न भाषाओं से जितनी आत्मीयता रखती है, उतनी ही भारत के जनमानस से जुड़ी है लेकिन दुखद है कि आज भी पुनरुत्थानवादी मानसिकता वाले कुछ लोग हिन्दी की व्यापकता, समृद्धि और ताकत को नजरअंदाज करते हैं और संयुक्त राष्ट्र में हिन्दी को स्थान नहीं मिलने की बात पर कुतर्क करके उसके वैश्विक पक्ष को कमतर आंकते हैं। हालांकि ऐसी नकारात्मक चर्चाओं से न हिन्दी का कुछ भला हो सकता है, न ही उसका अस्तित्व डिग सकता है। तथ्य यही है कि आज विश्वभर में हिन्दी बोलने वालों का आंकड़ा करोड़ों में है और यह निरंतर बढ़ रहा है।

हिन्दी की ताकत को जानना हो तो उसके सांस्कृतिक, भावनात्मक और रचनात्मक विस्तार को देखना होगा। मातृभाषा का ज्ञान किसी भी व्यक्ति के मन की पीड़ा का सबसे अच्छा समाधान है। महापुरुषों, विद्वानों और नेताओं ने समय-समय पर हिन्दी भाषा के महत्व को रेखांकित किया है। पुरुषोत्तमदास टंडन मानते थे कि जीवन के हर क्षेत्र में हिन्दी अपनी भूमिका निभाने में समर्थ है। महात्मा गांधी ने हिन्दी को स्वतंत्रता संग्राम के दौरान संवाद व जनसंपर्क का सबसे शक्तिशाली माध्यम माना। उनके शब्द थे कि सम्पूर्ण भारत की पारस्परिकता के लिए ऐसी भाषा चाहिए, जो जनता का बड़ा भाग जानता-समझता हो। गांधीजी कहते थे, 'दिल की कोई भाषा नहीं है, दिल से दिल संवाद करता है और राष्ट्रभाषा के बिना राष्ट्र गूंगा है।' ये कथन आज भी वैसी ही सार्थकता के साथ जीवंत हैं। अमेरिकी चिकित्सक वॉल्टर चेनिंग तो यह मानते थे कि विदेशी भाषा का किसी स्वतंत्र राष्ट्र की शिक्षा एवं प्रशासन की भाषा होना सांस्कृतिक दासता है। माखनलाल चतुर्वेदी और राहुल सांस्कृत्यायन ने हिन्दी को देश और भाषा की विरासत, सांस्कृतिक धरातल और अधिष्ठान के रूप में देखा। बालकृष्ण शर्मा नवीन ने तो यहां तक कहा कि राष्ट्रीय एकता का बंधन केवल हिन्दी ही जोड़ सकती है।

हिन्दी की ऊर्जा और आत्मबल का उदाहरण महात्मा गांधी के हिन्दी प्रेम का एक प्रसंग भी है। सन् 1917 में कलकत्ता कांग्रेस अधिवेशन में बाल गंगाधर तिलक ने अंग्रेजी में भाषण दिया था। गांधीजी ने तिलक को स्पष्ट समझाया कि देशवासियों के साथ अपनी ही भाषा में संवाद ही सही अर्थों में दिलों तक पहुंच सकता है। यह भावप्रवण संवाद भारत के हर नागरिक के गौरव का स्रोत है। महात्मा गांधी ने विविध अवसरों पर हिन्दी को राष्ट्र की आत्मा कहा था। आज हिन्दी का विस्तार भारत तक सीमित नहीं रहा। कई देशों में हिन्दी लोगों के दिलों में बसती है, जहां की स्थानीय भाषाओं के साथ-साथ हिन्दी भी संगठित रूप से बोली जाती है। दुनियाभर में सैंकड़ों विश्वविद्यालयों, शैक्षिक संस्थाओं, शोध केंद्रों और अनगिनत प्लेटफॉर्म्स पर हिन्दी पढ़ाई जाती है, शोध होती है और यह वहां अध्ययन, अध्यापन और अनुसंधान की भाषा बन चुकी है। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, विश्वभर में लगभग 75 करोड़ लोग हिन्दी बोलते समझते हैं और एथ्नोलॉग जैसी अंतर्राष्ट्रीय भाषायी संस्थाओं की रिपोर्ट के मुताबिक, यह विश्वभर में तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है, जो तेजी से ऊपर की ओर बढ़ रही है।

हिन्दी का वैश्विक सांस्कृतिक प्रभाव भी आश्चर्यचकित करता है। भारतीय फिल्म उद्योग, जिसे दुनियाभर में 'बॉलीवुड' के नाम से जाना जाता है, हर साल करीब 1500 फिल्में हिन्दी में बनाता है। ये फिल्में भारत में ही नहीं, अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, खाड़ी देशों सहित अनेक देशों में देखी जाती हैं। हिन्दी फिल्मों, गीतों, साहित्य और कला का प्रभाव विदेशी मंचों, सांस्कृतिक समारोहों, मीडिया एवं एफएम चैनलों तक फैला हुआ है। यूएई में हिन्दी एफएम चौनल स्थानीय लोगों की खास पसंद बन चुके हैं। हिन्दी फिल्म अभिनेता, निर्माता व कलाकार विदेशों में शो आयोजित करते हैं, जिससे भारतीय संस्कृति और हिन्दी भाषा का विस्तार होता है। जहां-जहां भारतवंशी बसे हैं, वहां हिन्दी विशेष सम्मान के साथ जीवंत है। यह यथार्थ हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एसआईपी भारतीय निवेशकों के लिए बना सबसे भरोसेमंद और पसंदीदा विकल्प

ग्लोबल अनिश्चितताओं के बावजूद अगस्त में निवेश ने नया कीर्तिमान बनाया

नई दिल्ली। म्युचुअल फंड में एसआईपी आज भारतीय निवेशकों के लिए सबसे भरोसेमंद और पसंदीदा विकल्प बन चुका है। पिछले एक दशक में इसका क्रेज बढ़ता ही गया। मंथली इन्वेस्टमेंट के इस आसान तरीके ने न सिर्फ छोटे निवेशकों को फाइनेंशियल डिसिप्लिन सिखाया है, बल्कि उन्हें लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न कमाने का मौका भी दिया है। यही वजह है कि बाजार में कभी तेजी रही या फिर गिरावट का माहौल, निवेशक एसआईपी के जरिए लगातार योगदान करते रहे हैं। इसमें खास बात यह है कि हाल ही में भारी उतार-चढ़ाव और ग्लोबल अनिश्चितताओं के बावजूद अगस्त 2025 में एसआईपी निवेश ने एक नया कीर्तिमान बनाया है। इस महीने कुल एसआईपी योगदान रिकॉर्ड स्तर पर 28,265 करोड़ रुपए पहुंच गया है, जो पिछले 10 सालों का सबसे ऊंचे स्तर पर है। एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक अगस्त 2016 से अगस्त 2025 तक एसआईपी के जरिए निवेश में जबरदस्त उछाल आया है। यह आंकड़े बताते हैं कि भारतीय निवेशक अब शॉर्ट-टर्म ट्रेडिंग की बजाय लॉन्ग टर्म निवेश और व्यवस्थित तरीके से वेल्थ क्रिएशन पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। आंकड़ों के मुताबिक अगस्त 2016 में एसआईपी योगदान केवल 3,497 करोड़ रुपए था, जो हर साल लगातार बढ़ता गया। अगस्त 2017 में यह बढ़कर 5,206 करोड़ रुपए हो गया और अगस्त 2018 में 7,658 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। इसके बाद 2019 और 2020 में यह क्रमशः 8,231 करोड़ रुपए और 7,792 करोड़ रुपए रहा। अगस्त 2021 से इसमें तेजी आई और एसआईपी योगदान 9,923 करोड़ रुपए हो गया। अगस्त 2022 में यह बढ़कर 12,693 करोड़ रुपए, अगस्त 2023 में 15,814 करोड़ रुपए और अगस्त 2024 में 23,547 करोड़ रुपए पहुंच गया। सबसे बड़ा उछाल अगस्त 2025 में देखने को मिला, जब एसआईपी योगदान रिकॉर्ड स्तर पर 28,265 करोड़ रुपए हो गया है।

सेबी ने बदले आईपीओ और एमपीएस के नियम, अब बड़ी कंपनियां भी छोटे आईपीओ ला सकेंगी

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने शुक्रवार को हुई बोर्ड की बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए हैं। इनमें आईपीओ नियमों में बदलाव, मिनिमम पब्लिक शेयर होल्डिंग (एमपीएस) के पालन के लिए ज्यादा समय, विदेशी निवेशकों के लिए आसान रास्ते और इक्विटी इंस्ट्रूमेंट्स का दर्जा देना शामिल है। सेबी ने बड़ी कंपनियों के लिए छोटे साइज का आईपीओ लाने का रास्ता साफ कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अब बड़ी कंपनियां अपने आईपीओ में अपने पेड-अप कैपिटल का न्यूनतम 2.5 फीसदी शेयर बेच सकेंगी। अभी लिस्टिंग के बाद पांच लाख करोड़ रुपए वाली कंपनियों को आईपीओ में कम से कम अपने पेड-अप कैपिटल का 5 फीसदी शेयर बेचने पड़ते हैं। सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने कहा कि हम मौजूदा चार हजार करोड़ लेवल की कैटेगरी के अलावा चार अतिरिक्त कैटेगरी पेश कर रहे हैं जो इस प्रकार हैं- 4,000 करोड़ से 50,000 करोड़, 50,000 करोड़ से 1 लाख करोड़, 1 लाख करोड़ से 5 लाख करोड़ और 5 लाख करोड़ से ज्यादा। ऐसी कंपनियां जिनका मार्केट कैप 5,500 करोड़ से लेकर 1 लाख करोड़ रुपए तक होगा, उनके लिए न्यूनतम पब्लिक ऑफर एक हजार करोड़ रुपए+इश्यू के बाद 8 फीसदी मार्केट कैपिटलाइजेशन होगा। 1 लाख करोड़ से ऊपर की कंपनियों का मिनिमम पब्लिक ऑफर (एमपीओ) 6,250 करोड़ रुपए + 2.75फीसदी मार्केट कैपिटलाइजेशन होगा। 5 लाख करोड़ एमकैप वाली कंपनियों के लिए एमपीओ 15,000 करोड़ रुपए + 1फीसदी मार्केट कैपिटलाइजेशन तय किया गया है, जिन कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन 50,000 करोड़ से एक लाख करोड़ रुपए होगा, उन्हें 25 फीसदी के मिनिमम पब्लिक शेयरहोल्डिंग (एमपीएस) नियम के पालन के लिए 5 साल का समय मिलेगा। अभी ऐसी कंपनियों को इस नियम के पालन के लिए सिर्फ तीन साल का समय दिया जाता है।

जीएसटी कटौती से स्पेयर पार्ट्स सस्ते होने और औपचारिक अर्थव्यवस्था मजबूत होगी : गोयल

नई दिल्ली।

भारत के केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री, पीयूष गोयल ने ऑटोमोटिव कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (एसीएमए) के 65वें वार्षिक सत्र में जीएसटी की दरों में हाल ही में की गई कटौती की सराहना की है। दरअसल जीएसटी 2.0 के तहत ऑटोमोबाइल स्पेयर पार्ट्स पर लगने वाले जीएसटी को 28 से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। ट्रैक्टरों पर जीएसटी दर को घटाकर 5 प्रतिशत किया गया है।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इस कटौती को ऐतिहासिक सुधार और ऑटो उद्योग के लिए एक बड़ी राहत बताया है। उनका मानना है कि इससे कृषि क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा, स्पेयर पार्ट्स सस्ते होने और औपचारिक अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। इस कदम से रोजगार के अवसर बढ़ने और वैल्यू चेन में मांग पैदा होगी। केंद्रीय मंत्री गोयल ने इस बात पर जोर दिया कि जीएसटी रेट कटौती का पूरा लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जाना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री गोयल ने मेक इन इंडिया पहल के 10 वर्ष पूरे होने का उल्लेख कर कहा कि यह सप्लाई चेन को मजबूत करने, निर्यात बढ़ाने और हाई-क्वालिटी मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने का सही समय है। उन्होंने कोरोना महामारी के

दौरान भारत द्वारा किए गए प्रयासों की प्रशंसा की, जिसमें अन्य देशों को दवाइयाँ और टीके उपलब्ध कराना शामिल है, जिससे भारत की छवि एक विश्वसनीय वैश्विक भागीदार के रूप में मजबूत हुई है।

अर्बन कंपनी के 1900 करोड़ के आईपीओ को मिले 103 गुना से ज्यादा सब्सक्राइब

नई दिल्ली। निवेशकों ने अर्बन कंपनी, देव एक्सेलरेटर और श्रंगार हाउस ऑफ मंगलसूत्र के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को हाथो-हाथ लिया। टेक स्टार्टअप अर्बन कंपनी के 1900 करोड़ रुपए के आईपीओ को कुल मिलाकर 103.63 गुना आवेदन मिले हैं। आईपीओ को संस्थागत निवेशकों की श्रेणी में 140.2 गुना, एचएनआई श्रेणी में 74.04 गुना, खुदरा निवेशकों की श्रेणी में 39.25 गुना और कर्मचारियों के लिए आरक्षित श्रेणी में 36.8 गुना आवेदन मिले हैं। इस भारी प्रतिक्रिया के कारण अर्बन कंपनी पिछले छह सालों में 100 गुना से ज्यादा आवेदन हासिल करने वाली 65वीं कंपनी बन गई है। बता दें अर्बन कंपनी एक ऐसे बाजार का संचालन करती है जो ग्राहकों को सौंदर्य, सफाई, प्लंबिंग, बढ़ईगीरी, उपकरण मरम्मत और अन्य सेवाएं प्रदान करने वाले पेशेवरों से जोड़ता है। आईपीओ का कीमत दायरा 98 से 103 रुपए तय किया गया है और कीमत दायरे के ऊपरी स्तर पर कंपनी का मूल्यांकन 14,800 करोड़ रुपए है। कोटक इन्वेस्टमेंट बैंकिंग के प्रबंध निदेशक ने कहा कि निवेशक समझते हैं कि कई तरह की घरेलू सेवाओं के लिए अर्बन कंपनी एकमात्र मार्केटप्लेस है। समय के साथ इसकी पहुंच न केवल सेवाओं के विस्तार के मामले में बल्कि इसके परिचालन वाले शहरों की संख्या में भी बढ़ी है। उसका कोई प्रतिस्पर्धी नहीं है, जिससे कंपनी के पास मूल्य प्रदान करते रहने की दीर्घकालिक क्षमता है। आईपीओ की कामयाबी सार्वजनिक होने की योजना बना रही अन्य उपभोक्ता इंटरनेट कंपनियों के लिए अच्छा संकेत है।

पांच नए इश्यू और 12 कंपनियां शेयर बाजार में होंगी लिस्टिंग, निवेशकों के लिए मौका

नई दिल्ली।

अगले हफ्ते शेयर बाजार में बहुत कुछ होने वाला है। कई कंपनियों के नए शेयर बाजार में आएंगी और कई कंपनियां लिस्ट होंगी। कुल मिलाकर पांच नए इश्यू खुलेंगे और 12 कंपनियां बाजार में अपनी जगह बनाएंगी। इसमें मुख्य सेगमेंट से दो इश्यू निवेश के लिए खुलेंगे और तीन कंपनियां लिस्ट होंगी। वहीं, छोटे और मध्यम बिजनेस सेगमेंट में तीन कंपनियों के इश्यू आएंगे और नौ कंपनियां लिस्ट होंगी। ये हफ्ता निवेशकों के लिए काफी व्यस्त और मौके भरा रहेगा।

मेन सेगमेंट में अर्बन कंपनी, देव एकोलेरोटर और शीरीनगर हाउस ऑफ मंगलसूत्र के शेयर 17 सितंबर 2025 को स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे। इनके आईपीओ 12 सितंबर को बंद हो चुके हैं। इनके शेयरों का अलॉटमेंट सोमवार को पूरा होने की उम्मीद जताई जा रही है। निवेशकों की नजर अब इन कंपनियों के प्रदर्शन पर है। इसके अलावा, मेन सेगमेंट में दो नए आईपीओ भी लॉन्च होंगे। पहला है यूरो प्रतीक सेल्स का आईपीओ, जो 16 सितंबर से शुरू होकर 18 सितंबर 2025 तक चलेगा। कंपनी 1.83 करोड़ शेयरों के जरिए 451.31 करोड़ रुपए जुटाने की कोशिश करेगी। इसके लिए शेयर की कीमत 235 से 247 रुपए के बीच रखी गई है।

एक लॉट में 60 शेयर होंगे, यानी निवेश करने के लिए कम से कम 14,820 रुपए चाहिए होंगे। ये शेयर 23 सितंबर 2025 को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। दूसरा आईपीओ है वीएमएस टीएमटी का, जो 17 सितंबर से शुरू होकर 19 सितंबर 2025 तक खुलेगा। ये पूरी तरह से 1.5 करोड़ शेयरों का नया इश्यू है, जिससे कंपनी 148.50 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। इसके शेयर की कीमत 94 से 99 रुपए के बीच होगी। एक लॉट में 150 शेयर होंगे और इसके लिए कम से कम 14,850 रुपए निवेश करने होंगे।

एसएमई सेगमेंट में भी हलचल रहेगी। सम्पत एल्युमीनियम, टेकडी साइबरसिक्युरिटी और जेडी केबल्स के आईपीओ अगले हफ्ते खुलेंगे। इसके अलावा नो कंपनियां इस सेगमेंट में लिस्ट होंगी। इनमें एलटी एल्वेटर, एयरफ्लोआ रेल टेक्नालॉजी, ग्लेक्सी मेडिकेयर, जय अम्बे सुपरमार्केट्स, ताऊरेन एमपीएस, कारबोनस्टील इंजीनियरिंग, निलांचल कारबो मेटालिक्स और वाशिस्ता लक्झरी फैशन शामिल हैं। ये कंपनियां छोटे और मध्यम उद्यमों के लिए बने प्लेटफॉर्म पर अपनी शुरुआत करेंगी।

निवेशकों के लिए ये हफ्ता अच्छा रहेगा, लेकिन सावधानी भी जरूरी है। बाजार में उतार-चढ़ाव रहता है, इसलिए निवेश पहले अच्छे से सोच-विचार करें। कोई भी फैसला लेने से पहले अपने वित्तीय सलाहकार से बात करें। ये समय निवेश के लिए रोमांचक है, लेकिन सही जानकारी और समझदारी के साथ आगे बढ़ना जरूरी है।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 698.26 अरब डॉलर के करीब पहुंचा

नई दिल्ली।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 5 सितंबर को समाप्त हुए हफ्ते में सालाना आधार पर 4.03 अरब डॉलर बढ़कर 698.26 अरब डॉलर पहुंच गया है। इसकी जानकारी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा दी गई। देश के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार बढ़त हो रही है। बीते महीने विदेशी मुद्रा भंडार 3.51 अरब डॉलर बढ़कर 694.2 अरब डॉलर हो गया है। आरबीआई के मुताबिक, विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां (एफसीए) का मूल्य 54 करोड़ डॉलर बढ़कर 584.47 अरब डॉलर हो गया है।

विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी इकाइयों के मूल्यवृद्धि या मूल्यह्रास का प्रभाव डॉलर के रूप में शामिल होता है। समीक्षा अवधि में विदेशी मुद्रा भंडार के अहम घटकों में से एक गोल्ड रिजर्व 3.53 अरब से बढ़कर 90.29 अरब डॉलर हो गया। भू-राजनीतिक तनावों से उत्पन्न अनिश्चितता के बीच, दुनिया भर के केंद्रीय बैंक अपने विदेशी मुद्रा भंडार में सुरक्षित निवेश के रूप में गोल्ड के रिजर्व को तेजी से बढ़ा रहे हैं। आरबीआई द्वारा अपने विदेशी मुद्रा भंडार में सोने के शेयर को 2021 से करीब दोगुना किया है।

केंद्रीय बैंक के मुताबिक, समीक्षा अवधि में विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) की वैल्यू 18.74 अरब डॉलर रह गई है।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारतीय रिजर्व पोजीशन भी 20 लाख डॉलर बढ़कर 4.75 अरब डॉलर हो गई है।

मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार आरबीआई को रुपए को तेजी से गिरने से रोकने और उसकी अस्थिरता को कम करने के लिए ज्यादा डॉलर जारी करके हाजिर और अग्रिम मुद्रा बाजारों में हस्तक्षेप करने में सक्षम बनाता है।

मोटो मोरिनी ने भारतीय ग्राहकों के लिए किश्स बडे तोहफे का ऐलान

नई दिल्ली । भारतीय ग्राहकों के लिए इटैलियन मोटरसाइकिल ब्रांड मोटो मोरिनी ने बड़ा तोहफा पेश किया है। मोटो मोरिनी ने अपनी लोकप्रिय सेईमेजो रेट्रो स्ट्रीट और स्क्रैम्बलर मोटरसाइकिलों पर भारी डिस्काउंट और आकर्षक फाइनेंस स्कीमें लॉन्च की हैं। कंपनी ने सेईमेजो सीरीज़ की कीमतों में सीधे 91 हजार रुपये तक की कटौती की है। पहले इनकी कीमत 5.20 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) थी, जबकि अब ग्राहक इन्हें केवल 4.29 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) में खरीद सकते हैं। इतालवी डिजाइन और हाईटेक इंजीनियरिंग से बनी यह रेंज अब पहले से कहीं ज्यादा किफायती हो गई है। यही नहीं, 21 सितंबर से पहले की गई खरीद पर ग्राहकों को 33 हजार रुपये तक का जीएसटी बेनिफिट भी मिलेगा। साथ ही, कंपनी ने फेस्टिव फाइनेंस ऑफर भी पेश किया है जिसमें लो ईएमआई, आकर्षक ब्याज दरें, 60 महीने तक की अवधि, तुरंत अप्रूवल और 95 प्रतिशत तक डेट कवरेज जैसी सुविधाएं शामिल हैं। ग्राहकों को इसके लिए सैलरी सर्टिफिकेट की भी जरूरत नहीं होगी। प्रीमियम मोटरसाइकिलों की बढ़ती कीमतों और महंगाई के दौर में मोटो मोरिनी का यह कदम ग्राहकों को बड़ी राहत देने वाला है।

टैक्स कट का पूरा लाभ ग्राहकों तक पहुंचाएगी रॉयल एनफील्ड

नई दिल्ली ।

जीएसटी दरें कम होने के बाद रॉयल एनफील्ड कंपनी ने घोषणा की है कि वह टैक्स कट का पूरा लाभ ग्राहकों तक पहुंचाएगी। सबसे ज्यादा बिकने वाली रेंज क्लासिक 350, बुलेट 350, हंटर 350 और मेट्योर 350 के खरीदारों को इसका फायदा मिलेगा। इन बाइक्स की कीमतों में 22,000 रुपये तक की कमी की जाएगी। नई दरें 22 सितंबर, 2025 से लागू होंगी। जीएसटी काउंसिल ने हाल ही में 350 सीसी तक की मोटरसाइकिलों पर टैक्स दर को 28प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया है। इस बदलाव के बाद रॉयल एनफील्ड की 350 सीसी सेगमेंट की बाइक्स और भी किफायती हो जाएंगी। कंपनी के सीईओ बी. गोविंदराजन ने कहा कि यह सुधार न केवल ग्राहकों को राहत देगा, बल्कि पहली बार बाइक खरीदने वालों का उत्साह भी बढ़ाएगा और इस सेगमेंट को और मजबूती मिलेगी। कंपनी ने यह भी साफ कर दिया है कि जीएसडी कट का असर सिर्फ मोटरसाइकिलों तक सीमित नहीं रहेगा। एक्सेसरीज, राइडिंग गियर और सर्विस पर भी कीमतें घटेंगी। नवरात्रि और दिवाली जैसे बड़े त्योहारों के ठीक पहले आया यह फैसला कंपनी के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकता है।

इन्फोसिस के शेयर पुनर्खरीद के बाद दूसरी कंपनियां भी ला सकती है बायबैक ऑफर

नई दिल्ली।

इन्फोसिस ने 18,000 करोड़ रुपए की शेयर फिर खरीदने की घोषणा की है। यह ऐसा फैसला है जिसे उसकी प्रतिस्पर्धी बड़ी कंपनियां भी अपने शेयर भाव में गिरावट के बीच अपना सकती हैं और वे पुनर्खरीद की राह पर बढ़ने प्रोत्साहित हो सकती हैं। इन्फोसिस 1800 करोड़ रुपए के औसत भाव पर 10 करोड़ शेयरों की पुनर्खरीद करेगी। यह कीमत गुरुवार के उसके 1,509.50 रुपए के बंद भाव की तुलना में 19.3 फीसदी ज्यादा है।

कंपनी ने गुरुवार को जारी विज्ञप्ति में कहा था कि यह कंपनी की चुकता इक्विटी पूंजी में कुल इक्विटी शेयरों का 2.41 फीसदी है। मोतीलाल ओसवाल फाइनैंशियल सर्विसेज में संस्थागत शोध विश्लेषक के उपाध्यक्ष अभिषेक पाठक ने कहा कि कंपनी के शेयर पुनर्खरीद की घोषणा के बाद कई दूसरी कंपनियां भी बायबैक ऑफर की राह पर आ सकती हैं। पाठक ने कहा कि यह पेशकश मुख्य रूप से शेयरधारकों को नकदी लौटाने का एक तरीका है, न कि व्यापार चक्र के बारे में कोई संकेत। उन्होंने कहा कि बड़ी आईटी कंपनियां हर 18 से 24 महीने में पुनर्खरीद पेशकश लाती हैं और इसलिए यह नियमित प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि वास्तव में इन्फोसिस ने साफ कहा है कि उसका लक्ष्य अर्ध-वार्षिक लाभांश, बायबैक और या विशेष लाभांश के जरिए पांच साल की अवधि में अपने मुक्त नकदी प्रवाह का करीब 85 फीसदी वापस लौटाना है।

बेंगलुरु की इस फर्म ने 2017 में अपने बायबैक के लिए 13,000 करोड़ रुपए का इस्तेमाल किया और 1,150 करोड़ रुपए के औसत भाव पर 11.3 करोड़ शेयर खरीदे। 2019 में इन्फोसिस ने खुले बाजार में 747 रुपए प्रति शेयर के हिसाब से 11.05 करोड़ शेयर खरीदने के लिए 8,260 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। इसी तरह, 2021 और 2022 में उसने 9,200 करोड़ रुपए यानी 5.58 करोड़ शेयर और 9,300 करोड़ रुपए यानी 6.04 करोड़ शेयर की पुनर्खरीद की है।

मुंबई के एक वरिष्ठ बाजार विश्लेषक के मुताबिक इन्फोसिस का बायबैक 'काफी सकारात्मक' है और इससे दूसरी तिमाही के नतीजों से पहले निवेशकों का भरोसा बढ़ने की उम्मीद है। विश्लेषक ने कहा कि आईटी क्षेत्र में मौजूदा अस्थिरता और शेयर के बेहतर प्रदर्शन के लिए मजबूत ट्रिगर्स की कमी को देखते हुए इस तरह का घटनाक्रम गिरावट रोकने में मदद करता है।

उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर इन्फोसिस के लिए इस बायबैक को काफी सकारात्मक माना जा रहा है और प्रतिस्पर्धियों की ओर से भी कुछ और घोषणाएं होने की उम्मीद है।

जीएसटी की नई दरें लागू होने के बाद हर महीने सरकार को देनी होगी रिपोर्ट

इससे पता चलेगा घटी दरों का लाभ ग्राहकों को मिल रहा है या नहीं

नई दिल्ली।

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने 9 सितंबर को जारी सर्कुलर में अपने क्षेत्रीय कार्यालयों से कहा कि वे 22 सितंबर से जीएसटी की नई दरें लागू होने के बाद मक्खन, पनीर, शैंपू, टूथपेस्ट, बिस्कुट, चॉकलेट, सीमेंट और दवाओं जैसी रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों में होने वाले बदलावों पर नजर रखें और मासिक रिपोर्ट पेश करें।

सर्कुलर में सीबीआईसी ने प्रधान मुख्य आयुक्तों को निर्देश दिया है कि वे व्यापार संघों और क्षेत्रीय इकाइयों से वस्तुवार कीमत के आंकड़े जमा करें, जिसमें नई दरें लागू होने के पहले और बाद के दाम शामिल हों।

यह कवायद 6 महीने तक जारी रहेगी, जिससे यह जाना जा सके कि कम हुई जीएसटी दरों का लाभ ग्राहकों को मिल रहा है या नहीं। इस सिलसिले में पहली रिपोर्ट 30 सितंबर तक भेजी जानी है। उसके बाद हर महीने की 20 तारीख को मार्च 2026 तक दरों की रिपोर्ट भेजनी होगी।

सूचीबद्ध 54 वस्तुओं की दरों की अद्यतन जानकारी देनी है, उनमें मक्खन, चीज और घी जैसे डेरी उत्पाद, बिस्कुट, चॉकलेट और आइसक्रीम जैसे पैकेज्ड फूड शामिल हैं। इन वस्तुओं में साबुन, शैंपू और टूथपेस्ट जैसे प्रसाधनों के साथ-साथ सीमेंट, दवाइयां, साइकिल, खिलौने जैसी महंगी वस्तुएं और टेलीविजन और एयर कंडीशनर जैसी टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुएं भी शामिल हैं। नाम सार्वजनिक न किए जाने को इच्छुक एक सरकारी अधिकारी ने कहा कि केंद्र का ध्यान रोजमर्रा के इस्तेमाल वाले सामान पर है और फील्ड में काम करने वाली यूनिट व्यापार संगठनों के साथ मिलकर काम करेगी, जिससे कि इसका लाभ ग्राहकों तक पहुंचाया जा सके।

उन्होंने कहा कि वे स्वतंत्र रूप से भी अनुपालन की निगरानी करेंगे। अधिकारी ने बिज़नेस स्टैंडर्ड से कहा कि क्षेत्रीय कार्यालय सीधे बाजार की जांच करेंगे और केवल व्यापार संघों या उद्योग निकायों द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर निर्भर नहीं रहेंगे।

केपीएमजी में पार्टनर और अप्रत्यक्ष कर के प्रमुख ने कहा कि यह निर्देश सरकार के व्यापक दृष्टिकोण के अनुरूप है। उन्होने कहा कि सरकार ने इस पर जोर दिया है कि उद्योग को यह तय करना होगा कि जीएसटी दरों में कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचे।

अगर वाहन विकास धीमा रहा तो भारत दुनिया से पिछड़ जाएगा

डिजाइन में बार-बार बदलाव लॉन्च में डाल रहे हैं रुकावट

नई दिल्ली।

भारतीय वाहन विनिर्माताओं द्वारा नए मॉडल पेश करने में 'अंतिम चरण वाले इंजीनियरिंग बदलावों' से देर होती है। यह ऐसी समस्या है जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की प्रतिस्पर्धी क्षमता पर असर डालती है।

एक फर्म के अध्ययन से यह जानकारी दी गई कि करीब 80 फीसदी मूल उपकरण विनिर्माताओं (ओईएम) ने बाधाएं बताई गई हैं। बताया जा रहा है कि भारत में यह देर ज्यादा होती है और इलेक्ट्रिक वाहनों के मामले में तो और भी ज्यादा।

अगर हमारा वाहन विकास धीमा है तो आशंका है कि भारत दुनिया से पिछड़ जाएगा। चीन अपने वाहनों को 18 से 24 महीनों में तैयार कर रहा है जबकि भारत 36 से 60 महीनों में। अध्ययन में बताया गया है कि डिजाइन में बाद वाले चरण के बदलाव लॉन्च में रुकावट डाल रहे हैं, आपूर्तिकर्ताओं की क्षमता कम कर रहे हैं और वैश्विक वाहन बाजार में भारत की प्रतिस्पर्धी क्षमता को प्रभावित कर रहे हैं।

अध्ययन में यह भी कहा गया है कि आम धारणा के विपरीत किसी वाहन का शुरुआती प्रोटोटाइप तैयार करने और सत्यापन के बाद भी इंजीनियरिंग बदलाव खत्म नहीं होते। आदर्श बात तो यह है कि प्री-प्रोडक्शन में बदलाव 15 फीसदी से कम, लॉन्च के बाद उत्पादन में 8 फीसदी या उससे कम और उत्पाद में स्थिरता आने के बाद यह बदलाव 3 फीसदी से भी कम रहने चाहिए। अलबत्ता, विकास चक्र के बाद वाले चरणों में भी ऐसे बदलाव ज्यादा होते हैं।

केवल 6 फीसदी ओईएम ही इस आदर्श का पालन करती हैं, 13 फीसदी ओईएम हल्का उतार-चढ़ाव बताती हैं और 81 फीसदी ओईएम इस पैटर्न के मुकाबले खासा बड़ा अंतर दिखाती हैं। ऐसा हरेक बदलाव डिजाइन, टूलिंग, बार-बार के सत्यापन या सॉफ्टवेयर अपडेट में फिर से काम किए जाने की जरूरत बता सकता है।

इससे मॉडल पेश करने के तय समय में देर होती है और लागत बढ़ जाती है। ये बदलाव आपूर्तिकर्ताओं को भी प्रभावित करते हैं। करीब 57 फीसदी पुर्जा विनिर्माताओं ने कहा कि अंतिम चरण में बार-बार बदलाव से उनकी टीमों को लगातार दोबारा काम और समस्याओं का समाधान करना पड़ता है। इन्हें परियोजनाओं के बीच संसाधनों को बार-बार बदलना पड़ता है।

एसबीआई सेविंग्स अकाउंट में 50,000 रुपए बैलेंस तो मिलेगा अच्छा रिटर्न

बैंक ने मल्टी ऑप्शन डिपॉजिट स्कीम में किया नया नियम लागू

नई दिल्ली।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने एक बड़ा बदलाव किया है। बैंक ने अपने करोड़ों ग्राहकों के लिए अपनी खास मल्टी ऑप्शन डिपॉजिट यानी एमओडी स्कीम में नया नियम लागू किया है। अब इस स्कीम का फायदा लेने के लिए आपके सेविंग्स अकाउंट में कम से कम 50,000 रुपए का बैलेंस होना जरूरी है। पहले यह रकम 35,000 रुपए थी यानी अब आपको पहले से ज्यादा पैसे अकाउंट में रखने होंगे, ताकि इस स्कीम का लाभ मिल सके। जिन लोगों के पास छोटा या मध्यम बैलेंस है, उनके लिए यह बदलाव मुश्किल हो सकता है, लेकिन जिनके पास ज्यादा बैलेंस है, उनके लिए यह स्कीम अब भी अच्छा रिटर्न देगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अगर आपके सेविंग्स अकाउंट में 50,000 रुपए से ज्यादा रकम है, तो अतिरिक्त पैसा अपने आप फिक्स्ड डिपॉजिट यानी एफडी में बदल जाता है। यह रकम एक हजार रुपए की छोटी-छोटी यूनिट्स में एफडी में जाती है। इस एफडी पर आपको वही ब्याज मिलता है, जो सामान्य टर्म डिपॉजिट पर मिलता है।

यह ब्याज सेविंग्स अकाउंट के ब्याज से कहीं ज्यादा होता है। अगर आपके अकाउंट में बैलेंस कम हो जाता है, तो बैंक अपने आप एमओडी से पैसा निकालकर आपके सेविंग्स अकाउंट में डाल देता है यानी आपको जरूरत पड़ने पर पैसे आसानी से मिल जाते हैं। खास बात यह है कि सीनियर सिटीजन्स को इस स्कीम में अतिरिक्त ब्याज का फायदा भी मिलता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एशिया कप में आज होगा भारत और पाकिस्तान का हाई वोल्टेज मुकाबला

दुबई (एजेंसी)। एशिया कप टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट में रविवार को भारत और पाकिस्तान की क्रिकेट टीमों के बीच हाई वोल्टेज मुकाबला होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत हासिल करने पूरी ताकत लगा देगी। भारतीय टीम हालांकि इस मैच में जीत की प्रबल दावेवारी है क्योंकि उसकी बल्लेबाज और गेंदबाजी पाकिस्तान से बेहतर है। अभी तक दोनो ही टीमों ने अपनी शुरुआती मैच जीत लिए है। भारतीय टीम ने पहले मैच में यूएई के खिलाफ एकतरफा जीत दर्ज की जबकि पाक का ओमान से जीत में जमकर पसीना बहाना पड़ा। अंक तालिका में अभी भारतीय टीम पहले जबकि पाक दूसरे नंबर पर है। दोनों टीमों के लिए यह मुकाबला बेहद अहम है। इस मुकाबले को जीतने वाली टीम के सुपर 4 में पहुंचने की संभावनाएं बढ़ जाएंगी। आंकड़ों पर नजर डालें तो खिताब की प्रबल दावेदार भारतीय टीम ने आठ बार खिताब जीता है, वहीं पाकिस्तान ने केवल दो बार ही जीत हासिल की है।

भारत और पाक टीमों ने दुबई मैदान में पहले भी खेला है। इस मैदान पर स्पिनरों को अधिक सहायता मिलती है। दोनो ही टीमों के पास अच्छे स्पिनर है जिसका लाभ वे उठाना चाहेंगी। इस मैच में दोनो ही टीमों की जीत उनकी अंतिम ग्यारह पर भी निर्भर करेगी।

पाक के खिलाफ भारतीय टीम की पारी की शुरुआत शुभमन गिल और अभिषेक शर्मा ही करेंगे। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज खासकर अर्शदीप सिंह को इस मैच में जगह मिलती है या नहीं ये देखना होगा। वहीं मध्य क्रम की .कमान सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, संजू सैमसन और शिवम दुबे पर रहेगी। .ऑलराउंडर के तौर पर हार्दिक पांड्या,अक्षर पटेल और शिवम दुबे को अवसर मिलेगा सैमसन विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर फिनिशर की भूमिका निभाएंगे। वहीं गेंदबाजी

की जिम्मेदारी जसप्रीत बुमराह, पंड्या, दुबे, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव और अक्षर पटेल के पास रहेगी।

पाकिस्तान की टीम में सैम अयूब, शाहिबजादा फरहान, मोहम्मद हारिस, फखर जमां और सलमान आगा पर बल्लेबाजी की जिम्मेदारी रही। वहीं गेंदबाजी की कमान स्पिनर मोहम्मद नवाज, फहीम अशरफ, तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी, सुफियान मुकीम और अबरार अहमद पर रहेगी।.

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत = सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव और जसप्रीत बुमराह।

पाकिस्तान = सलमान आगा (कप्तान), सैम अयूब, साहिबजादा फरहान, मोहम्मद हारिस (विकेटकीपर), फखर जमान, हसन नवाज, मोहम्मद नवाज, फहीम अशरफ, शाहीन अफरीदी, सुफियान मुकीम, अबरार अहमद।

भारत-पाक मैचों का क्रेज कम हुआ, अब तक आधे टिकट भी नहीं बिके

मुम्बई (एजेंसी)। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह को अब भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) में भी अहम जिम्मेदारी मिल सकती है। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) ने उन्हें 28 सितंबर को होने वाली बीसीसीआई की सालाना आम बैठक के लिए अपना प्रतिनिधि बनाया है। गौरतलब है कि एजीएम में बीसीसीआई पांच प्रमुख पदाधिकारियों का चुनाव करेगा। वहीं बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) ने सौरव गांगुली को अपना नियुक्त किया है। ऐसे में गांगुली को भी बोर्ड के अगले अध्यक्ष पद का दावेदार माना जा रहा है। वह पहले भी बीसीसीआई अध्यक्ष रहे हैं।

बीसीसीआई एजीएम के मुख्य एजेंडे में बीसीसीआई बोर्ड अध्यक्ष सहित शीर्ष पदाधिकारियों के चुनाव और नियुक्ति भी शामिल है। जिनमें अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव और कोषाध्यक्ष शामिल है। बैठक में शीर्ष परिषद के लिए एक आम सभा प्रतिनिधि और आईपीएल गवर्निंग काउंसिल के लिए दो सदस्यों के नाम पर भी फैसला होगा। हरभजन भारत की 2007 टी-20 विश्व कप और 2011 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य थे। वह पहले पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) के सलाहकार रहे हैं। इस बार वह अपने राज्य संघ के प्रतिनिधि के रूप में पहली बार उपस्थित रहेंगे।

वहीं इससे पहले महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का नाम भी बीसीसीआई अध्यक्ष के लिए सामने आया था पर सचिन ने इससे इंकार कर दिया था। वहीं हभजन ने अभी तक कोई बयान नहीं दिया है।

बीसीसीआई की पिछली वार्षिक आम बैठकों एजीएम को देखें, तो बड़ी प्रतिस्पर्धा की संभावना कम ही है। देवजीत सैकिया सचिव, प्रभतेज सिंह भाटिया कोषाध्यक्ष और रोहन देसाई संयुक्त सचिव जैसे मौजूदा पदाधिकारियों के अपने पदों पर बने रहने की उम्मीद है।

हांगकांग ओपन: सात्विक-चिराग सत्र के पहले फाइनल में पहुंचे

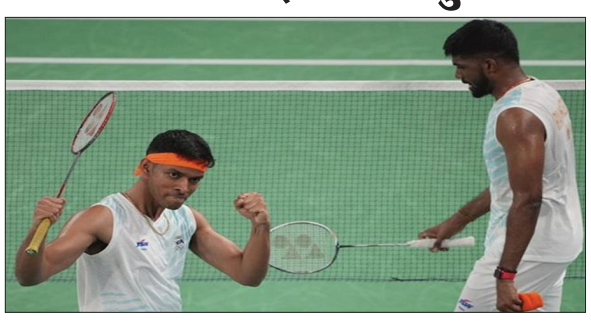

हांगकांग (एजेंसी)। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार पुरुष युगल जोड़ी ने शनिवार को सीधे गेम में जीत के साथ हांगकांग ओपन सुपर 500 के फाइनल में प्रवेश किया। इस तरह उनके पास इस साल खिताब जीतने का लंबा इंतजार खत्म करने का मौका है। दुनिया की नौवें नंबर की इस जोड़ी ने चीनी ताइपे के बिंग-वेई लिन और चेन चेंग कुआन को 21-17, 21-15 से हराकर इस सत्र में छह सेमीफाइनल मुकाबलों में मिली हार के बाद अपने पहले फाइनल में जगह बनाई।

आठवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी का सामना चीन के लियांग वेई केंग और वांग चांग तथा चीनी ताइपे के फैंग-चिह ली और फैंग-जेन ली के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। शुरुआती गेम में दोनों जोड़ियां 3-3 और 6-6 से बराबरी पर थीं। लेकिन सात्विक के स्मैश और चिराग के तेज 'इंटरसेप्शन' की बदौलत भारतीय जोड़ी 11-8 से आगे हो गई। हालांकि ताइवानी जोड़ी ने वापसी करते हुए स्कोर 12-12 कर लिया लेकिन भारतीय जोड़ी ने 15-12 से बढ़त बना ली।

चिराग के तेज रिटर्न के साथ दूसरे गेम प्वाइंट पर गेम अपने नाम कर लिया। अगले गेम में चेन और लिन मजबूत शुरुआत कर 4-2 से आगे थे, लेकिन भारत ने 6-6 से बराबरी हासिल कर ली। चिराग की कुछ गलतियों के कारण ताइवानी जोड़ी 10-8 से आगे हो ली। लेकिन सात्विक ने एक और तेज स्मैश लगाकर स्कोर 12-12 से बराबर कर दिया। फिर भारतीय जोड़ी ने अपनी पकड़ मजबूत करते हुए स्कोर 17-15 कर दिया। जल्द स्कोर 19-15 हो गया। लेकिन चेन की एक नेट गलती ने सात्विक और चिराग को पांच मैच प्वाइंट दिला दिए।

एशिया कप में पाकिस्तान पर हमेशा भारी पड़ी है भारतीय टीम

दुबई (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान की क्रिकेट टीम एक बार फिर रविवार को एशिया कप में टकरायेंगी। इस मैच को लेकर भारी रोमांच रहता है। दोनो ही टीमें इस मैच को जीतने के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। इस मैच के लिए सभी तैयारियों हो गयी हैं और दोनो ही टीमें आपस में टकराने के लिए तैयार हैं। भारतीय टीम ने अपने अपने पहले ही मैच में मेजबान यूएई को एकतरफा मुकाबले में हराकर अपने इरादे जता दिये हैं। वहीं पाकिस्तान ने पहले मुकाबले में कड़े संघर्ष के बाद ओमान को हराया है। दोनों टीमें एक ही ग्रुप में है। भारतीय टीम अंक तालिक में पहले जबकि पाक दूसरे नंबर पर है।

आंकड़ों पर नजर डालें तो एशिया कप में अब तक दोनों ही टीमों के बीच 18 बार मुकाबले हुए हैं। इसमें भारतीय टीम को 10 बार जबकि पाकिस्तान को 6 बार जीत मिली है। भारतीय टीम रिकॉर्ड 8 बार एशिया कप ट्रॉफी जीती है। भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप का फाइनल कभी नहीं हुआ है। एशिया कप की शुरुआत साल 1984 में हुई थी। भारत और पाकिस्तान की टीमें तब से अभी तक 18 बार आमने-सामने आई हैं। दोनों टीमों के बीच 1997 और 2023 में एक एक मुकाबला परिणाम रहित रहा। 15 बार एशिया कप एकदिवसीय प्रारुप में हुआ। फॉर्मेट में इसमें भारतीय टीम ने आठ जबकि पाकिस्तान ने 5 बार जीत हासिल की है। दो मुकाबलों का परिणाम नहीं मिला है। दोनों टीमों के बीच खेले गए एशिया कप मुकाबलों में विराट कोहली ने सबसे अधिक रन बनाए हैं। कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ 8 मैचों में 476 रन बनाए हैं।

बटलर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 में 30 गेंदों पर ही 83 रन बनाये

-रोहित और जोनाथन का रिकार्ड तोड़ा

ओल्डट्रैफर्ड (एजेंसी)। इंग्लैंड के जोस बटलर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से दो अहम रिकार्ड अपने नाम किये हैं। इस मैच में अपनी बल्लेबाजी से बटलर ने रोहित शर्मा और जोनाथन चार्ल्स के रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। बटलर ने केवल 30 गेंदों में 83 रन बनाये। वहीं 65 रन पावरप्ले में बने। बटलर ने फिल साल्ट के साथ 126 रनों की साझेदारी की। इंग्लैंड ने पावर प्ले में 100 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ किसी भी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में पावरप्ले में यह किसी बल्लेबाज का सबसे अधिक स्कोर है। वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के पहले छह ओवरों में 65 या उससे अधिक रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं।

बटलर का टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में पॉवरप्ले में चौथा सबसे बड़ा स्कोर है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने 73, पॉल स्टर्लिंग ने 67 और कॉलिन मुनरो ने 66 रन बनाये थे। वहीं चौथे स्थान रहे हैं हेड ने 2024 में स्कॉटलैंड के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी, जबकि स्टर्लिंग और मुनरो ने क्रमशः 2020 और 2018 में वेस्टइंडीज के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी।

बटलर ने 276.66 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए

बटलर ने इस दौरान 276.66 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए जो किसी भी पूर्ण सदस्य टीम के खिलाफ किसी भी सलामी बल्लेबाज द्वारा 80 से अधिक रनों की सबसे तेज पारी है। उन्होंने भारत के रोहित द्वारा 2017 में श्रीलंका के खिलाफ बनाया गया रिकॉर्ड तोड़ दिया, रोहित ने तब 35 गेंदों में शतक लगाया था। वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 260 से अधिक की स्कोरिंग रेट से 80 से अधिक रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी भी हैं। उन्होंने 2023 में सेंचुरियन में वेस्टइंडीज के लिए जोनाथन चार्ल्स के रिकॉर्ड 46 में से 118 रन को तोड़ दिया।

श्रेयस के लिए जगह बनाने सैमसन को पांचवे नंबर पर आजमाया जा रहा : श्रीकांत

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर कृष्णमाचारी श्रीकांत ने कहा है कि एशिया कप में जिस प्रकार संजू सैमसन को पांचवें नंबर पर रखा गया है उससे उन्हें नुकसान होगा। श्रीकांत के अनुसार इस नंबर पर सैमसन अधिक सफल नहीं रहे है और इससे उनका मनोबल कमजोर होगा। इस पूर्व बल्लेबाज का मानना है कि श्रेयस अय्यर के लिए जगह बनाने

सैमसन को पांचवे नंबर पर आजमाया जा रहा है। यूएई के खिलाफ मैच में वह पांचवे नंबर पर उतरे थे। शुभमन गिल को टी20 में उपकप्तान बनाये जाने के बाद से ही ये तय हो गया था कि सैमसन के हाथ से पारी की शुरुआत का अवसर निकल गया है। श्रीकांत ने कहा, मुझे लगता है कि सैमसन को पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी कराकर, वे श्रेयस अय्यर की टीम में वापसी का रास्ता बना रहे हैं। संजू ने पांचवें नंबर पर ज्यादा बल्लेबाजी नहीं की है और उन्हें उस नंबर पर बल्लेबाजी भी नहीं करनी चाहिए। इससे पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने का उनका आत्मविश्वास डगमगा जाएगा। ये सैमसन के पास अंतिम अवसर है। मैं उन्हें यह भी बता दूंगा कि अगर वह इस नंबर पर अगली तीन पारियों में रन नहीं बना पाए, तो श्रेयस उनकी जगह ले लेंगे।

चहल की तरफ बनना चाहते हैं आर्यवीर कोहली

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली के भतीजे आर्यवीर कोहली ने इस बार दिल्ली प्रीमियर लीग में भी अच्छा प्रदर्शन किया था। आर्यवीर विराट की तरह बल्लेबाज नहीं बल्कि लेग स्पिनर हैं। वह युजवेंद्र चहल जैसा गेंदबाज बना चाहते हैं और दिवंगत ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर शेन वार्न को अपना आदर्श मानते हैं। आर्यवीर ने चहल ओर वार्न दोनों के वीडियो देखकर स्पिन की बारीकियां सीखीं। दिल्ली कैपिटल्स द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में आर्यवीर ने यह खुलासा किया है। चहल अच्छे प्रदर्शन के बाद भी करीब दो साल से भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर हैं। उन्होंने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच साल 2023 में खेला था। वो अगस्त 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 मैच में मैदान में उतरे थे। इससे पहले जनवरी 2023 में उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी एकदिवसीय मैच खेला था। चहल हालांकि आईपीएल में सक्रिय हैं। वो पंजाब किंग्स के लिए आईपीएल में खेलते हैं। वहीं विराट टेस्ट और टी20 से संन्यास के बाद अब केवल एकदिवसीय में ही खेलेंगे।

अनुराग ठाकुर ने तोड़ी चुप्पी, बताया क्यों जरूरी है भारत-पाकिस्तान के बीच मैच होना

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीसीसीआई और भारत सरकार को वर्तमान में सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम को एशिया कप 2025 में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने की अनुमति देने के अपने फैसले के लिए प्रशंसकों की काफी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। सभी आलोचनाओं के बीच पूर्व भारतीय खेल मंत्री और वर्तमान भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने एक स्पष्टीकरण जारी किया कि जब एसीसी या आईसीसी द्वारा आयोजित टूर्नामेंट की बात आती है तो ऐसी प्रतियोगिताएं अपरिहार्य हैं।

एशियाई दिग्गज भारत और पाकिस्तान ने आखिरी बार 2012 13 में द्विपक्षीय श्रृंखला में एक-दूसरे का सामना किया था। तब से दोनों टीमें एशिया कप या वनडे और

टी20 विश्व कप जैसी वैश्विक या महाद्वीपीय प्रतियोगिताओं में एक-दूसरे से भिड़ती रही हैं।

अनुराग ठाकुर ने कहा, 'जब एसीसी या आईसीसी द्वारा बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट आयोजित किए जाते हैं, तो देशों के लिए उनमें भाग लेना एक मजबूरी और आवश्यकता बन जाती है। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो उन्हें टूर्नामेंट से बाहर कर दिया जाएगा, उन्हें मैच छोड़ना होगा और दूसरी टीम को अंक मिलेंगे। लेकिन भारत पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय टूर्नामेंट नहीं खेलता है। हमने वर्षों से यह निर्णय लिया है कि जब तक पाकिस्तान भारत पर आतंकवादी हमले बंद नहीं कर देता तब तक भारत पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय टूर्नामेंट नहीं खेलेगा।' गौर है कि एशिया कप 2025 में टीम इंडिया का दूसरा मुकाबला पाकिस्तान से होगा। भारतीय टीम ने टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में दुबई के दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में यूएई को एकतरफा मुकाबले में नौ विकेट से हरा दिया। भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप 2025 का मुकाबला 14 सितंबर को होगा।

अब तुर्की के फुटबॉल क्लब से खेलेंगे मैनचेस्टर यूनाइटेड के आंद्रे ओनाना

मैनचेस्टर । मैनचेस्टर यूनाइटेड के गोलकीपर आंद्रे ओनाना अब आने वाले सत्र में तुर्की के फुटबॉल क्लब त्राब्जोंसपोर की ओर से खेलते हुए दिखेंगे। त्राब्जोंसपोर ने इस फुटबॉलर को लोन पर शामिल किया है हालांकि अभी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस करार को मंजूरी मिलनी शेष है। यह करार तुर्की की ट्रांसफर विंडो बंद होने से पहले ही पूरा किया गया है। इसी को लेकर त्राब्जोंसपोर ने कहा, मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ करार हुआ है, जिसके तहत पेशेवर फुटबॉलर आंद्रे ओनाना का 2025-26 सत्र के लिए हमारे क्लब में ट्रांसफर किया गया है।इस फुटबॉलर ने जुलाई 2023 में इटली के इंटर मिलान क्लब से जुड़ने के बाद रेड्स की ओर से 102 मैच खेले हैं। आंद्रे ने मैनचेस्टर में अपने पहले सीजन के दौरान केवल एक मैच ही नहीं खेला था। उन्होंने एफए कप में अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। आंद्रे पिछले सत्र में भी पसंदीदा गोलकीपर बने थे। वह सेव ऑफ द मंथ अवॉर्ड को तीन बार जीतने वाले पहले गोलकीपर हैं। ओनाना ने अपने दूसरे सीजन में 50 मैच खेले, जिसके बाद त्राब्जोंसपोर के साथ जुड़ने के लिए राजी हो गए। उन्होंने इस सीजन में अब तक यूनाइटेड के लिए केवल एक मैच खेला है। हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण ओनाना प्री-सीजन के दौरान टीम के साथ नहीं खेल पाए थे। उन्होंने सीजन के अपने पहले मैच में एक गलती की, जिसके चलते यूनाइटेड को काराबाओ कप में हार झेलनी पड़ गई।

रोहित और विराट की कमी नहीं खलेगी, भारत बी टीम भी पाकिस्तानी को हरा देगी: पूर्व क्रिकेटर भारत

दुबई (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान एशिया कप 2025 के अपने दूसरे ग्रुप चरण के मुकाबले में आमने सामने होंगे, जो 14 सितंबर को दुबई के दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में होगा। एशियाई दिग्गजों के बीच होने वाले हाई वोल्टेज मुकाबले से पहले पूर्व भारतीय क्रिकेटर अतुल वासन का मानना है कि एशिया कप 2025 में इंडिया बी टीम भी सलमान आगा की कप्तानी वाली पाकिस्तान टीम को हरा देंगी।

वासन भारत की एशिया कप 1990-91 विजेता टीम का हिस्सा थे। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें एशिया कप 2025 में बल्लेबाजी जोड़ी रोहित शर्मा और विराट कोहली की कमी महसूस नहीं होगी। रोहित और विराट भारत टी20 विश्व कप 2024 जीतने के बाद से टी20 से संन्यास ले चुके हैं।

अतुल वासन ने कहा, 'भारत की बी टीम भी इस पाकिस्तानी टीम को हरा देगी क्योंकि हालात बदल गए हैं। जब हम 90 के दशक में खेलते थे तब वे बहुत अच्छी टीम हुआ करते थे। अब स्थिति बदल गई है। मुझे रोहित शर्मा और विराट कोहली की कमी नहीं खलेगी क्योंकि फिर मुझे सुनील गावस्कर और कपिल देव की भी याद आने लगेगी। राजा मर गया, राजा अमर रहे। चीजें बदलती रहती हैं, नए सुपरस्टार आते हैं और यह धन-दौलत की शर्मिंदगी और मुझे चयनकर्ताओं पर तरस आता है क्योंकि सबको एक ही टीम में रखना पड़ता है क्योंकि किसे बाहर करना है और किसे चुनना है।'

भारत का पाकिस्तान के खिलाफ आखिरी मुकाबला आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में हुआ था, जहां विराट कोहली के नाबाद शतक की बदौलत रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम ने पाकिस्तान को एकतरफा मुकाबले में छह विकेट से हराया था। गौर है कि सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में यूएई के खिलाफ शानदार जीत के बाद पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से पहले आत्मविश्वास से भरी होगी।

विश्व तीरंदाजी : रिकर्व स्पर्धा में गाथा की हार से भारत की उम्मीदें समाप्त हुईं

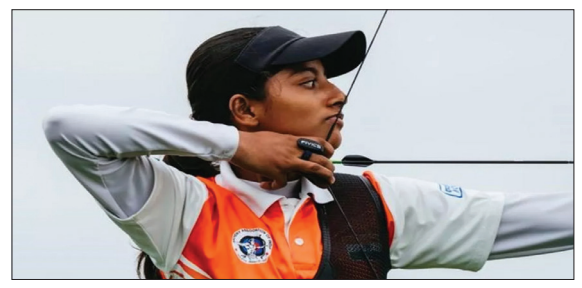

सियोल । दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में जारी विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में भारतीय खिलाड़ी रिकर्व में फिर असफल रहे हैं। इस चैंपियनशिप में 15 साल की युवा तीरंदाज गाथा खड़के के हारते ही इस वर्ग में भारत की सभी संभावनाएं समाप्त हो गयीं। प्री-क्वार्टर फाइनल में हुए एकतरफा मुकाबले में गाथा को कोरिया की लिम सी-ह्योन से 6-0 से हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही रिकर्व वर्ग में भारतीय टीम का अभियान समाप्त बिना किसी पदके के ही समाप्त हो गया। वहीं कंपाउंड तीरंदाजों ने एक ऐतिहासिक स्वर्ण सहित दो पदक जीते। यह लगातार तीसरा मौका है जब भारतीय रिकर्व तीरंदाज विश्व चैंपियनशिप से खाली हाथ लौटे हैं। भारत ने आखिरी बार 2019 में रिकर्व में पदक जीता था, जब तरूणदीप राय, अतनु दास और प्रवीण जाधव की पुरुष टीम ने रजत पदक हासिल किया था। इस बार टूर्नामेंट में अनुभवी तीरंदाजों ने भी निराश किया। अनुभवी खिलाड़ी दीपिका कुमारी पहले ही दौर में बाहर हो गईं।इसी प्रकार शीर्ष क्रम के पुरुष रिकर्व तीरंदाज और धीरज बोम्मदेवरा भी असफल रहे।

अर्शदीप को टीम से बाहर रखने पर भारतीय कोच ने तोड़ी चुप्पी, कहा- यह कोई एजेंडा नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक ने दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में यूएई के खिलाफ एशिया कप 2025 के मुकाबले के लिए सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम की प्लेइंग इलेवन में अर्शदीप सिंह को न चुनने के फैसले पर खुलकर बात की। ज्यादातर प्रशंसकों और विशेषज्ञों ने भविष्यवाणी की थी कि पंजाब के इस तेज गेंदबाज को टीम में टूर्नामेंट के पहले मैच में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के साथ खेलते हुए देखा जाएगा।

यूएई के खिलाफ भारत ने एकमात्र विशेषज्ञ तेज गेंदबाज के रूप में जसप्रीत बुमराह को चुना, जबकि शिवम दुबे और हार्दिक पांड्या को अंशकालिक विकल्प के रूप में तीन स्पिन विकल्पों के साथ उतारा गया। अर्शदीप को प्लेइंग इलेवन से बाहर करने के बारे में पूछे जाने पर कोटक ने कहा कि ऐसे फैसलों के पीछे कोई एजेंडा नहीं होता।

सीतांशु कोटक ने कहा, 'क्योंकि मुख्य कोच और कप्तान के साथ हमारी पहली बातचीत यही होती है कि जाहिर है ये 15 खिलाड़ी ऐसे ही हैं। हर कोई खेलने का हकदार है।'

उन्होंने आगे कहा, 'अगर कोई खिलाड़ी नहीं खेल रहा है तो उसके लिए मुश्किल होगी क्योंकि उसे लगेगा कि उसे टीम से बाहर कर दिया गया है। लेकिन आखिरकार यह एक टीम खेल है। इसलिए सभी जानते हैं कि इसमें कोई एजेंडा नहीं है कोई व्यक्तिगत पसंद-नापसंद नहीं है। टीम के लिए जो भी सबसे अच्छा होगा कप्तान और मुख्य कोच वही तय करेंगे और मुझे नहीं लगता कि किसी के मन में कोई संदेह है। इसलिए जो भी नहीं खेल रहा है वे हमेशा उन खिलाड़ियों की मदद करने की कोशिश कर रहे हैं जो खेल रहे हैं।'

गौर है कि अर्शदीप सिंह ने 63 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जहां उन्होंने 5/37 के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ 99 विकेट लिए हैं। पंजाब के अर्शदीप भारत की टी20 विश्व कप 2024 टीम का हिस्सा थे, जहां उन्होंने 17 साल बाद टीम को अपना दूसरा टी20 विश्व कप खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई। वह 8 मैचों में 17 विकेट लेकर दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोयल की तरह ही चातक देती है दूसरों के घोंसलों में अंडे

माथे पर किलंगी और काले सफ़ेद पंख चातक पक्षी की खासियत होते हैं। प्राचीन साहित्य में चातक का यह विवरण उसके पारिस्थितिकी व्यवहार से काफी मेल खाते हैं। यह मौसम इसका प्रजनन काल भी है। प्रजनन के इस समय में नर दिनभर तरह तरह की कोकिल ध्वनियों से लगातार मादा को आकर्षित करने की कोशिश करते हैं। इस मौसम की शुरुआत में ये पक्षी उत्तर भारत के विभिन्न क्षेत्रों में प्रवास करते हैं।

हल्के नीले रंग के होते हैं अंडे

कोयल की तरह चातक पक्षी भी अन्य पक्षियों के घोंसलों में अपने अंडे देती है। जून से अगस्त तक चलने वाले प्रजनन काल की शुरुआत में मादाएं मेज़बान पक्षियों के घोंसलों की तलाश में रहती हैं। इन चातक के अंडे भी गैगई पक्षी के अंडों के समान हल्के, नीले रंग व छोटे आकार के होते है। गैगई, जिन्हें 7-10 के झुंड में घूमने के कारण लोक भाषा में सातभाई या बहन भी कहा जाता है, चातक के बहुत ही चहेते होते हैं। मादा चातक अक्सर अंडे देते वक्त मेजबान के अंडों को क्षतिग्रस्त कर देती हैं। पंखों के विकास होने तक गैगई अपने व चातक के चूजों में भेद नहीं कर पाती और सबका भरण-पोषण समान रूप से करती हैं।

भारत में होती हैं दो प्रजातियां

भारत में चातक की दो विशिष्ट उप प्रजातियां पाई जाती हैं। एक क्लैमेटर जैकोबिनस जैकोबिनस और दूसरी उत्तर भारत से आने वाली उप-प्रजाति क्लैमेटर जैकोबिनस पिका होती है। इनका मुख्य भोजन कीट-पतंगे होते हैं, लेकिन कभी कभी फलों को भी खूब चाव से खाते हैं।

प्यासा मर जाएगा पर इधर-उधर का पानी नहीं पीता चातक

धरती पर मौजूद हर जीव को जिंदा रहने के लिए दाना-पानी तो चाहिए ही. कीड़े-मकोड़ो की बात नहीं कर रहा. कम से कम इंसानों, पशु-पक्षियों वगैरह के लिए तो हवा के बाद दूसरी सबसे जरूरी चीज है पानी. खाने के बगैर तो इंसान कुछ दिन जिंदा रह सकता है लेकिन पानी के बगैर तो प्यार से ही मर जाएगा. पक्षियों के साथ भी ऐसा ही है. लेकिन आज हम एक ऐसे पक्षी के बारे में बात करने जा रहे हैं, जो प्यास के मारे मर जाएगा, लेकिन इधर-उधर का पानी पीना इसे मंजूर नहीं! आप सोच रहे होंगे, ये भला कैसा पागलपन है... लेकिन इस पक्षी की तो यही कहानी है. गर्मियों में अक्सर हम पशुओं के लिए छतों पर और आंगन में किसी बर्तन में पानी रख देते हैं. तमाम पक्षी आकर वे पानी पी लेंगे, लेकिन चातक पक्षी प्यासा होने के बावजूद ऐसा नहीं करेगा. चातक पक्षी केवल बारिश का ही पानी ही पिया करता है. यह चिड़िया किसी झील, तालाब, नदी वगैरह का पानी नहीं पीती है. भले ही वह प्यासा ही मर क्यों न जाए, लेकिन यह बारिश के अलावा कोई पानी नहीं पीती. चातक पक्षी, केवल बारिश के पानी से ही अपनी प्यास बुझाता है. ऐसा कहा जाता है कि यह पक्षी बहुत प्यासा है और इसे बिल्कुल साफ पानी के झील में भी छोड़ दिया जाए, तो भी यह पानी नहीं पिएगा. इस स्थिति में पानी पीने के लिए ये अपनी चोंच भी नहीं खोलेगा. बारिश के अलावा यह किसी भी दूसरे सोर्स से पानी नहीं पीता है. चातक कीटभक्षी पक्षी होता है. कीट-फतंगों के अलावा इसे फल खाते भी देखा गया है. चातक पक्षी की एक अलग बात ये भी है कि ये दूसरे पक्षियों के घोसले में अपने अंडे दिया करते हैं. ये पक्षी बुलबुल ओर बब्बलर जैसे पक्षियों के घोंसले में अपने अंडे देते हैं. चातक पक्षी मुख्य तौर पर एशिया और अफ्रीका महाद्वीप का पक्षी है. बात करें भारत की तो ये पक्षी उत्तराखंड में पाया जाता है. गढ़वाल में इसे चातक की बजाय चोली बुलाया जाता है. इसे मारवाड़ी/राजस्थानी में मघवा और पपिया भी कहा जाता है.

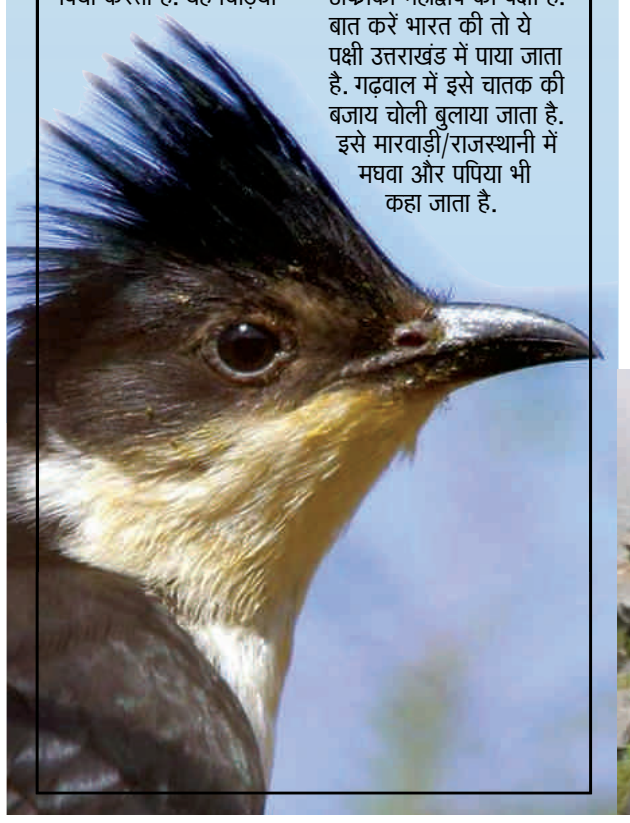

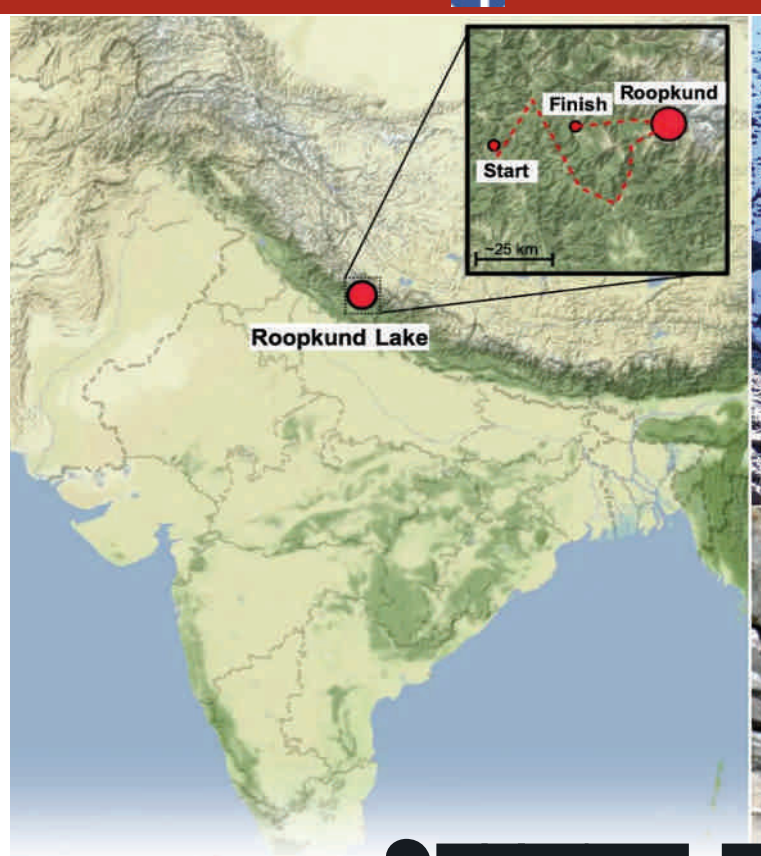

भारत की कंकालों वाली झील का रहस्य

भारत के हिस्से में आने वाले हिमालयी क्षेत्र में बर्फ़ीली चोटियों के बीच स्थित रूपकुंड झील में एक अरसे से इंसानी हड्डियां बिखरी हैं. रूपकुंड झील समुद्रतल से क़रीब 16,500 फीट यानी 5,029 मीटर की ऊंचाई पर मौजूद है. ये झील हिमालय की तीन चोटियों, जिन्हें त्रिशूल जैसी दिखने के कारण त्रिशूल के नाम से जाना जाता है, के बीच स्थित है.त्रिशूल को भारत की सबसे ऊंची पर्वत चोटियों में **गिना जाता है जो कि उत्तराखंड के कुमाऊं** क्षेत्र में स्थित हैं.

आधी सदी से अनसुलझी है पहेली

रूपकुंड झील को कंकालों की झील कहा जाता है. यहां इंसानी हड्डियां जहां-तहां बर्फ़ **में दबी हुई हैं. साल 1942 में एक ब्रिटिश फॉरेस्ट रेंजर ने गश्त के दौरान इस झील की खोज की थी. तकरीबन आधी सदी से मानवविज्ञानी और वैज्ञानिक इन कंकालों का अध्ययन कर रहे हैं. वहीं, बड़ी संख्या में पर्यटक यहां आते हैं और ये झील** उनकी जिज्ञासा का कारण बनी हुई है.

साल के ज़्यादातर वक़्त तक इस झील का पानी जमा रहता है, लेकिन मौसम के **हिसाब से यह झील आकार में घटती - बढ़ती रहती है. जब झील पर जमी** बर्फ़ **पिघल जाती है तब ये इंसानी कंकाल दिखाई देने लगते हैं. कई बार तो इन** हड्डियों के साथ पूरे इंसानी अंग भी होते हैं जैसे कि शरीर को अच्छी तरह से **संरक्षित किया गया हो. अब तक यहां** 600 **से 800 लोगों के कंकाल पाए गए हैं. पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए उत्तराखंड की सरकार इसे रहस्यमयी झील के** तौर पर बताती है.

कंकालों वाली झील

गुज़री आधी सदी से ज्यादा वर्षों से **वैज्ञानिकों ने इस झील में पड़े कंकालों** का अध्ययन किया है और कई अनसुलझी पहेलियों को सुलझाने की कोशिश की है. **उनके सामने कई सवाल थे. मसलन,** ये कंकाल किन लोगों **के हैं? इन लोगों** की **मौत कैसे हुई? ये लोग कहां से यहां आए थे? इन मानव कंकालों को** लेकर एक पुरानी कहानी यह बताई जाती है कि ये कंकाल एक भारतीय राजा, उनकी **पत्नी और उनके सेवकों के हैं. 870 साल पहले ये सभी लोग एक बर्फ़ीले तूफ़ान का शिकार हो गए थे और** यहीं दफ़न हो गए थे.

कंकालों को लेकर कई थ्योरी

एक अन्य थ्योरी के मुताबिक़, इनमें से कुछ कंकाल भारतीय सैनिकों के हैं जो कि 1841 में तिब्बत पर कब्ज़ा करने की **कोशिश कर रहे थे और जिन्हें हराकर भगा दिया गया था. इनमें से 70 से** ज्यादा **सैनिकों को हिमालय की पहाड़ियों से** होते हुए वापस लौटना पड़ा और रास्ते में उनकी मौत हो गई. एक अन्य कहानी के अनुसार **माना जाता है कि यह एक कब्रगाह हो सकती है जहां किसी महामारी के शिकार लोगों को दफ़नाया गया होगा. इस इलाक़े के गांवों में एक प्रचलित लोकगीत गाया जाता है. इसमें बताया जाता है कि कैसे** यहां पूजी जाने वाली नंदा देवी ने एक 'लोहे जैसा सख़्त तूफ़ान' खड़ा किया जिसके कारण झील पार करने वालों की **मौत हो गई और वे यहीं झील में समा गए.**

महिलाओं के कंकाल भी मौजूद

कंकालों को लेकर किए गए शुरुआती अध्ययनों से पता चला है कि यहां मरने वाले अधिकतर लोगों की ऊंचाई सामान्य से अधिक थी. इनमें से ज़्यादातर मध्यम

नर कंकालों से भरा है पानी, होती हैं कई रहस्यमयी घटनाएं

सोचिए आप पहाड़ों के बीच किसी सुंदर झील घूमने के लिए गए हैं और अचानक आपको वहां पर कई सारे नर कंकाल दिख जाएं तो क्या करेंगे आप? हिमालय की रूपकुंड झील की कहानी कुछ ऐसी ही है। साल 1942 में यहां पर ब्रिटिश के फॉरेस्ट गार्ड को सैकड़ों नर कंकाल मिले थे। इस दौरान झील पूरी तरह मानवों के कंकाल और हड्डियों से भरी थी। इतने सारे कंकालों और हड्डियों को देख ऐसा आभास होता था कि शायद पहले यहां पर जरूर कुछ न कुछ बहुत बुरा हुआ था। शुरुआत में इसे देख कई लोगों ने यह कयास लगाया कि हो न हो यह सभी नर कंकाल जापानी सैनिकों के होंगे, जो द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान भारत में ब्रिटेन पर आक्रमण करने के लिए हिमालय के रास्ते घुसते वक्त मर गए होंगे। उस वक्त जापानी आक्रमण के भय से ब्रिटिश सरकार ने फौरन इन नर कंकालों की जांच के लिए एक वैज्ञानिकों की टीम को बुलाया। जांच के बाद पता चला कि ये कंकाल जापानी सैनिकों के नहीं थे, बल्कि ये नर कंकाल तो और भी ज्यादा पुराने हैं। इसके बाद समय समय पर इन कंकालों का परीक्षण होता रहा। इन परीक्षणों के आधार पर वैज्ञानिकों के मत अलग-अलग सामने निकलकर आए। कई वैज्ञानिकों का कहना है कि वर्षों पहले यहां पर कई लोगों की मृत्यु हिमस्खलन के चलते हुई तो दूसरे वैज्ञानिकों का कहना है कि इन लोगों की मौत किसी महामारी के कारण हुई। रूपकुंड झील में नर कंकाल क्यों हैं? और कैसे हैं? इस पर वैज्ञानिकों का मत एकसमान नहीं है।

हालांकि 2004 में हुए एक अध्ययन ने रूपकुंड झील से जुड़े कई चौंकाने वाले खुलासे किए। इस अध्ययन के जरिए यह पता चला कि ये कंकाल 12वीं से 15वीं सदी के बीच के थे। डीएनए जांच के बाद कई नई चीजें सामने निकलकर आईं। यह भी पता चला कि इन कंकालों का संबंध अलग-अलग भौगोलिक जगहों से था। अंत में वैज्ञानिकों ने बताया कि काफी समय पहले इन लोगों की मृत्यु किसी भारी गेंद जैसे आकार की चीजों का सिर पे गिरने से हुई थी।

आपको जानकर आश्चर्य होगा कि हिमालय पर्वत पर रहने वाली महिलाओं के एक प्रसिद्ध लोकगीत में एक माता का वर्णन आता है। लोकगीत के मुताबिक ये देवी माता बाहर से आए लोगों पर गुस्सा करती थीं, जो यहां आकर पहाड़ की सुंदरता में खलल डालते थे। इसी गुस्से में उन्होंने भारी भरकम ओलों की बारिश करवाई, जिसके कारण कई लोगों की जानें गई थी। गौरतलब बात है कि 2004 में हुए रिसर्च में यही बात सामने निकल कर आई थी कि अचानक हुई भयंकर ओलावृष्टि से इन लोगों की जानें गई होंगी। वहीं आज भी इस रूपकुंड झील के कई रहस्य झील के भीतर ही दफन हैं। झील में प्रवेश करने पर सख्त प्रतिबंध है। लोगों का कहना है कि यहां पर अक्सर कई सारी रहस्यमय घटनाएं होती हैं।

आयुवर्ग के थे जिनकी उम्र 35 से 40 साल के बीच रही होगी. इनमें उम्रदराज़ महिलाओं के भी कंकाल हैं लेकिन बच्चों का कोई भी कंकाल नहीं है. इन सभी का **स्वास्थ्य अच्छा रहा होगा. साथ ही आमतौर पर ये माना जाता है कि ये कंकाल एक ही समूह** के लोगों के हैं जो कि नौवीं **सदी के दौरान किसी अचानक** आई किसी आपदा के दौरान **मारे गए थे. पांच साल तक** चले एक हालिया अध्ययन में कहा गया है कि ये सभी कयास शायद सच नहीं हैं. इस **अध्ययन में भारत समेत जर्मनी और अमेरिका के 16 संस्थानों के 28 सह-लेखक शामिल** रहे **हैं. वैज्ञानिकों ने जेनेटिक रूप** से और **कार्बन डेटिंग के आधार पर** झील में मिले **38 इंसानी अवशेषों का अध्ययन** किया. **इनमें 15 महिलाओं के अवशेष** शामिल हैं. **इनमें से कुछ** 1,200 **साल** पहले के हैं. **अध्ययनकर्ताओं ने पाया है कि** मरे हुए **लोग जेनेटिक रूप से अलग**-अलग हैं **और उनकी मौतों के बीच में** 1,000 साल तक का अंतर है. अध्ययन की मुख्य लेखिका ईडेओइन हार्ने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में **पीएचडी की छात्र हैं. वे कहती** हैं, इससे वे **थ्योरी ख़ारिज हो गईं जिनमें** कहा गया था कि किसी एक तूफ़ान या आपदा में ये सभी मौतें हुई हैं. वे कहती हैं, अभी भी यह **साफ नहीं है कि रूपकुंड झील में आख़िर** क्या हुआ था. लेकिन, हम यह बात ज़रूर कह सकते हैं कि ये सभी मौतें किसी एक घटना में नहीं हुई हैं. इससे भी ज़्यादा दिलचस्प यह है कि जेनेटिक स्टडी से पता **चला है कि ये लोग अलग-अलग मूल के थे. मसलन, इसमें एक समूह** के लोगों के जेनेटिक्स मौजूदा वक्त में दक्षिण एशिया में रहने वाले लोगों जैसे ही हैं, जबकि दूसरे समूह के लोगों के जेनेटिक्स मौजूदा वक्त के यूरोप के लोगों से मिलते-जुलते

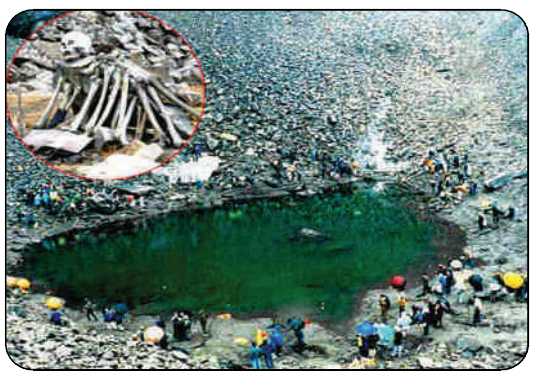

जेनेटिक्स के आधार पर इनमें से कुछ इस उपमहाद्वीप के उत्तरी हिस्से के लोगों से **मिलते-जुलते हैं, जबकि,** अन्य दक्षिण **हिस्से में बसे समूहों से** मिलते-जुलते हैं.

हैं. ख़ासतौर पर ये यूनान के द्वीप क्रीट में रहने वाले लोगों जैसे हैं. हार्न कहती हैं,

क्या तीर्थयात्रा पर आए थे लोग?

झील के रास्ते में पड़ने वाले एक तीर्थस्थल **से शायद इस बात** का स्पष्टीकरण मिलता **है कि लोग आख़िर** इस इलाक़े की यात्रा **पर क्यों आए होंगे.** अध्ययनों की मानें तो **19वीं सदी के आख़िर** तक इस इलाक़े में तीर्थयात्रा के कोई पुख्ता प्रमाण नहीं मिलते **हैं. लेकिन, 8वीं और 10वीं सदी के स्थानीय मंदिरों में** मिले शिलालेख इशारा **करते हैं कि** यहां उस दौर में लोग **तीर्थयात्रा पर** जाया करते थे. ऐसे में **वैज्ञानिकों का मानना** है कि इस जगह पर कुछ कंकाल उन लोगों के हो सकते हैं जिनकी मौत किसी तीर्थयात्रा के दौरान हुई होगी. लेकिन, पूर्वी भूमध्यसागरीय **इलाक़े** के लोग भारत के हिमालय की इन ऊंची **पहाड़ियों पर मौजूद झील पर क्या क**रने गए थे? इस बात **की उम्मीद** कम जान पड़ती है **कि यूरोप** के लोग इतना लंबा सफ़र तय करके एक हिंदू तीर्थ यात्रा में हिस्सा लेने के लिए रूपकुंड पहुंचे होंगे. तो क्या ये हो सकता है कि पूर्वी भूमध्यसागरीय पूर्वजों की जेनेटिक रूप से अलग आबादी पीढ़ियों से **इस इलाके में रह रही** हो? हार्ने कहती हैं, **हम अभी भी इन** सब सवालों का जवाब **ढूंढने की कोशिश कर रहे हैं.**

इस रहस्यमयी मंदिर में जाने के नाम से ही थरथर कांपने लगते हैं लोग

पूजा-पाठ और भूत प्रेत से छुटकारा पाने के लिए लोग मंदिर जाते हैं लेकिन हमारे देश में एक ऐसा मंदिर है जिसमें जाने से लोग कतराते हैं. कहा जाता है कि मंदिर के अंदर जाने पर भूतों और पिशाचों को डरने लगता है. **लेकिन यह मंदिर ऐसा है जहां जाने से** उल्टा लोग ही डर जाते हैं. दरअसल, हिमाचल प्रदेश के चंबा में एक छोटे से **कस्बे** भरमोर में एक मंदिर है. ये मंदिर **देखने** में तो काफी छोटा है, लेकिन इसकी ख्याति दूर-दूर तक फैली हुई है. इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि लोग इस मंदिर **के अंदर जाने की गलती कभी नहीं करते हैं. और भक्त मंदिर के बाहर से ही प्रार्थना कर चले जाते हैं. दरअसल, यह मंदिर मृत्यु के** देवता यमराज का है. यही वजह है कि **लोग इस मंदिर के पास जाने से भी डरते हैं. यह दुनिया का एकमात्र ऐसा मंदिर है जो यमराज को समर्पित है. लोगों का कहना है कि इस मंदिर को यमराज** के लिए ही बनाया गया था. इसलिए इसके अंदर उनके **अलावा और कोई भी प्रवेश नहीं कर सकता है. गांव के लोगों का कहना है कि इस मंदिर** में चित्रगुप्त के लिए भी एक कमरा बनाया गया है, जिसमें वो इंसानों के अच्छे-बुरे कामों का लेखा-जोखा एक किताब में रखते हैं. ऐसा माना जाता है कि, मनुष्यों की मृत्यु के बाद, पृथ्वी पर उनके द्वारा किए गये कार्यों के आधार पर उनके लिए स्वर्ग या नर्क का निर्णय लेने का अधिकार चित्रगुप्त के ही पास है. यानि भगवान चित्रगुप्त ही मृत्यु के बाद इंसान के स्वर्ग या नरक में जाने का निर्णय **लेते हैं. कहा जाता है कि** इस मंदिर के अंदर चार छिपे हुए दरवाजे हैं जो कि सोने, चांदी, तांबे और लोहे के बने हुए हैं. माना जाता है कि जो लोग ज्यादा पाप करते हैं, उनकी **आत्मा लोहे के गेट से अंदर** जाती है और **जिसने पुण्य किया हो,** उसकी आत्मा सोने के गेट के अंदर जाती है.

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हिमाचल प्रदेश के गांव गुतराहन में बादल फटा... कई वाहन मलबे की चपेट में आकर दबे

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिला के नैना देवी विधानसभा क्षेत्र की उप तहसील के तहत आने वाले गांव गुतराहन में शनिवार सुबह बादल फटने से भारी तबाही हुई। इस दौरान कई वाहन मलबे की चपेट में आकर दब गए और सड़कों को भी भारी नुकसान हुआ। लेकिन गनीमत ये रही कि इस प्राकृतिक आपदा में किसी तरह की जानहानि का नुकसान नहीं हुआ, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। प्रभावित ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द मौके पर पहुंचकर स्थिति का आकलन करे और पीड़ितों को उचित मुआवजा मिले। वहीं, दूसरी ओर मंडी जिले के धर्मपुर में सपड़ी रोह गांव में सुबह 4 बजे लैंडस्लाइड हुई, जिसकी वजह से कई घर मलबे से घिर गए हैं। बता दें कि हिमाचल के कई जिलों में अब मौसम फिर से बिगड़ने लगा है। इसके बाद अब कई स्थानों पर गरज के साथ बारिश होने की भी संभावना जाहिर की गई है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के द्वारा 13 और 14 सितंबर को कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर यूपी में 15 लाख से अधिक पौधे रोपित किए जाएंगे

लखनऊ (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर को उत्तर प्रदेश की योगी सरकार एक और बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान शुरू करेगी, इसके तहत 15 लाख से अधिक पौधे रोपित किए जाएंगे। जानकारी के मुताबिक, सेवा पर्व पहल के तहत, 17 से 2 अक्टूबर के बीच राज्य भर में 15 लाख से ज़्यादा पौधे लगाए जाएँगे। यह पहल 9 अगस्त को राज्य के रिकॉर्ड तोड़ वृक्षारोपण अभियान के बाद की जा रही है, जब सिर्फ 12 घंटों में 37.21 करोड़ पौधे लगाए गए थे। हालांकि, सेवा पर्व के दौरान वृक्षारोपण एक राष्ट्रव्यापी अभियान होगा, जो केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की पहल पर चलाया जाएगा, ताकि नागरिकों को पेड़ लगाने के लिए प्रेरित किया जा सके और एक व्यापक सहभागी आंदोलन बनाया जा सके। अभियान के शुभारंभ पर, राज्य में अब तक स्थापित 34 नगर वनों (शहरी वनों) में कम से कम 100 पौधे लगाए जाएँगे। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ए.के. सक्सेना ने अभियान के बारे में बताया कि, पारिस्थितिक लचीलेपन के लिए स्थानीय और देशी प्रजातियों के पेड़ लगाए जाने चाहिए। अभियान के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए प्रत्येक जिले में एक डीएफओ को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

पीलीभीत मेडिकल कॉलेज में आवारा कुत्ता मृत नवजात के शव को उठाकर भागा

पीलीभीत (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत मेडिकल कॉलेज में अस्पताल परिसर में एक आवारा कुत्ता मृत नवजात के शव को उठाकर भाग गया। खाग सराय गांव के अजय की पत्नी रेशमा (25) को प्रसव पीड़ा के चलते महिला अस्पताल में भर्ती किया गया था। शल्य चिकित्सा के बीच प्रसूता ने बच्चे को जन्म दिया। चिकित्सकों के अनुसार पैदा हुआ नवजात मृत अवस्था में होने के कारण अस्पताल प्रशासन ने परिजनों को उसका शव सौंप दिया। गुरुवार की रात नौ बजे करीब परिजन बच्चे का शव लेकर अस्पताल के बाहर स्थित पार्क की बेंच पर बैठे थे। इस बीच एक आवारा कुत्ता बेंच पर रखे नवजात के शव को मुंह में दबाकर भाग गया। परिजन और उपस्थित लोग कुत्ते का पीछा करने लगे। लगभग 100 मीटर दूर कुत्ता शव को झाड़ियों में छोड़कर भाग गया। महिला चिकित्सालय अधीक्षक ने घटना की पुष्टि कर बताया घटना के लिए चिकित्सालय कर्मी या अधिकारी दोषी नहीं है। उन्होंने कहा कि नवजात का शव प्रसूता की मां चमेली देवी को विधिवत सौंपा गया था। परिजन शिशु को बाहर पार्क में गए थे। यह घटना उनकी लापरवाही से हुई है। इसके लिए अस्पताल के स्टाफ को दोषी नहीं मान सकते है। मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य संगीता अनेजा ने घटना पर कोई भी प्रतिक्रिया नहीं दी है।

लव जिहाद के आरोपियों के घर पर चला बुलडोजर, भारी संख्या में पुलिस बल रह तैनात

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में टीआईटी कॉलेज की छात्राओं से दुष्कर्म और धर्म परिवर्तन के दबाव का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। आरोपियों के अवैध निर्माण पर प्रशासन ने बुलडोजर की कार्रवाई शुरू कर दी है। जिला कोर्ट से स्टे न मिलने के बाद प्रशासन ने यह कार्रवाई की है। एसडीएम भी वहां पहुंची। प्रशासन का कहना है कि आरोपियों के घर सरकारी ज़मीन पर बने हैं इसलिए बुलडोजर चलाने के पहले मकानों को चारों ओर से पुलिस ने बैरिकेड लगा दिए हैं। मौके पर 500 से ज्यादा पुलिस जवान तैनात हैं। इस मामले में आरोपी बनाए गए युवक फरहान, साद और साहिल ने गिरोह बनाकर टीआईटी कॉलेज की छात्राओं से पहले दोस्ती की, फिर उनके साथ दुष्कर्म किया। छात्राओं के अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया गया और धर्म परिवर्तन कर दबाव बनाया। इतना ही नहीं, इन लड़कियों से अन्य छात्राओं को भी गिरोह में फंसाने के लिए मजबूर किया जाता था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मामला राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग तक पहुंचा और आयोग की टीम को भोपाल आना पड़ा। अब जिला प्रशासन की यह कार्रवाई सरकार की जीरो टॉलरेंस पॉलिसी का हिस्सा मानी जा रही है। स्थानीय लोगों की भीड़ प्रशासनिक अमले के साथ घटनास्थल पर मौजूद है। मौके पर मीडिया और फोटोग्राफरों का जमावड़ा है। अधिकारियों का कहना है कि कानूनी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद ही कार्रवाई की जाएगी।

अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेलिंग में भाजपा नेता संग तीन को भेजा जेल

आगरा (एजेंसी)। टीपी नगर (हरीपर्वत) स्थित जैन होटल में युवक का युवती के साथ अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेलिंग के मामले में न्यू आगरा पुलिस ने तीन और को जेल भेजा है। आरोपियों में भाजपा अल्प संख्यक मोर्चा का पूर्व पदाधिकारी भी शामिल है। युवक से 10 लाख रुपये की रंगदारी मांगी जा रही थी।

आरएसएस से रिश्ते को मजबूत करने में जुटे पीएम मोदी और अमित शाह

नई दिल्ली(एजेंसी)। भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बीच रिश्तों को लेकर कई आशंकाएं जताई गई हैं कि इन दोनों के बीच सबकुछ ठीक नहीं है। मतलब साफ है कि तल्खी भरे रिश्तों की चर्चा होती रही है। इसका सबसे बड़ा कारण है कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव बार-बार टालना। हालांकि अब परिस्थिति बदलती नजर आने लगी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को लाल किले से अपने संबोधन के दौरान आरएसएस की प्रशंसा की थी। 11 वर्षों में पहली बार लाल किले से संघ की जिक्र हुआ था। प्रधानमंत्री ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के जन्मदिन पर देश के विभिन्न अखबारों में लेख में उनकी खुलकर प्रशंसा की। वहीं, हाल ही में गृहमंत्री अमित शाह ने भी कहा कि आरएसएस से जुड़ा होना कोई माइनस पॉइंट नहीं है। भाजपा के दोनों शीर्ष नेताओं के बयान इस बात संकेत देते हैं कि बीजेपी अपने वैचारिक मूल संगठन से सहज रिश्तों को लेकर तस्वीर साफ करना चाहती है और लोगों में एक सकारात्मक संदेश देने की कोशिश कर रही है।

15 अगस्त को मोदी ने लाल किले से कहा, 100 वर्षों की राष्ट्र सेवा आरएसएस का गौरवशाली अध्याय है। संघ विश्व का सबसे बड़ा एनजीओ है, जिसने सेवा, समर्पण और अनुशासन की मिसाल पेश की है। इससे पहले अमित शाह ने 30 जुलाई को संसद में कहा, हिंदू आतंकवादी नहीं हो सकता है। वहीं, 22 अगस्त को कोच्चि में मणोरमा कॉन्क्लेव में शाह ने कहा, मैं स्वयंसेवक हूं और जब तक भारत महान नहीं बनता हमें विश्राम का अधिकार नहीं है। इसके बाद 26 अगस्त को शाह ने स्पष्ट शब्दों में कहा, 'RSS से जुड़ा होना कोई माइनस पॉइंट नहीं है। वहीं जानकारों का मानना है कि बीजेपी अब अपने वैचारिक परिवार के साथ दूरी की अटकलों को खत्म करना चाहती है। एक रिपोर्ट में वरिष्ठ बीजेपी नेता के हवाले से कहा, आरएसएस और भाजपा अलग नहीं हैं। दोनों का लक्ष्य एक ही है। हाल की टिप्पणियां यह संदेश कार्यकर्ताओं तक पहुंचाने के लिए हैं। एक संघ नेता ने भी कहा, परिवार में मतभेद होते हैं। सत्ता का स्वभाव कभी-कभी नेताओं को असंवेदनशील बना देता है। ऐसे समय हम उन्हें याद दिलाते हैं कि व्यक्ति सुई है और विचारधारा धागा।

इसकी शुरुआत 2024 में बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा के उस बयान से होती है जब उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि भाजपा को अब आरएसएस पर पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं है। भाजपा अध्यक्ष के इस बयान ने आरएसएस के कान खड़े कर दिए। इसके बाद से दोनों संगठनों के बीच रिश्ते थोड़े से असहज हुए। चुनाव विश्लेषकों का मानना है कि लोकसभा चुनाव में भाजपा को अपने दम पर बहुमत नहीं मिलने के पीछे आरएसएस की अनिच्छा भी एक कारण है। मोहन भागवत ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा था कि सच्चा सेवक अहंकार रहित होता है। उनका यह बयान भाजपा के लिए एक संदेश की तरह था। हालांकि बाद में रिश्ते को पटरी पर लाने की कोशिश की गई है। इसके बाद महाराष्ट्र और हरियाणा के विधानसभा चुनाव हुए। बीजेपी ने शानदार जीत दर्ज की। सियासी पंडितों ने इसे आरएसएस की प्रबंधन नीति का नतीजा बताया। संघ प्रचार प्रमुख सुनील अंबेकर ने किसी भी तनाव से इनकार करते हुए कहा कि यह परिवार का मामला है।

नई पीढ़ी को फिल्म द बंगाल फाइल्स देखनी चाहिए : केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह

बेगूसराय (एजेंसी)। (ईएमएस)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बेगूसराय में द बंगाल फाइल्स फिल्म देखने के बाद कहा कि यह फिल्म आजादी के बाद की पीढ़ी के लिए एक जरूरी दस्तावेज है। उन्होंने कहा कि इस फिल्म में भारत के बंटवारे का सच दर्शाया गया है, जिसे नई पीढ़ी को जरूर देखना चाहिए। गिरिराज सिंह ने जोर देकर कहा कि यह फिल्म न सिर्फ ऐतिहासिक तथ्यों को उजागर करती है, बल्कि वर्तमान बंगाल के हालात को समझने के लिए भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, जो आजादी के बाद की पीढ़ी है, जिसने बंटवारे को नहीं देखा, उनके लिए द बंगाल फाइल्स बंटवारे का सच दिखाती है। यह फिल्म हर किसी को, खासकर युवा वर्ग को देखनी चाहिए। इसमें गांधी जी की भूमिका को भी अपने-अपने नजरिए से देखा जा सकता है। पत्रकारों से चर्चा करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि फिल्म देखने के बाद ऐसा लगता है कि बंगाल में मौजूदा हालात को देखते हुए लोगों की जरूरत फिर से महसूस हो रही है, जो समाज को बचाने के लिए खड़े हुए थे। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस फिल्म से कोई भी मुंह नहीं छिपा सकता, क्योंकि यह आधी आजादी के सच को सामने लाती है। विपक्ष द्वारा द बंगाल फाइल्स पर सवाल उठाए जाने के बारे में पूछे गए सवाल पर गिरिराज सिंह ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने कहा, क्या इतिहास के पन्नों को झूठलाया जा सकता है? क्या सोहराबुद्दीन और पुलिस की घटनाएं इतिहास में दर्ज नहीं हैं? इस फिल्म में एक संदेश भी है कि अगर तुम बांटोगे, तो काटे जाओगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह फिल्म ऐतिहासिक तथ्यों पर आधारित है और इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वहीं, मौलवियों द्वारा राजनीतिक फतवे जारी करने के सवाल पर गिरिराज सिंह ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, अगर मस्जिदों से मौलवी राजनीतिक फतवे जारी करेंगे तो हम मंदिरों से अपनी हुंकार भरेंगे। हुंकार का मतलब हुंकार होता है।

मोदी का मणिपुर दौरा जमीनी हकीकत से ज्यादा प्रधानमंत्री की 'छवि' पर केंद्रित: गौरव गोगोई

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने जातीय हिंसा से प्रभावित मणिपुर का दौरा करने में ÷दो साल की देरी÷ के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर शनिवार को निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री की यह यात्रा राज्य की जमीनी हकीकत के बजाय उनकी छवि पर अधिक केंद्रित है।

गोगोई ने कहा कि मई 2023 में जब मणिपुर में जातीय हिंसा भड़की थी, तब मोदी का दौरा राज्य में शांति बहाली की दिशा में पहला कदम होना चाहिए था। मणिपुर में मेइती और कुकी-जो समुदायों के बीच जातीय हिंसा में अब तक कम से कम 260 लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। विपक्षी दल राज्य का दौरा न करने के लिए प्रधानमंत्री की लगातार आलोचना कर रहे थे।

गोगोई ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी का दो साल पहले मणिपुर का दौरा करना राज्य में शांति बहाली और स्थिति सुधारने के सफर में पहला कदम होना चाहिए था।'

उन्होंने लिखा, 'अब दो साल की देरी के बाद, उनकी यात्रा मुख्य रूप से पूर्वोत्तर की भावनाओं का सम्मान करने के लिए होनी चाहिए। लेकिन, रुख बिल्कुल असंवेदनशील है और यात्रा जमीनी हकीकत के बजाय प्रधानमंत्री की छवि पर केंद्रित है।'

मोदी ने कुकी-जो बहुल चूड़ाचांदपुर और मेइती समुदाय का गढ़ कहलाने वाले इंफाल की अपनी यात्रा के दौरान दोनों जगहों पर आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों से मुलाकात की। उन्होंने दोनों शहरों में जनसभाओं को भी संबोधित किया और राज्य के लिए 8,500 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की घोषणा की।

राजनीतिक ज़मीन खोने के बाद से कुछ भी बोलने लगी हैं महबूबा मुफ्ती, ताजा बयानबाज़ी से बढ़ सकता है विवाद

श्रीनगर(एजेंसी)। महबूबा मुफ्ती एक बार फिर कश्मीर के सवाल पर ऐसी बयानबाज़ी कर रही हैं, जिससे शांति और स्थिरता की कोशिशों को ठेस पहुँच सकती है। उन्होंने डोडा के विधायक मेहराज मलिक की PSA (जन सुरक्षा अधिनियम) के तहत हुई गिरफ्तारी को 'लोकतांत्रिक संस्थाओं पर हमला' बताते हुए सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका यह कहना कि 'लोकतंत्र में ऐसे मामलों का समाधान केवल सदन में बहस और प्रस्ताव से होना चाहिए' न केवल आधा सच है बल्कि वास्तविकताओं से भी परे है।

हम आपको बता दें कि जन सुरक्षा अधिनियम (PSA) का उपयोग केवल तभी किया जाता है जब व्यक्ति की गतिविधियाँ कानून-व्यवस्था या शांति-व्यवस्था के लिए ख़तरा मानी जाती हैं। यदि एक निर्वाचित प्रतिनिधि भी ऐसी गतिविधियों में लिप्त पाया जाता है, तो उस पर कार्रवाई करना पूरी तरह वैधानिक और आवश्यक है। लोकतंत्र का अर्थ अराजकता की छूट नहीं होता, बल्कि कानून के दायरे में रहकर जनता की सेवा करना होता है।

महबूबा मुफ्ती यह भलीभाँति जानती हैं कि कश्मीर में हिंसक राजनीति और अलगाववादी गतिविधियों को हवा देने वाले तत्वों पर समय-समय पर कड़ा रुख अपनाना पड़ा है। जब वह खुद सत्ता में थीं, तब भी PSA के तहत गिरफ्तारियाँ हुई थीं। आज उसी प्रक्रिया को 'लोकतंत्र पर हमला' बताना उनकी राजनीतिक अवसरवादिता को उजागर करता है।

उनका यह कहना कि 'कश्मीरी क़ैदियों को जेलों में कष्ट झेलना पड़ रहा है' एक भावनात्मक अपील तो है, लेकिन इसमें यह स्वीकारोक्ति नहीं है कि इन क़ैदियों का बड़ा हिस्सा आतंकी नेटवर्क से जुड़ा रहा है या हिंसक गतिविधियों में शामिल रहा है। इन्हें 'निर्दोष पीड़ित' बताना न केवल ग़लतबयानी है बल्कि जनता को गुमराह करने की कोशिश भी है।

देखा जाये तो कश्मीर धीरे-धीरे सामान्य स्थिति की ओर बढ़ रहा है। पर्यटन, निवेश और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव दिखाई दे रहे हैं। लेकिन महबूबा मुफ्ती जैसे नेताओं के ऐसे बयान युवाओं में भ्रम और असंतोष फैलाकर माहौल को अस्थिर कर सकते हैं। यह कहना कि अनुच्छेद 370 हटाने का समर्थन करने वाले अब 'उसका दर्द' झेल रहे हैं, वस्तुतः केंद्र सरकार की नीतियों को कटघरे में खड़ा करने और लोगों के मन में असुरक्षा पैदा करने की कोशिश है।

देखा जाये तो महबूबा मुफ्ती का बयान लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा से अधिक राजनीतिक ज़मीन तलाशने का प्रयास प्रतीत होता है। सच्चाई यह है कि लोकतंत्र तभी मज़बूत होता है जब कानून का शासन सर्वोपरि हो। यदि कोई भी व्यक्ति—चाहे वह आम नागरिक हो या विधायक, कानून तोड़ेगा, तो उसके खिलाफ कार्रवाई अनिवार्य है। कश्मीर को आगे बढ़ाने के लिए ज़रूरी है कि स्थानीय नेता जिम्मेदारी से बोलें और ऐसे वक्तव्यों से बचें जो शांति-प्रक्रिया को बाधित कर सकते हैं। महबूबा मुफ्ती को समझना होगा कि कश्मीर अब भय और भ्रम की राजनीति से आगे बढ़ चुका है। ऐसे बयान न केवल ग़लतबयानी हैं बल्कि युवाओं को भटकाने वाले भी साबित हो सकते हैं।

धीरेंद्र शास्त्री का संदेश : पड़ोसी देशों से सीखो, सामाजिक समरसता ही देश को बचाएगी

वाराणसी (एजेंसी)। बागेश्वर धाम सरकार आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने शनिवार को उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित भगवान विश्वनाथ मंदिर में दर्शन किए और कहा कि देश को बचाना है और अगर हम नहीं चाहते कि भारत की स्थिति हमारे पड़ोसी देशों जैसी हो, तो देश में सामाजिक समरसता का होना ज़रूरी है। आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने और भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने के लिए वे 7 नवंबर से 16 नवंबर तक पदयात्रा करेंगे। अपनी पदयात्रा पर मीडिया से बात करते हुए शास्त्री ने कहा कि काशी आकर बहुत अच्छा लग रहा है। हम सामाजिक समरसता और भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने के लिए 7 नवंबर से 16 नवंबर तक पदयात्रा करने जा रहे हैं। इसके लिए हमने आज भगवान विश्वनाथ के चरणों में प्रार्थना की। देश को बचाना होगा। अगर हम नहीं चाहते कि भारत की स्थिति हमारे पड़ोसी देशों जैसी हो, तो देश में सामाजिक समरसता जरूरी है। वैमनस्य दूर करना बहुत जरूरी है। भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करना बहुत जरूरी है। भारत एक अघोषित हिंदू राष्ट्र है। लोगों के विचारों और दिलों में भारत को हिंदू राष्ट्र बनाना जरूरी है। यहां से हम गया जी जाएंगे। इससे पहले, शुक्रवार को, मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम ने भगवान शिव को समर्पित काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना और अनुष्ठान किए। बाद में, उन्होंने अपने आधिकारिक यात्रा कार्यक्रम के तहत अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर जाकर अपनी आध्यात्मिक यात्रा जारी रखी। प्रधानमंत्री रामगुलाम के मंदिर दौरे के बाद X पर एक पोस्ट में, विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस यात्रा ने दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक संबंधों को और मजबूत किया है।

उद्धव के विरोध के बाद नितेश राणे का पलटवार, आदित्य ठाकरे बुर्का पहनकर देखेंगे भारत-पाक मैच

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने एशिया कप 2025 में आगामी भारत बनाम पाकिस्तान मैच का विरोध करने के लिए शनिवार को आदित्य ठाकरे की आलोचना की और कहा कि वह %बुर्का% पहनकर मैच देखेंगे। राणे ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आदित्य ठाकरे भारत-पाकिस्तान मैच बुर्का पहनकर छुपकर देखेंगे। ठाकरे का मज़ाक उड़ाते हुए राणे ने यह भी कहा कि उनकी आवाज़ उनकी पहचान छिपाने में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि अगर वह बुर्का पहनकर उस आवाज़ में बात करें, तो कौन जानेगा कि वह आदित्य ठाकरे हैं।

पहले शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शनिवार को आगामी एशिया कप 2025 में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मैच में भारत की भागीदारी पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि सरकार राजनीति और व्यापार को देशभक्ति के साथ मिला रही है।

पत्रकारों को संबोधित करते हुए, ठाकरे ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री ने कहा था कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते, तो खून और क्रिकेट एक साथ कैसे बह सकते हैं? युद्ध और क्रिकेट एक साथ कैसे हो सकते हैं?... उन्होंने देशभक्ति का धंधा किया है। देशभक्ति का धंधा सिर्फ़ पैसे के लिए है। वे कल भी मैच खेलने जा रहे हैं क्योंकि उन्हें उस मैच से मिलने वाला सारा पैसा चाहिए। उद्धव ठाकरे ने आगे घोषणा की कि शिवसेना (यूबीटी) की महिला कार्यकर्ता एक प्रतीकात्मक विरोध प्रदर्शन करेंगी।

उन्होंने कहा कि कल, शिवसेना (यूबीटी) की महिला कार्यकर्ता महाराष्ट्र की सड़कों पर उतरेंगी और वे हर घर से प्रधानमंत्री मोदी को सिंदूर भेजेंगी। इस बीच, भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा है कि एसीसी या आईसीसी द्वारा आयोजित बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में भाग लेना देशों के लिए एक बाध्यकारी बात है, लेकिन भारत पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय टूर्नामेंट नहीं खेलता है और जब तक देश पर आतंकवादी हमले बंद नहीं हो जाते, तब तक वह इनसे बचता रहेगा। यह बात दोनों देशों के बीच आगामी एशिया कप 2025 मैच से पहले कही गई है।

महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने कहा कि क्या सामना या उद्धव ठाकरे को भारत-पाकिस्तान मैच पर टिप्पणी करने का नैतिक अधिकार है? उद्धव ठाकरे के एक सांसद की रैली के दौरान %पाकिस्तान ज़िंदाबाद% के नारे लगे, हरे झंडे लहराए गए, हरा गुलाल उड़ाया गया और %सर तन से जुदा% जैसे नारे लगाए गए। तो फिर उन्होंने तब पाकिस्तान के प्रति गुस्सा क्यों नहीं जताया? इससे

नक्सलियों की मौत से डरी कुख्यात महिला नक्सली सुजाता ने किया सरेंडर

-एक करोड़ का था इनाम, दक्षिण बस्तर में कई सालों से थी सक्रिय

बीजापुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों के बढ़ते दबाव और एंटी नक्सल ऑपरेशन को देखते हुए एक करोड़ की इनामी कुख्यात महिला नक्सली सुजाता ने सरेंडर कर दिया है। सुजाता के सरेंडर से बस्तर संभाग में नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे मुहिम के बीच माओवादियों संगठन को एक और बड़ा झटका लगा है। सुजाता दक्षिण बस्तर में कई सालों से सक्रिय थी और नक्सलियों के दक्षिण सब जोन ब्यूरो इंचार्ज रह चुकी है। सुजाता पर एक करोड़ का इनाम घोषित किया गया था।

मीडिया रिपोर्ट में पुलिस सूत्रों ने बताया कि सुजाता ने तेलंगाना में सरेंडर किया है। उसके सरेंडर से माओवादी संगठन को झटका लगा है। खास बात यह है कि सुजाता कुख्यात नक्सली कमांडर किशनजी की पत्नी है, जो कुछ साल पहले पश्चिम बंगाल में मुठभेड़ में मारा गया था। सरेंडर करने वाली सुजाता खुद सीसी मेंबर है और कई राज्यों में उस पर लाखों का इनाम घोषित कर रखा है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक सुजाता लंबे समय से छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में सक्रिय रहकर बड़े हमलों की साजिश रचने में शामिल रही है। सुजाता के सरेंडर को छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद को खत्म करने के अभियान में बड़ी सफलता माना जा रहा है। छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों द्वारा लगातार एंटी नक्सल ऑपरेशन चलाया जा रहा है। इस बार बारिश में भी ऑपरेशन चलाया जा रहा है और एनकाउंटर में शीर्ष माओवादी मारे जा रहे हैं।

बता दें छत्तीसगढ़ में माओवादी संगठनों को एक के बाद एक झटके लग रहे हैं। दो दिन पहले छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में पुलिस एनकाउंटर में 10 नक्सली मारे गए थे, जिसमें एक करोड़ का इनामी नक्सली सीसी मेंबर मनोज उर्फ बालकृष्ण भी शामिल था। गरियाबंद में मारे गए सभी 10 नक्सलियों पर 2.40 करोड़ रुपए का इनाम घोषित था। वहीं एक दिन पहले बीजापुर जिले में सुरक्षा बलों ने दो नक्सलियों को ढेर कर दिया था। नक्सलियों की पहचान हिड़मा पोड़ियाम और मुन्ना मड़कम के रूप में हुई थी। दोनों पर 8-8 लाख रुपए का इनाम था। मुठभेड़ स्थल से एक 303 रायफल, एक नग 12 बोर बंदूक समेत विस्फोटक सामान बरामद किया गया है।

जन्म प्रमाण पत्र से नहीं बनेगा बच्चों का आधार कार्ड, अब माता-पिता का दस्तावेज हुआ अनिवार्य

पटना (एजेंसी)। हर भारतीय नागरिक की पहचान का अहम दस्तावेज आधार कार्ड बन चुका है। चाहे बैंक खाता खुलवाना हो या स्कूल में बच्चों का दाखिला करवाना हो या फिर सरकारी योजनाओं का लाभ उठाना हो, सब जगह आधार कार्ड की जरूरत पड़ती है। लेकिन अब बच्चों के आधार कार्ड बनवाने की प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया गया है। अब तक बच्चों का आधार कार्ड बनवाने के लिए केवल जन्म प्रमाण पत्र ही पर्याप्त माना जाता था। लेकिन अब भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने नियमों में संशोधन किया है। यूआईडीएआई ने स्पष्ट किया है कि बच्चों का आधार कार्ड बनवाने के लिए केवल जन्म प्रमाण पत्र पर्याप्त नहीं होगा। अब इसके साथ माता-पिता के पहचान और पते से जुड़े दस्तावेज भी अनिवार्य होंगे। यानी बच्चे का आधार उसके माता या पिता के आधार और पहचान पत्र से लिंक होकर ही बनेगा। इस नियम के तहत बच्चे की उम्र, पहचान और पते की पुष्टि के लिए माता-पिता के दस्तावेज जांचे जाएंगे। इससे आधार प्रक्रिया और भी मजबूत और पारदर्शी बनेगी। साथ ही इससे यह सुनिश्चित होगा कि बच्चे की पहचान सही है और उसका रिकॉर्ड सरकारी डाटाबेस में सुरक्षित है।

* माता-पिता के निम्नलिखित दस्तावेज होंगे जरूरी

बच्चे का आधार बनवाने के लिए माता-पिता के निम्नलिखित दस्तावेज जरूरी होंगे। माता या पिता का आधार कार्ड, वोटर आईडी, पासपोर्ट या पैन कार्ड, घर का बिजली बिल, राशन कार्ड, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस आदि। इसके अलावा बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र जिसमें बच्चे का नाम और जन्म तिथि साफ-साफ अंकित हो। इसके साथ ही 5 साल से कम उम्र के बच्चों का आधार ÷ब्लू आधार÷ के नाम से जाना जाता है। इसमें बच्चे की बायोमेट्रिक जानकारी नहीं ली जाती, बल्कि फोटो और माता-पिता से जुड़े दस्तावेजों के आधार पर कार्ड जारी होता है। जैसे ही बच्चा 5 साल का होता है, उसकी बायोमेट्रिक जानकारी (फिंगरप्रिंट और आइरिस स्कैन) अपडेट करानी होती है। यूआईडीएआई के नियमों के अनुसार, बच्चे का आधार 15 साल की उम्र में दोबारा अपडेट कराना अनिवार्य है। इस दौरान बच्चे की पूरी बायोमेट्रिक जानकारी दोबारा ली जाती है ताकि उसके रिकॉर्ड भविष्य में भी सही और प्रमाणिक बने रहें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

सबसे अच्छे दोस्तों में से एक, अमेरिकी विदेश मंत्री ने बताई भारत की अहमियत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और भारत के संबंधों में उतार-चढ़ाव के बीच यूएस के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत अमेरिका के साथ दुनिया के शीर्ष संबंधों वाले देशों में से एक है। उन्होंने कहा कि इस समय दोनों देशों के बीच संबंध असाधारण बदलाव से गुजर रहे हैं। रुबियो ने सीनेट की विदेश संबंध समिति के समक्ष भारत में अमेरिका के नामित राजदूत सर्जियो गोर के नाम की पुष्टि के लिए सुनवाई के दौरान उनका परिचय दिया। रुबियो ने कहा कि वह गोर को काफी लंबे समय से जानते हैं और उन्हें जिस देश के लिए नामित किया गया है ''मैं कहूंगा कि वह आज अमेरिका के दुनिया में शीर्ष संबंधों वाले देशों में से एक है।'' पिछले महीने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि वह राष्ट्रपति कार्यालय के कार्मिक निदेशक गोर को भारत में अगला अमेरिकी राजदूत तथा दक्षिण एवं मध्य एशियाई मामलों के लिए विशेष दूत नियुक्त कर रहे हैं। नियुक्ति की पुष्टि होने पर गोर (38) भारत में सबसे कम उम्र के अमेरिकी राजदूत होंगे। रुबियो ने कहा कि 21वीं सदी में कहानी हिंद-प्रशांत क्षेत्र में लिखी जाएगी। वास्तव में, यह इतना महत्वपूर्ण है कि हमने हिंद-प्रशांत क्षेत्र की कॉम्बेटैंट कमान का नाम बदल दिया है। भारत इसके केंद्र में है। उन्होंने कहा, हम भारत के साथ अपने संबंधों में एक असाधारण बदलाव के दौर से गुज़र रहे हैं। हमारे सामने कुछ बेहद महत्वपूर्ण मुद्दे आ रहे हैं जिन पर हमें उनके साथ मिलकर काम करना होगा। हमें उन पर भी काम करना होगा, जो यूक्रेन में, साथ ही इस क्षेत्र में हो रही घटनाओं को भी प्रभावित करते हैं। रुबियो ने राजदूत पद के लिए गोर के चयन को बिल्कुल उपयुक्त बताते हुए कहा, यह महत्वपूर्ण है कि इस पद पर अमेरिका का प्रतिनिधित्व किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा किया जाए, जिसे अमेरिका के राष्ट्रपति का विश्वास प्राप्त हो, जो उनका करीबी हो।

यूक्रेन ने रूस पर कर दी ड्रोन्स की बौछार, रूसी एयर डिफेंस सिस्टम ने 221 को रातोंरात मार गिराया

कीव/मास्को, एजेंसी। रूस ने 221 यूक्रेनी ड्रोन्स मार गिराए हैं। मॉस्को के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि उनके एयर डिफेंस सिस्टम ने रातोंरात इन ड्रोन्स को नष्ट कर दिया। इनमें से आधे से ज्यादा ड्रोन ब्रायंस्क और स्मोलेंस्क इलाकों में उड़ रहे थे। 28 ड्रोन लेनिनग्राद क्षेत्र में और 9 मॉस्को क्षेत्र में मार गिराए गए। लेनिनग्राद के गवर्नर अलेक्सांद्र ड्रोजदेंको ने बताया कि बाल्टिक सागर के प्रिमोर्स्क बंदरगाह पर एक जहाज में आग लग गई, लेकिन उस पर काबू पा लिया गया और तेल रिसाव का कोई खतरा नहीं है। ये हमले ऐसे समय हुए जब पोलैंड ने रूस पर आरोप लगाया कि उसने इस हफ्ते उनके इलाके में ड्रोन हमला किया। मॉस्को ने इन आरोपों को खारिज किया और कहा कि इसके कोई सबूत नहीं हैं कि ड्रोन रूसी थे। हालांकि, फ्रांस और जर्मनी ने पोलिश हवाई क्षेत्र की सुरक्षा बढ़ाने के लिए कदम उठाए हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने इन आरोपों पर चर्चा के लिए आपात बैठक भी बुलाई। रूस यूक्रेन पर अक्सर ड्रोन हमले करता रहा है, जो उसकी वहां चल रही सैन्य कार्रवाई का हिस्सा है। इस बीच, पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने अपने देश की सेना के लिए आधुनिकीकरण कार्यक्रम को आगे बढ़ाने का संकल्प जताया। यूरोपीय अधिकारियों ने बुधवार को पोलैंड में ड्रोन की घुसपैठ को जानबूझकर उकसाने वाला कदम बताया है। इसने इस आशंका को और गहरा कर दिया है कि पोलैंड के पड़ोसी देशों के बीच तीन साल से जारी युद्ध व्यापक संघर्ष को जन्म दे सकता है।

यूएस में भारतीय मूल के व्यक्ति की हत्या, सिर धड़ से अलग कर दिया; वॉशिंग मशीन के लिए हुआ था झगड़ा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। पुलिस के मुताबिक, 50 वर्षीय भारतीय मूल के चंद्रमौली नागमल्लैया की एक मोटल में बेरहमी से हत्या कर दी गई। आरोपी ने उन्हें पत्नी और बेटे के सामने ही सिर काटकर मौत के घाट उतार दिया। यह वारदात 10 सितंबर को डाउनटाउन सुइट्स मोटल पर हुई। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मौके पर खून से सनी जमीन, क्राइम सीन टेप और शव के पास खड़ा पुलिस बल देखकर लोग सहम गए। पुलिस ने योरडानिस कोबोस-मार्टिनेज को हत्या का आरोपी बताया है। घटना की शुरुआत तब हुई जब नागमल्लैया ने कोबोस-मार्टिनेज और उसकी महिला सहयोगी को कहा कि खराब वॉशिंग मशीन का इस्तेमाल न करें। यह बात महिला सहयोगी ने अनुवाद करके आरोपी तक पहुंचाई। आरोपी को गुस्सा इस बात पर आया कि नागमल्लैया ने सीधे उससे बात करने के बजाय महिला के जरिए संदेश दिया। तभी उसने अपने पास छुपाई मशेटे (तेज धार वाली बड़ी छुरी) निकाली और हमला बोल दिया। नागमल्लैया भागकर मोटल की पार्किंग में पहुंचे और मदद के लिए चिल्लाने लगे।

डिजाइनर हैंडबैग, शानो-शौकत भरी जिंदगी; नेपाल के नेपो किड जिनको देख भड़के युवा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल पिछले एक सप्ताह से भीषण विरोध प्रदर्शनों की चपेट में है। सरकारी अक्षमता और भ्रष्टाचार के खिलाफ शुरू हुआ यह आंदोलन अब राष्ट्रव्यापी विद्रोह का रूप ले चुका है। युवा पीढ़ी, खासकर जनरेशन ज़ी, इस आंदोलन की अगुवाई कर रही है। प्रदर्शनकारियों के दबाव और हिंसा के बढ़ते हालात के बीच प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली सहित मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया है। पुलिस कार्रवाई में कम से कम 31 लोगों की मौत हो चुकी है और 1,000 से अधिक घायल हुए हैं। प्रदर्शनकारियों ने सरकारी भवनों, नेताओं के निजी घरों और यहां तक कि पर्यटन केंद्रों के होटलों को आग के हवाले कर दिया। नेपाल की संसद भी लपटों में घिर गई। हालात इतने बिगड़ गए हैं कि सेना को सड़कों पर उतरकर कर्फ्यू लागू करना पड़ा और प्रदर्शनकारियों से बातचीत की कोशिश करनी पड़ रही है। इस गुस्से के पीछे लोगों की नेताओं के बच्चों की आलीशान जिंदगी भी एक वजह है।

नेपो किड्स बने गुस्से का कारण : इस उथल-पुथल के केंद्र में पीढ़ीगत असंतोष है, जहां साधारण नेपाली बेरोजगारी, बढ़ती महंगाई और गहरी गरीबी से जूझ रहे हैं, वहीं राजनीतिक नेताओं के बच्चे (नेपो किड्स) सोशल मीडिया पर लग्जरी कारें, डिजाइनर बैग और विदेशी छुट्टियां दिखाकर अपनी ऐशोआराम की जिंदगी

का प्रदर्शन कर रहे हैं। टिकटॉक, इंस्टाग्राम, रेडिट और एक्स पर राजनेताओं के बच्चों की शानदार लाइफस्टाइल को उजागर करने वाले पोस्ट और वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं। वीडियो और पोस्ट्स में नेताओं के बच्चों की शानो-शौकत की तुलना आम जनता की बाढ़, बिजली कटौती और महंगे खाने जैसी परेशानियों से की गई।

ये नेपो किड आए निशाने पर : शृंखला खतिवाड़ा- पूर्व मिस नेपाल और पूर्व स्वास्थ्य मंत्री बिरोध खतिवाड़ा की बेटी शृंखला खतिवाड़ा लक्जरी लाइफस्टाइल के कारण निशाने पर आईं। उनका घर प्रदर्शनकारियों ने जला दिया। अब उनके इंस्टाग्राम पर से एक लाख से ज्यादा फॉलोअर्स घट गए। शिवाना श्रेष्ठा- शिवानी एक सिंगर और पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा की बहू हैं। वे भी निशाने पर रहीं। उनके वीडियो में लग्जरी मकानों और महंगे कपड़ों का प्रदर्शन दिखाया गया। वह और उनके पति जयवीर सिंह देउबा को ऑनलाइन निशाना बनाया गया, जहां उन्हें करोड़ों की संपत्ति वाले राजनीतिक परिवारों का उदाहरण बताया गया। रेडिट पर उन्हें नेपो बेबी ऑफ फॉरेन अफेयर्स कहा गया। स्मिता दाहाल- स्मिता पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड की पोती हैं। उन्हें लाखों रुपये के महंगे हैंडबैग्स के कारण आलोचना का शिकार होना पड़ा क्योंकि आम नेपाली नौकरियों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। प्रचंडा का घर भी प्रदर्शनकारियों द्वारा निशाना बनाया गया। सौगत थापा- सौगत कानून मंत्री बिंदु कुमार थापा के बेटे हैं। उनकी ऐशो-आराम की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से वायरल हुईं। उनके फोटो प्रदर्शनों के दौरान खूब प्रसारित हुए। एक वायरल तस्वीर में उन्होंने लुई विटॉन, कार्टियर और गुच्ची के बॉक्स से क्रिसमस ट्री बनाया था, जो आक्रोश का कारण बना। वह आंसुवारा ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर हैं, जो उनके पिता द्वारा स्थापित है।

इंस्टाग्राम हैंडल डिएक्टिवेट : इनमें से अधिकतर ने अपने सोशल मीडिया हैंडल को डिएक्टिवेट कर लिया है। वहीं काठमांडू और उसके बाहर, प्रदर्शनकारियों ने इन परिवारों के घरों को आग लगा दी। उन्होंने कहा कि सामान्य जनता गरीबी में मर रही है, जबकि ये नेपो किड्स लाखों के कपड़े पहनते हैं। नेपाल लंबे समय से एशिया के सबसे भ्रष्ट देशों में गिना जाता है। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की रिपोर्टों में लगातार भ्रष्टाचार की उच्च स्तर पर पुष्टि हुई है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, पोखरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण में कम से कम 71 मिलियन डॉलर की हेराफेरी हुई थी। एक अन्य मामले में, भूटान से विस्थापित शरणार्थियों के कोटे को बेचने में नेताओं की संलिप्तता पाई गई थी। लेकिन ऐसे मामलों में सजा बेहद दुर्लभ है। यही धारणा जनता में बनी कि नेताओं को जवाबदेही से बचाया जाता है। लगातार हिंसा और दबाव के बीच 73 वर्षीय प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने अपने चौथे कार्यकाल के दौरान ही इस्तीफा दे दिया। अन्य वरिष्ठ मंत्रियों ने भी पद छोड़ दिए।

मोदी और ट्रंप की लड़ाई कराने की कोशिश में थे नवारो; टैरिफ तनाव पर पूर्व अमेरिकी एनएसए का दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल में एनएसए का पद संभालने वाले जॉन बोल्टन ने दावा किया है कि पीटर नवारो ने राष्ट्रपति ट्रंप और पीएम मोदी के बीच में लड़ाई करवाने की कोशिश की थी। वर्तमान में ट्रंप के व्यापारिक सलाहकार पीटर नवारो लगातार भारत के खिलाफ जहर उगलते नजर आते हैं। बोल्टन ने पीटर की बयान बाजी को नजर अंदाज करने की सलाह देते हुए कहा कि भारत को सोशल मीडिया की धमकियों और शोरगुल से दूर रहकर कड़ी मेहतन करते हुए व्यापारिक वार्ता के जरिए यह देख सकता है कि दोनों देश किस समझौते पर पहुंच सकते हैं।

एनडीटीवी को दिए इंटरव्यू में पूर्व अमेरिकी एनएसए ने वाइट हाउस के वर्तमान ट्रेड एडवायजर पीटर नवारो को जमकर लताड़ लगाई। उन्होंने कहा, पीटर को अगर एक कमरे में बंद कर दिया जाए और एक घंटे बाद देखा जाए, तो वह अपने आप से ही बहस कर रहे होंगे। पीएम मोदी और ट्रंप के बीच हुई एक बैठक को लेकर बात करते हुए बोल्टन ने कहा कि नवारो भी वहां पर मौजूद थे। उस समय पर भी वह व्यापारिक मुद्दों को लेकर दोनों नेताओं के बीच में बहस करवाना चाहते थे। बोल्टन से जब इस मीटिंग के बारे में और पूछा गया, तो उन्होंने

कहा, पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप वहां के साथ वहां पर मैं और नवारो भी मौजूद थे। मैं चाहता था कि असली मुद्दों जैसे की चीन, वैश्विक रूप से बड़े खतरों और नीति पर चर्चा हो....लेकिन नवारो व्यापारिक नीतियों पर ही बात करना और करवाना चाहते थे, जो कि उन्हें लगता था कि निष्पक्ष नहीं थी। बोल्टन ने कहा,देखो, मैंने हमेशा ही ऐसा देखा है कि व्यापारी नीतियों को लेकर शिकायत करते ही हैं, क्योंकि यह काम ही ऐसा है। अमेरिका और भारत के बीच में व्यापार बिना किसी संदेह के बहुत महत्वपूर्ण हैं। मैं व्यापार को कम करके नहीं आंक रहा हूं। यह दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं में बहुत बड़ा अंतर लाता है, लेकिन इस सदी की बाकी समस्याएं जो कि अमेरिका और भारत के अस्तित्व से जुड़ीं है वह भी बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न हैं। अमेरिका के पूर्व एनएसए ने कहा, दोनों देशों को और उनके लोगों को यह समझना होगा।

भारत को रूसी तेल खरीद बंद करनी होगी... टैरिफ तनाव पर बोले अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर

वाशिंगटन, एजेंसी। भारत और अमेरिका के बीच संबंध रूसी तेल खरीद पर अटके हुए हैं। ट्रंप प्रशासन की तरफ से भारत के राजदूत के तौर पर नियुक्त किए गए सर्जियो गोर ने सीनेट के सामने अपने बाकी अमेरिकी साथियों की तरह एक बार फिर से इस बात को दोहराया कि भारत को रूसी तेल खरीद बंद करनी होगी। हालांकि सर्जियो गोर ने दोनों देशों के बीच चल रहे टैरिफ तनाव को बस कुछ हफ्तों का बताया। उन्होंने गुरुवार को यह भरोसा जताया कि आने वाले कुछ हफ्तों में ही यह तनाव सुलझ जाएगा। इतना ही नहीं गोर ने इस बात पर भी जोर दिया कि दोनों देशों के बीच में बहुत थोड़ी सी बातों को लेकर मतभेद हैं, जिन्हें जल्दी ही सही कर लिया जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी माने जाने वाले गोर ने सीनेट के सामने अपना संबोधन देते हुए भारत को अमेरिका रणनीतिक साझेदार बताया। उन्होंने कहा, भारत एक रणनीतिक साझेदार है, जिसका भविष्य उस क्षेत्र और उससे आगे के भविष्य को आकार देगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में, मैं इस साझेदारी में अमेरिका के हितों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हूं। सीनेट के सामने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए गोर ने कहा, भारत की भौगोलिक स्थिति, आर्थिक विकास और सैन्य क्षमता इसे क्षेत्र की आधार शिला और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण बनाती हैं। इस वजह से यह दोनों देशों के साझा सुरक्षा हितों को आगे बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन जाता है। गोर ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप की दोस्ती का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि टैरिफ तनाव के बावजूद दोनों नेताओं के बीच में अविश्वसनीय संबंध हैं। गोर ने कहा, अगर आपने गौर किया होगा तो जब राष्ट्रपति ट्रंप दूसरे देशों के ऊपर हमला (वाक् युद्ध) करते हैं, तो वह उस समय उनके नेताओं पर भी हमला बोलते हैं। लेकिन जब राष्ट्रपति भारत की आलोचना करते हैं तो वह प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करने के लिए अपनी सीमा से आगे निकल जाते हैं। उन दोनों के बीच में एक अविश्वनीय संबंध है। आपको बता दें सर्जियो गोर को ट्रंप प्रशासन की तरफ से भारत के राजदूत के रूप में नियुक्त कर दिया गया है।

रूस से भिड़ने की तैयारी में यूरोप? फ्रांस ने पोलैंड में तैनात किए राफेल; नाटो का अनुच्छेद 4 लागू

वारसॉ, एजेंसी। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गुरुवार को पोलैंड में तीन राफेल लड़ाकू विमानों की तैनाती की घोषणा की। यह तैनाती रूसी ड्रोनों की घुसपैठ के जवाब में नाटो के पूर्वी मोर्चे को मजबूत करने और यूरोपीय सुरक्षा की रक्षा करने के उद्देश्य से की गई है। मैक्रों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर एक पोस्ट में कहा, रूसी ड्रोनों द्वारा पोलैंड के हवाई क्षेत्र में घुसपैठ के बाद, मैंने हमारे सहयोगियों के साथ मिलकर पोलिश हवाई क्षेत्र और नाटो के पूर्वी मोर्चे की सुरक्षा में योगदान देने के लिए तीन राफेल लड़ाकू विमानों को तैनात करने का फैसला किया है। फ्रांसीसी नेता ने बताया कि उन्होंने बुधवार को इस फैसले के बारे में पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क से सीधे बात की थी। उन्होंने नाटो महासचिव जेन्स स्टोल्टेनबर्ग और ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के

साथ भी इस मुद्दे पर चर्चा की। मैक्रों ने कहा कि ये देश भी पूर्वी मोर्चे की रक्षा में समान रूप से सक्रिय हैं। मैक्रों ने जोर देकर कहा कि रूस के बढ़ते खतरे के खिलाफ यूरोप की रक्षा फ्रांस और नाटो की रणनीति का केंद्र बिंदु है। उन्होंने कहा, यूरोपीय महाद्वीप की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हम रूस की बढ़ती धमकियों के सामने नहीं झुकेंगे।

अनुच्छेद 4 को लागू किया : यह घोषणा तब आई जब पोलैंड की सेना ने कहा कि उसने इस सप्ताह की शुरुआत में रूसी ड्रोनों को मार गिराया, जो पोलैंड के हवाई क्षेत्र में घुस आए थे। इसके बाद, पोलैंड ने नाटो के अनुच्छेद 4 को लागू किया, जिसमें सहयोगी देशों के बीच खतरे पर विचार-विमर्श के लिए परामर्श की मांग की गई है। 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद फ्रांस ने पहली बार इतने बड़े स्तर पर नाटो वायु रक्षा के लिए पूर्वी यूरोप में विमान तैनात किए हैं। पोलैंड के उपप्रधानमंत्री राडोस्लाव सिकोरस्की ने कहा कि इस घटना का पैमाना यह दर्शाता है कि यह रूस द्वारा जानबूझकर किया गया कार्य था। सीएनएन के अनुसार, उन्होंने कहा कि पोलैंड के हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने वाले ड्रोनों की संख्या इसे एक सुनियोजित कृत्य बनाती है। पोलैंड के आंतरिक मंत्री ने बाद में कहा कि देश भर में 16 ड्रोन देखे गए थे, जिनके मलबे बड़े क्षेत्र में बिखरे हुए थे। पोलैंड युद्ध की स्थिति में नहीं है, लेकिन..पोलिश संसद को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने चेतावनी दी कि भले ही पोलैंड युद्ध की स्थिति में नहीं है, लेकिन यह स्थिति द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से किसी भी समय से अधिक खतरनाक है। उन्होंने कहा, यह कहने का कोई कारण नहीं था कि पोलैंड युद्ध की स्थिति में है, लेकिन यह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से किसी भी समय से अधिक संघर्ष के करीब है। टस्क ने कहा कि पोलैंड एक ऐसे दुश्मन का सामना कर रहा है जो अपनी शत्रुतापूर्ण मंशा को छिपाता नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि पोलैंड ने नाटो संधि के अनुच्छेद 4 को लागू किया है, जो गठबंधन को सदस्य देशों की सुरक्षा के लिए खतरे पर चर्चा करने और परामर्श करने की अनुमति देता है।

सेना के साथ मिलकर राजा को वापस लाने की साजिश? नेपाल के जेन-ज़ी आंदोलन पर उठने लगे सवाल

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के एक प्रमुख नागरिक समाज संगठन, बृहत नागरिक आंदोलन (बीएनए) ने गुरुवार को एक बयान जारी कर आरोप लगाया कि देश में सेना की मध्यस्थता के तहत राजतंत्र की बहाली हो सकती है। उन्होंने धर्मनिरपेक्षता, संघवाद, और समावेशी व्यवस्था को खत्म करने की गंभीर साजिश की आशंका जताई है। यह आरोप ऐसे समय में सामने आया है जब पूर्व प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली के इस्तीफे के बाद अंतरिम सरकार को लेकर गहन राजनीतिक बातचीत जारी है। बीएनए में समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधि शामिल हैं। उन्होंने अपने बयान में कहा कि नेपाल सेना का हाल के दिनों में राष्ट्रीय मामलों में बढ़ता हस्तक्षेप चिंताजनक है। उल्लेखनीय है कि मंगलवार से देशव्यापी सुरक्षा अभियानों की कमान सेना ने अपने हाथों में ले ली है।

'साजिश रची जा रही है' : संगठन ने आरोप लगाया कि, जन-ज़ी आंदोलन के शहीदों की लाशों के ऊपर एक गंभीर प्रतिक्रियावादी साजिश रची जा रही है- जो सेना की मध्यस्थता में राजतंत्र बहाल करने और धर्मनिरपेक्षता, संघीयता तथा अनुपातिक समावेशी प्रणाली को समाप्त करने की दिशा में बढ़ रही है। माई रिपब्लिका पोर्टल के अनुसार, बीएनए ने कहा कि इस तरह की कोशिशें पूरी तरह अस्वीकार्य हैं। बयान में कहा गया, हमारे आंदोलन का उद्देश्य कभी भी गणतंत्र और धर्मनिरपेक्ष व्यवस्था को पलटना नहीं था और न ही सेना की असंवैधानिक सक्रियता को बढ़ावा देना। जरूरत इस बात की है कि राष्ट्रपति, संवैधानिक संरक्षक की भूमिका में, जेन-जेड क्रांति को सफलता की ओर ले जाने का मार्ग प्रशस्त करें। बीएनए ने यह भी स्पष्ट किया कि बनने वाली किसी भी नई नागरिक सरकार को संविधान की जड़ों में दृढ़ रहना होगा, भ्रष्टाचार और अव्यवस्था का प्रतिरोध करना होगा तथा उसमें किसी भी प्रकार के प्रतिक्रियावादियों के लिए जगह नहीं होनी चाहिए। नेपाल ने 2008 में राजतंत्र को समाप्त कर गणतंत्र की स्थापना की थी। हालांकि, इस वर्ष आर्थिक संकट और राजनीतिक अस्थिरता के बीच कई बार राजतंत्र समर्थक प्रदर्शन भी देखे गए। प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली ने मंगलवार को उस समय इस्तीफा दे दिया जब सैकड़ों प्रदर्शनकारी उनके कार्यालय में घुस गए और उनसे पद छोड़ने की मांग की। यह प्रदर्शन सोमवार को भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया प्रतिबंध के खिलाफ भड़के थे। पुलिस कार्रवाई में कम से कम 50 लोगों की मौत हुई थी। सोशल मीडिया पर प्रतिबंध सोमवार रात हटा लिया गया। अपने भविष्य को लेकर चिंतित नेपाल जहां नई शुरुआत की प्रतीक्षा कर रहा है, वहीं बांग्लादेश और श्रीलंका में सरकारों को हिंसक तरीके से उखाड़ फेंकने की घटनाओं से इसकी समानताएं सामने आई हैं। इसके बाद पर्यवेक्षक इस अराजकता के पीछे किसी बड़ी साजिश की आशंका पर विचार कर रहे हैं।

भारत को चीन से दूर रखना चाहते हैं ट्रंप, क्वाड को मजबूत करने के लिए जल्द आएंगे भारत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ वार के कारण भारत के साथ खराब हुए रिश्तों को पटरी पर लाने की कोशिश की जा रही है। दोनों ही देशों के नेतृत्व ने इसकी पहल की है। इस सबके बीच भारत के लिए नॉमिनेट किए गए नए राजदूत सर्जियो गोर ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप जल्द ही भारत का दौरा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि क्वाड देशों की बैठक में शामिल होने के लिए ट्रंप भारत आएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि फिलहाल तारीख तय नहीं हुई है। गोर ने कहा, क्वाड बैठक को लेकर बातचीत हो चुकी है। बिना सटीक तारीख बताए मैं कह सकता हूं कि राष्ट्रपति ट्रंप क्वाड की निरंतरता और उसके सशक्तिकरण के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। पिछले साल यह रिपोर्ट आई थी कि क्वाड में शामिल भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया इस साल भारत में शिखर सम्मेलन आयोजित करने पर विचार कर रहे थे। 2024 का क्वाड शिखर सम्मेलन भारत में होने वाला था, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के विदेश यात्रा में असमर्थ रहने और चुनावी व्यस्तताओं के चलते इसे अमेरिका शिफ्ट किया गया था। इस साल की बैठक पिछले साल सितंबर में राष्ट्रपति बाइडेन द्वारा आयोजित बैठक से अलग होगी, क्योंकि अमेरिका और जापान में नए नेतृत्व हैं। सर्जियो गोर ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप इस साल जापान की यात्रा कर चुके हैं और वहां के प्रधानमंत्री से मुलाकात की है। उन्होंने कहा, वे भी क्वाड का हिस्सा हैं और उन्होंने भी इस रिश्ते की अहमियत पर जोर दिया है, जिस पर हमें आगे काम करना है।

भारत को चीन से दूर रखना चाहते हैं ट्रंप : गोर ने बताया कि हाल ही में अलास्का में दोनों देशों के 500 सैनिकों के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास आयोजित किया गया। उन्होंने कहा, टैरिफ पर कुछ मतभेद जरूर रहे हैं, लेकिन भारत-अमेरिका संबंध कहीं ज्यादा गहरे और लंबे समय के भरोसे पर टिके हैं। गोर ने यह भी संकेत दिया कि अमेरिका भारत के साथ अपने रिश्तों को इतना मजबूत करना चाहता है कि भारत चीन से दूरी बनाए। उनके अनुसार, भारत का रिश्ता अमेरिका के साथ कहीं ज्यादा गर्मजोशी भरा है, न कि बीजिंग के साथ।

न रिश्वत, न पक्षपात; भ्रष्टाचार से निपटने को इस देश ने एआई बॉट को नियुक्त किया मंत्री

प्रीस्टीनिया , एजेंसी। दक्षिण-पूर्वी यूरोपीय देश अल्बानिया ने भ्रष्टाचार से निपटने के लिए अनूठा कदम उठाया है और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बॉट को मंत्री नियुक्त किया है। अल्बानिया के प्रधानमंत्री एडी रामा, जो अपना चौथा कार्यकाल शुरू करने जा रहे हैं, ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने नई सरकार में एक नए मंत्री को नियुक्त किया है, जो सार्वजनिक खरीद विभाग का कार्यभार संभालेगा। प्रधानमंत्री रामा ने बताया कि नया मंत्री एक एआई बॉट होगा, जिसे डिएला नाम दिया गया है। डिएला पर धमकियों और रिश्वत का असर नहीं पड़ेगा और न ही वह पक्षपात कर सकेगा। इससे भ्रष्टाचार पर लगाम लग सकेगा।

अल्बानियाई प्रधानमंत्री ने कहा कि डिएला, जिसका अर्थ सूर्य होता है, उन सभी सार्वजनिक निविदाओं का प्रबंधन और आवंटन करेगा, जिनमें सरकार विभिन्न

परियोजनाओं के लिए निजी कंपनियों के साथ अनुबंध करती है। रामा ने अपने नए मंत्रिमंडल के सदस्यों की घोषणा करते हुए कहा, डिएला पहले कैबिनेट सदस्य हैं जो शारीरिक रूप से मौजूद नहीं होंगे क्योंकि वह एआई निर्मित बॉट हैं। वह अल्बानिया को एक ऐसा देश बनाने में मदद करेंगे, जहाँ सार्वजनिक निविदाएँ 100 प्रतिशत भ्रष्टाचार मुक्त हों।

अल्बानिया में भ्रष्टाचार का बोलबाला : अल्बानिया में लंबे समय से निविदाओं के आवंटन में भारी भ्रष्टाचार का बोलबाला रहा है। इस बाल्कन देश के बारे में विशेषज्ञों का कहना है कि यह दुनिया भर में ड्रग्स और हथियारों की तस्करी से कमाई गई ब्लैक मनी को व्हाइट करने की कोशिश करने वाले गिरोहों का बड़ा केंद्र है, और जहाँ भ्रष्टाचार सत्ता के गलियारों तक पहुँच गया है। अल्बानिया की इस छवि ने उसके यूरोपीय संघ में एंट्री को मुश्किल कर दिया है।

2030 तक भ्रष्टाचार मुक्त होने का लक्ष्य : यही कारण है कि अल्बानियाई प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचार पर नकेल कसने के लिए एआई बॉट का सहारा लेने का फैसला किया है। वह चाहते हैं कि 2030 तक उनका देश भ्रष्टाचार मुक्त हो जाए। हालांकि, राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार यह लक्ष्य महत्वाकांक्षी है। दूसरी तरफ, सरकार ने इस बारे में कोई विवरण नहीं दिया है कि डिएला पर किस तरह की मानवीय निगरानी हो सकती है, या उस जोखिम का भी कोई ज़िक्र नहीं किया गया है कि कोई कृत्रिम बुद्धिमत्ता वाले बॉट में हेरफेर कर सकता है या नहीं। नया मंत्री कैसे करेगा काम डिएला को मूल रूप से इस साल की शुरुआत में ई-अल्बानिया प्लेटफ़ॉर्म पर एक एआई-संचालित आभासी सहायक के रूप में लॉन्च किया गया था, जो नागरिकों और व्यवसायों को सरकारी दस्तावेज़ प्राप्त करने में मदद करता है। पारंपरिक अल्बानियाई पोशाक पहने, वह आवाज़ के ज़रिए सहायता प्रदान करता है और इलेक्ट्रॉनिक स्टाम्प के साथ दस्तावेज़ जारी करता है, जिससे नौकरशाही में होने वाली देरी कम होती है।

हालांकि, सरकार की नई मुहिम पर लोगों ने अभी से ही सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं। एक फ़ेसबुक उपयोगकर्ता ने कहा- अल्बानिया में डिएला व्यवस्था भी भ्रष्ट हो जाएगी। एक अन्य ने कहा- चोरी जारी रहेगी और डिएला को दोषी ठहराया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

19 साल से फरार लूट व मर्डर के आरोपी की कर्नाटक से गिरफ्तारी

नाम बदलकर उडुपी में रह रहा था,सूरत SOG ने दक्षिण भारत के व्यापारी का भेष धरकर दबोचा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने सूरत के मोस्ट वांटेड टॉप-16 आरोपियों में से एक, पिछले 19 साल से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह आरोपी नरेश केसरीमलजी रावल, उमरा पुलिस स्टेशन में दर्ज जानलेवा हत्या के साथ लूट के गंभीर मामले में फरार था। उस पर 45 हजार रुपए का इनाम घोषित था। पुलिस से बचने के लिए वह अपना नाम बदलकर कर्नाटक के उडुपी में रह रहा था। SOG ने दक्षिण भारत के व्यापारी का वेश धरकर उसे गिरफ्तार किया।

साल 2007 में उमरा क्षेत्र में शिकायतकर्ता के घर लूट और हत्या की घटना हुई थी। शिकायतकर्ता के बेटे विदेश में रहते थे और आरोपी नरेश रावल उनके यहां ड्राइवर की नौकरी करता था। इस परिस्थिति का फायदा उठाकर उसने अपने साथियों के साथ मिलकर घर में लूट की योजना बनाई। उसने अपने साथी रवि पांडे को भी वहां नौकरी पर लगवाया और विजय गुप्ता व संतोष गुप्ता को लूट की जानकारी दी।

घटना के दिन आरोपियों ने शिकायतकर्ता और उनकी पत्नी को बंधक बना लिया और लूट का विरोध करने वाले चौकीदार की हत्या कर दी। इसके बाद, वे घर से सोने के गहने और विदेशी करेंसी समेत कुल दो लाख रुपए से अधिक की संपत्ति लूटकर फरार हो गए।

घटना के बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए विजय गुप्ता और संतोष गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया था। हालांकि, मुख्य आरोपी नरेश रावल और उसका साथी रवि पांडे पुलिस की पकड़ से बाहर रहे। नरेश रावल पुलिस से बचने के लिए मुंबई, चेन्नई, बेलगाम और उत्तर कन्नड़ जैसे विभिन्न स्थानों पर भागता रहा। वह अपना नाम और पहचान बदलकर रहता था।

सूरत SOG को खबर मिली कि आरोपी नरेश रावल कर्नाटक के उडुपी में रह रहा है। SOG की टीम ने दक्षिण भारत के व्यापारी का भेष धरकर वहां पहुंचकर स्थानीय परिस्थितियों का अध्ययन किया। आरोपी उडुपी में अपना नाम निर्मल केसरीमलजी कोरावर रखकर मजदूरी करता था।

वह वहां मार्बल का काम और ड्राइवर की नौकरी कर गुजारा करता था। उसने वहां कोरावर समाज की लड़की से शादी भी कर ली थी, जिससे उसकी पहचान छुपाना आसान हो गया था। गुप्त जानकारी और जांच के आधार पर SOG ने आखिरकार आरोपी नरेश रावल को उडुपी से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी नरेश रावल के खिलाफ वर्ष 2005 में भी उमरा पुलिस स्टेशन में घरफोड़ चोरी के दो मामले दर्ज हैं।

SEZ यूनिटों ने घरेलू व्यापार की मंजूरी मांगी

ट्रंप के टैरिफ से जेम एंड ज्वेलरी के ऑर्डर घटे 7000 से ज्यादा वर्कर्रों पर असर

दुबई, ऑस्ट्रेलिया, UK के साथ उद्योग की नई रणनीति

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अमेरिका द्वारा भारतीय जेम्स एंड ज्वेलरी पर टैरिफ 6% से बढ़ाकर 56% कर देने से सूरत का हीरा उद्योग गहरे संकट में फंस गया है। इस ऊंचे टैरिफ के कारण निर्यात लगभग ठप हो गया है, जिसका असर 7,000 से अधिक कामगारों की नौकरी पर पड़ा है। हालांकि अगस्त में टैरिफ लागू होने से पहले ऑर्डर बढ़ गए थे, लेकिन अब आगे बड़े पैमाने पर निर्यात घटने की आशंका है। इस स्थिति से निपटने के लिए जेम्स एंड ज्वेलरी उद्योग ने सरकार से अपील की है कि अमेरिका पर निर्भरता घटाकर दुबई, ऑस्ट्रेलिया और यूके जैसे देशों के साथ व्यापार बढ़ाया जाए। साथ ही, SEZ यूनिटों ने घरेलू व्यापार की मंजूरी भी मांगी है।

इस टैरिफ का सबसे गहरा असर स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन (SEZ) में काम कर रही यूनिटों पर पड़ा है। सूरत के स्वर्ध में करीब 80 डायमंड-ज्वेलरी यूनिटें हैं, जिनमें से 60 छोटे यूनिट हैं। इन छोटे यूनिटों की स्थिति ज्यादा खराब हो गई है। अमेरिकी खरीदारों ने ऊंचे टैरिफ के कारण फिलहाल डायमंड ज्वेलरी के ऑर्डर होल्ड पर रख दिए हैं। कुछ मामलों में ऑर्डर कैंसिल भी कर दिए गए हैं। इससे SEZ यूनिटों में उत्पादन और निर्यात धीमा पड़ गया है, जिसके चलते कर्मचारियों में छंटनी का डर बढ़ गया है।

नियमों के अनुसार, SEZ यूनिटों को केवल निर्यात की अनुमति होती है, वे घरेलू बाजार में कारोबार नहीं कर सकते। लेकिन निर्यात में तेज गिरावट को देखते हुए SEZ अधिकारियों ने एक महत्वपूर्ण सुझाव दिया है। उन्होंने कॉमर्स मिनिस्ट्री को पत्र लिखकर मांग की है कि SEZ यूनिटों को जेम्स एंड ज्वेलरी का जॉबवर्क करने की इजाज़त दी जाए। अगर यह मंजूरी मिलती है तो स्थानीय बाजार में कारोबार कर उद्योग को थोड़ी राहत मिल सकती है और कारीगरों की नौकरियां बच सकती हैं। यह प्रस्ताव उद्योग के लिए उम्मीद की किरण है, क्योंकि अगर निर्यात पूरी तरह बंद हो गया तो यह विकल्प ही उद्योग को बचा सकता है।

इस टैरिफ के लागू होने से पहले, अगस्त में जेम्स एंड ज्वेलरी के निर्यात में असामान्य वृद्धि दर्ज की गई थी। इसका कारण यह था कि अमेरिकी खरीदारों ने टैरिफ लागू होने से पहले ज़्यादा से ज़्यादा माल खरीद लिया था। यह बढ़ोतरी अस्थायी थी, लेकिन अब अगस्त के बाद निर्यात में भारी गिरावट की आशंका है। अगर यह आशंका सच हुई तो उद्योग में बड़ा संकट खड़ा होगा

सूरत के अलथाण क्षेत्र में स्थानीय लोगों के विरोध के कारण वर्किंग वुमन हॉस्टल की जगह बदली

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत पालिका द्वारा अलथाण क्षेत्र में वर्किंग वुमन हॉस्टल बनाने की घोषणा की गई थी और टेंडर भी जारी किए गए थे। इन टेंडरों के आधार पर काम शुरू होने से पहले ही स्थानीय लोगों ने आपत्ति जताई थी कि अगर यहां वर्किंग वुमन हॉस्टल बनता है तो ट्रैफिक की समस्या होगी और उस जगह पर शांति कुंज बनाया जाए। स्थिति का निरीक्षण करने के बाद स्थायी समिति ने अलथाण की बजाय श्याम मंदिर के पास, मेट्रो और बीआरटीएस स्टेशन के निकट हॉस्टल बनाने की घोषणा की है।

सूरत के बाहर से नौकरी के लिए आने वाली महिलाओं के लिए पालिका द्वारा वर्किंग वुमन हॉस्टल बनाने की प्रक्रिया शुरू की गई है। वर्तमान में अडाजन क्षेत्र में एक वर्किंग वुमन हॉस्टल संचालित हो रहा है। इसके बाद पालिका ने अडाजन और अलथाण में दो नए हॉस्टल बनाने की घोषणा कर टेंडर जारी किए थे। अडाजन में जहां वर्तमान में हॉस्टल है, उसके पास ही पालिका का एक प्लॉट है जिसमें दूसरा हॉस्टल बनाया जाएगा। वहीं अलथाण स्थित टीपी स्कीम नंबर 36 में चार रिहायशी सोसाइटियों के बीच पालिका का आरक्षित प्लॉट है, जहां हॉस्टल बनाने की योजना बनाई गई थी और टेंडर भी मंजूर हो गए थे।

इसी दौरान चारों सोसाइटियों के लोगों ने पालिका को आवेदन देकर कहा था कि यह हॉस्टल चार सोसाइटियों के बीच छोटे रास्ते पर प्रस्तावित है, जिससे भविष्य में ट्रैफिक की समस्या होगी। साथ ही इस प्लॉट पर बुजुर्गों के लिए शांति कुंज बनाने की भी मांग की गई थी। पालिका ने स्थल की स्थिति का अध्ययन कर स्थान बदलने का निर्णय लिया। स्थायी अध्यक्ष राजन पटेल ने बताया कि लोगों की रजुआत के बाद यह हॉस्टल टीपी स्कीम नंबर 37, फाइनल प्लॉट नंबर 11, मेज़ गार्डन के पास बनाने का निर्णय किया गया है। यह हॉस्टल श्याम मंदिर के पास बनेगा और यहां से मेट्रो व बीआरटीएस स्टेशन दोनों नजदीक हैं। साथ ही अस्पताल का भी प्रस्ताव है, इसलिए हॉस्टल के लिए यह जगह अधिक उपयुक्त है। इसलिए अब यहां हॉस्टल बनाने का निर्णय लिया गया है।

सूरत पालिका के कर्मचारियों को दिवाली से पहले ही तोहफ़ा

25 कर्मचारियों को स्थायी नौकरी और 279 कर्मचारियों को उच्चतर वेतनमान मिलेगा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत महानगरपालिका के 300 से अधिक कर्मचारियों को म्युनिसिपल कमिश्नर ने दिवाली से पहले ही तोहफ़ा दे दिया है। म्युनिसिपल कमिश्नर द्वारा जारी आदेश में लंबे समय से कार्यरत 25 कर्मचारियों को स्थायी नियुक्ति दी गई है, जबकि 279 कर्मचारियों को उच्चतर वेतनमान का लाभ प्रदान किया गया है।

300 कर्मचारियों के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। कमिश्नर ने मंजूरी दी है, जिसमें विभिन्न कैडर में कार्यरत 279 कर्मचारियों को उनकी सेवा अवधि को ध्यान में रखते हुए उच्चतर वेतनमान घोषित किया गया है। इसके अलावा 25 कर्मचारियों को नौकरी में स्थायी नियुक्ति दी गई है।

मंजूरी में वर्ग-2 के अंतर्गत एक क्यूरेटर और वर्ग-3 के अंतर्गत तीन लेडी स्विमिंग इंस्ट्रक्टर तथा वर्ग-4 के अंतर्गत आने वाले 21 मुकादम को स्थायी नौकरी दी गई है। वहीं वर्ग-3 के टेक्निकल असिस्टेंट, जू-गाइड, हॉर्टीकल्चर असिस्टेंट सहित 73 कर्मचारियों को उच्चतर वेतनमान में शामिल

ताप्ती नदी पर बने चौक-अडाजन को जोड़ने वाले पुल पर गड्ढों से निकलती सरिए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत महानगरपालिका क्षेत्र में डामर और सीमेंट की सड़कों के बाद अब पुलों पर भी गड्ढे दिखाई देने लगे हैं। पालिका के ब्रिज सेल की कमजोर कार्यप्रणाली के कारण जहांगीरपुरा-डभोली को जोड़ने वाले मार्ग पर भी जगह-जगह उखड़ाव देखा जा रहा है, वहीं अब ताप्ती नदी पर बने चौक-अडाजन को जोड़ने वाले पुल पर गड्ढों से बाहर निकलती सरिए हादसों को न्यौता दे रही हैं। कुछ समय पहले ही यह पुल बनाया गया था, लेकिन इसमें गड्ढे पड़ने से कामकाज की गुणवत्ता पर कई सवाल खड़े हो गए हैं।

सूरत शहर में पिछले कुछ समय से बदहाल डामर की सड़कों के कारण लोगों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। पालिका रोज खड्डों को भरने की सूची जारी करती है, लेकिन शहर में कई इलाकों में खड्डों की संख्या इतनी है कि लोगों के लिए वाहन चलाना भी मुश्किल हो गया है। शहर में बड़ी संख्या में डामर की सड़कें टूट चुकी हैं, वहीं सीमेंट कंक्रीट की सड़कों में भी घटिया कामकाज की शिकायतें सामने आ रही हैं।

सूरत को नई कनेक्टिविटी देने के लिए कैनाल रोड पर स्थित रॉयल डाइंग से हजीरा की ओर जाने वाली सड़क का काम 16.27 करोड़ की लागत से किया गया है। रॉयल डाइंग से पाल गौरवपथ तक 8 50 मीटर सड़क का काम पूरा कर लिया गया है। सड़क का काम पूरा हो चुका है, लेकिन दोनों तरफ चौड़ीकरण का काम अभी चल रहा है। छह महीने पहले इस सड़क को यातायात के लिए खोल दिया गया था। लेकिन सड़क निर्माण में घटिया कामकाज होने के कारण छह महीने भी पूरे नहीं हुए और सीसी रोड पर कई जगह गड्ढे पड़ गए, वहीं कुछ जगह लंबी दरारें भी दिखाई देने लगी हैं। काम पूरा हुआ लेकिन पूरी तरह खत्म होने से पहले ही गड्ढे और दरारें पड़ने से कामकाज की गुणवत्ता और उपयोग किए गए मटेरियल पर कई सवाल उठ खड़े हुए हैं। शिकायत का निपटारा अभी हुआ भी नहीं था कि चौक बाजार से अडाजन की ओर जाने वाले ताप्ती नदी के पुल पर गड्ढे दिखाई देने लगे और उनमें से सरिए भी बाहर निकलने लगे। अगर ये सरिए और बाहर निकलते हैं तो दोपहिया वाहन चालकों को बड़ा हादसा हो सकता है। पुल पर गड्ढे और सरिए दिखने से निर्माण में घटिया कामकाज किए जाने के आरोप लग रहे हैं। अगर पालिका तंत्र इस पुल की तुरंत मरम्मत नहीं करता है तो गड्ढे और बड़े होंगे और सरिए बाहर निकल आएंगे, इससे इनकार नहीं किया जा सकता।

अमरौली रत्नकला कलाकार आत्महत्या केस में एक साल बाद दो महिलाओं की गिरफ्तार

सुसाइड नोट के FSL रिपोर्ट के आधार पर पड़ोसी भाभी और उसकी बहन पर आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के परवत गांव गोकुलनगर में एक साल पहले हुई आत्महत्या के मामले में लिम्बायत पुलिस ने दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है। 20 वर्षीय रत्नकला कलाकार अमरकांत जेशवाल की आत्महत्या के बाद उसकी जेब से मिला सुसाइड नोट इस कार्रवाई का आधार बना। नोट में प्रेम प्रसंग, पैसों की ठगी और धमकियों जैसी गंभीर बातें लिखी हुई थीं। इसके आधार पर पुलिस ने उसकी पड़ोसी भाभी और उसकी बहन के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार किया है।

मूल रूप से उत्तर प्रदेश के बनारस निवासी और वर्तमान में सूरत के अमरौली में रहने वाले राजेशभाई जेशवाल का 20 वर्षीय बेटा अमरकांत ने 12 सितंबर 2024 को अपने घर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। घटना के बाद परिवार को उसकी जेब से एक सुसाइड नोट मिला, जिसमें उसने पड़ोस में रहने वाली भाभी नीलम उमेश यादव और उसकी बहन शीतल रामशंकर गुप्ता को मौत का जिम्मेदार ठहराया था।

लिम्बायत पुलिस ने इस सुसाइड नोट को FSL भेजकर हैंडराइटिंग एक्सपर्ट की राय मांगी थी। एक साल बाद रिपोर्ट आने पर पुलिस ने कार्रवाई शुरू की।

अमरकांत ने हिंदी और अंग्रेजी में लिखे दो पन्नों के सुसाइड नोट में पूरी घटना का जिक्र किया था।

उसने लिखा – नीलम अपने पति को तो धोखा दे रही है लेकिन शीतल को भी उसने अपने जैसा बना दिया है। अमरकांत के अनुसार नीलम ने ही उसकी पहचान शीतल से करवाई थी,

जिसने प्रेम का नाटक करके उसे फंसाया। दोनों ने मिलकर उससे कुल 1.20 लाख रुपये लिए। नोट में उसने लिखा – नीलम ने मुझसे 70 हजार रुपये लिए और शीतल ने मुझसे प्यार करके 50 हजार लिए हैं।

अमरकांत ने यह भी लिखा कि शीतल की शादी हो चुकी थी, फिर भी वह उससे बात करती थी, लेकिन अन्य लोगों से भी संबंध रखती थी।

जब अमरकांत ने यह राज़ पकड़ा तो उसने झूठ बोला। उसने नीलम और उसके प्रेमी राजा पांडे का भी जिक्र किया। नोट में लिखा था कि नीलम और उसका प्रेमी उसे जान से मारने की धमकी देते थे। इन धमकियों और मानसिक यातना से तंग आकर उसने यह कदम उठाया।

उसने यह भी कहा कि उसके मोबाइल में कॉल रिकॉर्डिंग्स और अन्य सबूत मौजूद हैं, जो इनके गलत काम साबित कर सकते हैं। अमरकांत ने पुलिस से गुहार लगाई कि इन दोनों को छोड़ा न जाए और उनका मुंह काला कर सोसायटी में घुमाया जाए, ताकि सबको इनकी हकीकत पता चल सके।

FSL रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की। पुलिस ने नीलम यादव और शीतल गुप्ता के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज किया। पुलिस ने गोकुलनगर से नीलम को और उत्तर प्रदेश में रह रही गर्भवती शीतल को वहां से गिरफ्तार किया है। फिलहाल पुलिस आगे की जांच कर रही है।

जुट बैग पेंटिंग एवं क्रिएटिव पैलेट का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, अग्रवाल प्रगति ट्रस्ट द्वारा आयोजित महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव में शनिवार को ट्रस्ट की महिला शाखा द्वारा जुट बैग पेंटिंग एवं आर्ट और क्राफ्ट का क्रिएटिव पैलेट प्रतियोगिता का आयोजन डुमस स्थित अग्र-एक्जोटिका के इंपीरियल हॉल में किया गया। दोपहर दो बजे से आयोजित कार्यक्रम में प्रतियोगियों ने अपने हुनर का प्रदर्शन करते हुए एक से बढ़कर एक आर्ट की प्रस्तुति दी। विजेताओं को ट्रस्ट द्वारा सम्मानित किया गया। इस मौके पर महिला शाखा की अध्यक्षा मनीषा कजारिया, सचिव किरण चौकड़िका, कोषाध्यक्ष इन्द्रा अग्रवाल सहित अनेकों सदस्या उपस्थित रहीं।

इंपोर्ट-एक्सपोर्ट के नाम पर 2.68 करोड़ की ठगी

व्यापारी को लालच देकर निवेश करवाया, पैसे वापस मांगे तो एयरपोर्ट से गायब कराने की धमकी दी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के अडाजन इलाके में एक व्यापारी के साथ 2.68 करोड़ रुपये की ठगी का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। व्यापारी को इंपोर्ट-एक्सपोर्ट के धंधे में ऊंचे मुनाफे का लालच देकर प्रतीक उर्फ राहुल पटेल नामक एजेंट ने करोड़ों का निवेश करवाया और बाद में पैसे हड़प लिए। जब व्यापारी ने अपने पैसे वापस मांगे, तो आरोपी ने उसे यूके से भारत के किसी भी एयरपोर्ट से गायब करवा देने और अहमदाबाद में माता-पिता के घर तक पहुंच जाने की धमकी दी।

आखिरकार, व्यापारी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद अडाजन पुलिस ने आरोपी प्रतीक को गिरफ्तार कर लिया और आगे की जांच शुरू की है। अडाजन पुलिस स्टेशन के अनुसार, विशाल नगर अपार्टमेंट में रहने वाले 43 वर्षीय जिगर तुषारभाई शाह, जो विदेश में किचन और बाथरूम सामग्री का व्यापार करते हैं,

उनका परिचय उनके एक दोस्त के जरिए पाल क्षेत्र के प्रतीक उर्फ राहुल नरेन्द्रभाई पटेल से हुआ।